रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)—73

REGISTERED No. D. (D.N.)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 3, 1982/चैत्र 13, 1904

No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 3, 1982/CHAITRA 13, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1982

का० आ० 1322.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री त्रिभुवन अग्रवाल, अधि॰॰ हनुमानगढ़ टाऊन, श्री गंगानगर जिला, राजस्थान ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हनुमानगढ़ टाऊन में विधि व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(69)/81-न्या०]

के० सी० डी० गंगवानी, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

NOTICE

New Delhi, the 22nd March, 1982

S.O. 1322.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Tri Bhuwan Agarwal, Advocate P.O. Hanumangarh Town, Distt. Sri Ganganagar Rajasthan for appointment as a Notary to practice in Hanumangarh Town.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[F. No. 5(69)/81-Judl.]

K. C. D. GANGWANI, Competent Authority.

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 17 मार्च 1982

का० आ० 1॰॰ ॰॰॰न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 (1971 का 70) की ॰॰॰ धारा (2) के अनुसरण में तथा भारत सरकार, विधि न्याय तथा ॰ ॰ कार्य मंत्रालय (न्याय विभाग की तारीख 18 मई 1973 की अधिसूचना सं० 20-2-73-न्याय के अतिक्रमण में केन्द्रीय सरकार संघ शासित क्षेत्र दिल्ली के संबंध में उक्त उपधारा के प्रयोजनों के लिए दिल्ली प्रशासन के स्थायी राज परामर्शी (आपराधिक) और स्थायी परामर्शी (सिविल) को एतद्द्वारा विधि अधिकारियों के रूप में निर्दिष्ट करती है।

[सं० 26/1/81-न्याय]

ए० के० शर्मा, उप सचिव

(Department of Justice)

New Delhi, the 17th March, 1982

S.O. 1323.—In pursuance of sub-section (2) of section 15 of the Contempt of Courts Act, 1971 (70 of 1971) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Justice) No. 29|2|73-Jus, dated the 18th May 1973, the Central Government hereby specifies the Standing Counsel (Criminal) and Standing Counsel (Civil) to the Delhi Administration to be the Law Officers for the purposes of the said sub-section, in relation to the Union territory of Delhi.

[No. 26|1|81-Jus.]
S. K. SHARMA, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 18 मार्च, 1982

स्टाम्प

का०आ० 1324.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस शुल्क को माफ करती जो तमिलनाडु राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा प्रोमिसरी नोटों (दूसरी श्रृंखला) के रूप में जारी किए जाने वाले केवल तेरह करोड़ बीस लाख रुपए मूल्य के बन्ध पत्रों पर, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य हैं।

[सं० 8/82-स्टाम्प/फा० सं० 33/4/82-वि० क०]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDERS

New Delhi, the 18th March, 1982

STAMPS

S.O. 1324.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes (2nd Series) to the value of rupees thirteen crores and twenty lakhs only to be issued by the Tamil Nadu Electricity Board are chargeable under the said Act.

[No. 8|82-Stamps|F. No. 33|4|82-ST]

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1982

स्टाम्प

का० आ० 1325.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, उस शुल्क को माफ करती है जो जम्मू तथा कश्मीर राज्य वित्तीय निगम द्वारा जारी किए जाने वाले पचपन लाख रुपए मूल्य के प्रोमिसरी नोटों के रूप में बन्ध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं० 9/82-स्टाम्प/फा० सं० 33/8/82 वि०क०]

New Delhi, the 19th March, 1982

STAMPS

S.O. 1325.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of rupees fifty five lakhs to be issued by the Jammu and Kashmir State Financial Corporation are chargeable under the said Act.

[No. 9|82-Stamps. F. No. 33|8|82-ST]

आदेश

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1982

स्टाम्प

का० आ० 1326.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा रुस्तम मिल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लि० को उन समेकित स्टाम्प शुल्क, शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है, जो उक्त कम्पनी द्वारा मात्र दो करोड़ रुपये के अंकित मूल्यों के जारी किए गए ऋण-पत्रों पर प्रभार्य है।

[सं० 10/82-स्टाम्प/फा० सं० 33/43/81-वि० क०]

New Delhi, the 22nd March, 1982

STAMPS

S.O. 1326.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Rustom Mills and Industries Ltd., to pay consolidated stamp duty chargeable on account of the stamp duty on debentures of the face value of two crores of rupees issued by the said company.

[No. 10|82-Stamps|F. No. 33|43|81-ST]

स्टाम्प

का० आ० 1327.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, उस शुल्क को माफ करती है जो पंजाब फाइनेन्शियल कार्पोरेशन (पंजाब वित्त निगम) द्वारा ऋण-पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले केवल बयासी लाख पचास हजार रुपये मूल्य के ऋणपत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य हैं।

[सं० 12/82/स्टाम्प/फा० सं० 33/41/81-वि०क०]

भगवान दास, अवर सचिव

STAMPS

S.O. 1327.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures to the value of rupees eighty-two lakhs and fifty thousand only to be issued by the Punjab Financial Corporation are chargeable under the said Act.

[No. 12|82-Stamps-F. No. 33|41|81-ST]
BHAGWAN DAS, Under Secy.

केन्द्रीय बोर्ड

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1981

आयकर

का० आ० 1328.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में जारी की गई पिछली सभी अधिसूचनाओं का अधिलंघन करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, एतद्द्वारा निदेश देता है कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भों में विनिर्दिष्ट रेंजों के अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त आयकर से निर्धारित उन सभी व्यक्तियों और आय को छोड़ कर जिन पर अधिकारिता आयकर आयुक्त (अपील) में निहित है, अनुसूची के स्तम्भ 3 की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर परिमण्डलों वार्डों और जिलों में आयकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय से सम्बन्धित अपने कार्यों निर्वहन करेंगे।

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आयकर परिमंडल वार्ड और जिले
1	2	3
1.	इलाहाबाद रेंज, इलाहाबाद	(i) इलाहाबाद परिमंडल जिनमें ई-वार्ड शामिल नहीं है लेकिन सम्पदा शुल्क परिमंडल इलाहाबाद शामिल है। (ii) ए और बी वार्ड, विशेष जांच परिमंडल, इलाहाबाद।
2.	वाराणसी रेंज ए, वाराणसी	(i) विशेष जांच परिमंडल, ए और बी वार्ड, वाराणसी (ii) ए, बी, सी और डी वार्ड, वाराणसी परिमंडल, वाराणसी (iii) केन्द्रीय परिमंडल, वाराणसी।
3.	वाराणसी रेंज बी, वाराणसी	(i) ई, एफ और जी वार्ड, वाराणसी परिमंडल, वाराणसी (ii) भदोही (iii) ए और बी वार्ड, मिर्जापुर (vi) राबर्ट्स गंज (v) गाजीपुर (vi) जौनपुर
4.	गोरखपुर रेंज	(i) गोरखपुर (ii) केन्द्रीय परिमंडल, गोरखपुर (iii) देवरिया (iv) बस्ती (v) आजमगढ़ (vi) मोमक भंजन (vii) बलिया।
5.	फैजाबाद रेंज	(i) फैजाबाद, ए और बी वार्ड (ii) गोंडा (iii) बहराइच (iv) सुल्तानपुर (v) प्रतापगढ़ (vii) फतहपुर (vii) केन्द्रीय परिमंडल I और II इलाहाबाद (viii) इलाहाबाद परिमंडल, इलाहाबाद का ई वार्ड।

2. जहां कोई आयकर परिमंडल, वार्ड और जिला या उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अंतरित कर दिया जाता है वहां उस आयकर परिमंडल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए कर निर्धारणों के विरुद्ध दायर की गई और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल-पूर्व उस अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें, जिसके अधिकार क्षेत्र से उक्त आयकर परिमंडल, जिला या उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त को अंतरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी जिसके अधिकार-क्षेत्र में उक्त परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अंतरित किया जाए।

3. जिन मामलों में, किसी विशिष्ट स्थान पर प्रधान कार्यालय रखने वाले सभी परिमंडल, वार्ड या जिले, किसी एक अपीलीय सहायक आयुक्त के सुपुर्द किए गए हों उनमें इन प्रधान कार्यालयों के परिमंडलों, वार्डों और इन प्रधान कार्यालयों के परिमंडलों, वार्ड और जिले के बारे में उनके समाप्त होने के बाद भी उन्हीं का क्षेत्राधिकार होगा।

4. यह अधिसूचना 10 अक्तूबर 1981 से लागू होगी।

[सं० 4252/फा० सं० 261/15/81- आ० क० न्या०]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 30th September, 1981

INCOME-TAX

S.O. 1328.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous Notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income tax of the ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax in the Income Tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding entry in column 3 there of excluding all persons and incomes assessed to income tax over which the jurisdiction rests in Commissioner of Income Tax (Appeals).

SCHEDULE

Sl. No.	Ranges	Income Tax Circles/Wards & Districts
1.	Allahabad Range, Allahabad	(i) Allahabad Circle excluding E-Ward but including Estate Duty Circle Allahabad (ii) A and B Ward, Special Investigation Circle, Allahabad.
2.	Varanasi Range A, Varansi	(i) Special Investigation Circle, A & B Ward, Varanasi. (ii) A, B, C and D Wards, Varanasi Circle, Varansi. (iii) Central Circle, Varanasi.
3.	Varanasi Range B, Varanasi	(i) E. F. and G Wards, Varanasi Circle, Varanasi. (ii) Bhadohi (iii) A & B Ward, Mirzapur (iv) Robertsganj. (v) Ghazipur (vi) Jaunpur.
4.	Gorakhpur Range	(i) Gorakhpur (ii) Central Circle, Gorakhpur (iii) Deoria (iv) Basti (v) Azamgarh (vi) Maunath Bhanjan (vii) Ballia.
5.	Faizabad Range	(i) Faizabad, A & B Wards (ii) Gonda (iii) Bahraich (iv) Sultanpur (v) Pratapgarh (vi) Fatehpur (vii) Central Circle I & II Allahabad (viii) E Ward of Allahabad Circle, Allahabad.

2. Where an Income-tax Circle, Ward and District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax from whom that Income tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification shall take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant

Commissioner of Income-tax of the range to whom the said Circles, Ward or District or part thereof is transferred

3 Where all Circles, Wards or Districts having headquarters at a particular place have been assigned to an Appellate Assistant Commissioner he will have jurisdiction in respect of Circles, Wards and Districts at these headquarters since abolished also.

4 This Notification shall take effect from 10-10-1981

[No 4252 /F. No. 261/15/81-ITJ]

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1981

आयकर

का०आ० 1329.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 31-8-1981 /10-9-1981 की अधिसूचना सं० 4197 का अधिलघन करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, एतद्द्वारा निर्देश देता है कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट रेंजों के अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, आयकर से निर्धारित उन सभी व्यक्तियों और आय को छोड़ कर जिन पर अधिकारिता आयकर आयुक्त (अपील) में निहित है, अनुसूची के स्तम्भ (2) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर परिमण्डलों, वार्डों और जिलों में आयकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय के संबंध में अपने कार्यों का निर्वहण करेंगे।

अनुसूची

क० सं०	रेंज तथा प्रधान कार्यालय	आयकर परिमण्डल, वार्ड तथा जिले
1	2	3
1	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, बंगलौर रेंज-I, बंगलौर।	1 परिमण्डल-I, बंगलौर।
		2 परिमण्डल-IV बंगलौर।
		3 आयकर अधिकारी, विदेश अनुभाग, बंगलौर।
		4 कम्पनी परिमण्डल-I से VI बंगलौर।
		5 वेतन परिमण्डल, बंगलौर।
		6 आयकर अधिकारी, न्यास परिमण्डल, बंगलौर।
		7 आयकर अधिकारी बंगलौर परिमण्डल पुराना द्वारा पारित आदेशों के सम्बन्ध में।
		8 आयकर अधिकारी, बन्नापटना द्वारा पारित आदेशों के संबंध में।
		9 मंगलौर परिमण्डल, मंगलौर।
		10 उडुपी परिमण्डल, उडुपी।
		11 सम्पदा शुल्क तथा आयकर परिमण्डल, बंगलौर।
		12 सम्पदा शुल्क तथा आयकर परिमण्डल, मंगलौर।
		13 सम्पदा शुल्क तथा आयकर परिमण्डल, हुबली।
2	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, बंगलौर रेंज II, बंगलौर।	1 परिमण्डल-II, बंगलौर।
		2 विशेष सर्वेक्षण परिमण्डल, बंगलौर।
		3 मैसूर परिमण्डल, मैसूर।
		4 मण्डया परिमण्डल, मण्डया।
		5 हसन परिमण्डल, हसन।
		6 कुर्ग परिमण्डल, मर्करा।
		7 चिकमगलूर परिमण्डल, चिकमंगलूर।
3	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, बंगलौर रेंज III, बंगलौर।	1 परिमण्डल-III, बंगलौर।
		2 केन्द्रीय परिमण्डल- I, II, III, IV तथा V बंगलौर।
		3 कोलार परिमण्डल, कोलार।
		4 टुमकूर परिमण्डल, टुमकुर।
4	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, धारवाड़ रेंज हुबली।	1 हुबली परिमण्डल हुबली।
		2 धारवाड़ परिमण्डल, धारवाड़
		3 गदग परिमण्डल, गदग।
		4 शीमोगा परिमण्डल, शीमोगा।
		5 रायचूर परिमण्डल, रायचूर।
		6 गुलबर्ग परिमण्डल, गुलबर्ग।
		7 बेल्लारी परिमण्डल, बेल्लारी।
		8 हासपेट परिमण्डल, हासपेट।
		9 चित्रदुर्ग परिमण्डल, चित्रदुर्ग।
		10 कारवार परिमण्डल, कारवार।
		11 दावनगेर परिमण्डल, दावनगेर
5	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त बेलगाम रेंज, बेलगाम	1 बेलगाम परिमण्डल, बेलगाम।
		2 बीजापुर परिमण्डल, बीजापुर।
		3 बागलकोट परिमण्डल।
6	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, पणजी रेंज, पणजी।	1 पणजी परिमण्डल, पणजी।
		2. मार्गो परिमण्डल, मार्गो।

जहां कोई आयकर परिमण्डल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से दूसरे रेंज में अंतरित कर दिया जाता है वहां उस आयकर परिमण्डल, वार्ड अथवा जिले अथवा उसके किसी भाग में किए कर निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व, रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें, जिससे उक्त आयकर परिमण्डल अथवा वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अंतरित की जाएँगी और उसके द्वारा निपटाई जायेंगी, जिसको उक्त परिमण्डल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित हुआ है।

यह अधिसूचना 16-11-1981 से प्रभावी होगी।

[सं० 4320/फ० सं० 261/18/81- आ० का० न्या०]

New Delhi, the 13th November, 1981

INCOME-TAX

S O 1329—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of Notification No 4197 (F. No 261/18/81-ITJ) dated 31-8-1981/10-9-1981 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in Col. 1 of the schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax in the Income-tax Circles, Wards and District specified in the corresponding entry in Col (2) thereof excluding all persons and Income assessed to Income-tax over which the jurisdiction vests with the Commissioner of Income-tax (Appeals)

SCHEDULE

Sl. No.	Range with Head-quarters	Income-tax Circle, Wards and Districts.
1	2	3
1.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Bangalore Range-I, Bangalore.	1. Circle-I, Bangalore. 2. Circle-IV, Bangalore 3. Income-tax Officer, Foreign Section, Bangalore. 4. Company Circle-I to VI, Bangalore. 5. Salary Circle, Bangalore. 6. I.T.O. Trust Circle, Bangalore. 7. In respect of orders passed by the ITO, Bangalore Circle Old. 8. In respect of orders passed by the ITO, Channapatna. 9 Mangalore Circle, Mangalore. 10. Udupi Circle, Udupi. 11. Estate Duty Cum-Income-tax-Circle, Bangalore. 12. Estate Duty-cum-Income-tax-Circle, Mangalore. 13. Estate Duty-cum-Income-tax-Circle, Hubli.
2.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Bangalore Range-II, Bangalore.	1. Circle-II, Bangalore. 2. Special Survey Circle, Bangalore. 3. Mysore Circle, Mysore. 4. Mandya Circle, Mandya. 5. Hassan Circle, Hassan. 6. Coorg Circle, Mercara. 7. Chickamagalur Circle, Chickamagalur.
3.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Bangalore Range-III, Bangalore.	1. Circle-III, Bangalore. 2. Central Circle-I, II, III, IV and V, Bangalore. 3. Kolar Circle, Kolar. 4. Tumkur Circle, Tumkur.
4.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Dharwar Range, Hubli.	1. Hubli Circle, Hubli. 2. Dharwar Circle, Dharwar. 3. Gadag Circle, Gadag. 4. Shimoga Circle, Shimoga. 5. Raichur Circle, Raichur. 6. Gulbarga Circle, Gulbarga. 7. Bellary Circle, Bellary. 8. Hospet Circle, Hospet. 9. Chitradurga Circle, Chitradurga. 10. Karwar Circle, Karwar. 11. Davangere Circle, Davangere.
5.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Belgaum Range, Belgaum.	1. Belgaum Circle, Belgaum. 2. Bijapur Circle, Bijapur. 3. Bagalkot Circle. Bagalkot.
6.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Panaji Range Panaji.	1. Panaji Circle, Panaji. 2. Margao Circle, Margao.

Whereas the Income-tax circle, Ward or District or Part thereof stands transferred by this Notification from one range to another range as appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification taken effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said circle, Ward, District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 16-11-1981.

[No. 4302 (F. No. 261/18/81-ITJ)]

का० आ० 1330—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पिछले सभी आदेशों का अधिलंघन करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, एतद्द्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तंभ संख्या (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार क्षेत्रों के आयकर आयुक्त (अपील), अनुसूची के स्तम्भ (2) और (3) की तत्सम्बंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों, परिमण्डलों, जिलों और रेंजों में, आयकर या अतिकर या ब्याज कर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खण्ड (क) से (ज) में, और ब्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उप-धारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से व्यथित हुए हैं और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्ति वर्ग की बाबत भी, जिनके लिए बोर्ड ने, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 246 की उपधारा 2 के खण्ड (1) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें, अपने कार्य का अनिर्वहण करेंगे।

अनुसूची

अधिकार क्षेत्र और प्रधान कार्यालय	आयकर वार्ड और परिमण्डल	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त के रेंज
1	2	3
आयकर आयुक्त (अपील), I जयपुर	जयपुर में निम्नलिखित वार्ड/परिमण्डल (1) ए-वार्ड (2) बी-वार्ड (3) सी-वार्ड (4) डी-वार्ड (5) ई-वार्ड (6) एफ-वार्ड	1. नि० स० आ० (निर्धा) . जयपुर 2. नि० स० आ० (निर्धा)-II जयपुर 3 नि० स० आ० (निर्धा)-II जयपुर 4. नि० स० आ० (निर्धा)-जयपुर 5 नि० स० आ० (अभिग्रहण), जयपुर

1	2	3
	(7) जी-वार्ड	
	(8) एच० वार्ड	
	(9) जे- वार्ड	
	(10) के-वार्ड	
	(11) वेतन परिमण्डल I	
	(12) वेतन परिमण्डल II	
	(13) विशेष सर्वेक्षण परिमण्डल I	
	(14) विशेष सर्वेक्षण परिमण्डल II	
	(15) विशेष सर्वेक्षण परिमण्डल III	
	(16) विशेष जांच परिमण्डल III	
	(17) विशेष जांच परिमण्डल IV	
	निम्नलिखित स्थानों के सभी वार्ड/परिमण्डल	नि० स० आ०, अजमेर
	2 अजमेर	नि० स० आ० रेंज जयपुर
	3. ब्यावर	नि० स० आ० उदयपुर
	4 झुनझुनु	
	5 सीकर	
	6 अलवर	
	7. उदयपुर	
2 आयकर आयुक्त (अपील) II जयपुर	1. जयपुर स्थित सभी सेन्ट्रल परिमण्डल	
	2 जयपुर स्थित सभी कम्पनी परिमण्डल	
	3. न्यास परिमण्डल जयपुर	
	4 सम्पदा-शुल्क तथा आयकर परिमण्डल जयपुर	
	5. विशेष जांच परिमंडल I तथा II जयपुर	
	निम्नलिखित स्थानों के सभी वार्ड/परिमण्डल	
	6 श्रीगंगा नगर	नि० स० आ० रेंज- I जयपुर
	7. हनुमान गढ़	
	8. झालावाड़	
	9. कोटा	
	10. बूंदी	
	11. सवाई माधोपुर	
	12. भरत पुर	
3 आयकर आयुक्त (अपील) जयपुर	निम्नलिखित स्थानों के सभी वार्ड/परिमण्डल	
	1 जोधपुर	नि० स० आ० (निर्धा) जोधपुर
	2 पाली	नि० स० आ० जोधपुर
	3 बाड़मेर	नि० स० आ० बीकानेर
	4 जालौर	नि० स० आ० उदयपुर
	5 सुमेरपुर	
	6 बीकानेर	
	7 नागौर	
	8 चूरु	
	9 चित्तौड़गढ़	
	10 भीलवाड़ा	
	11 सिरोही	
	12. बांसवाड़ा	
	13. सम्पदा शुल्क तथा आयकर परिमण्डल जोधपुर	

जहां कोई आयकर परिमण्डल/वार्ड अथवा जिला अथवा रेंज अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार-क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार क्षेत्र में अन्तरित हो जाता है, वहां उस आयकर परिमण्डल/वार्ड या जिले या रेंज या उसके किसी भाग में किए गए कर-निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस अधिकार-क्षेत्र के जिससे वह आयकर परिमण्डल/वार्ड या जिला या रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तरित हुआ हो आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के तत्काल पहले अनिर्णीत पड़ी अपीलें इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से उस अधिकार क्षेत्र के आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी जिसको उक्त परिमण्डल/वार्ड या जिला या रेंज या उसका कोई भाग अन्तरित हुआ है

यह अधिसूचना 1-12-1981 से लागू होगी।

[सं० 4326 फा० सं० 261/31/81-आ० क०न्या०]

S.O. 1330.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all the earlier orders, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to income-tax or surtax or interest tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in column (2) and column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961, in sub-section (1) of the Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with Headquarters	Income-tax Wards and Circles	Ranges of Inspecting Asstt. Commr. of Income-tax
(1)	(2)	(3)
1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-I, Jaipur.	1. Following wards/Circles at Jaipur.	1. IAC (Asstt)-I, Jaipur.
	(i) A—Ward	2 IAC (Asstt)-II, Jaipur.
	(ii) B—Ward	3. IAC (Asstt)-III, Jaipur.
	(iii) C—Ward	4 IAC (Rsstt), Jaipur.
	(iv) D—Ward	5. IAC (Acquisation), Jaipur.
	(v) E—Ward	
	(vi) F—Ward	
	(vii) G—Ward	
	(viii) H—Ward	
	(ix) J—Ward	
	(x) K—Ward	
	(xi) Salary Cirle—I	
	(xii) Salary Circle—II	
	(xiii) Special Survey Circle—I	
	(xiv) Special Survey Circle II	
	(xv) Special Survey Circle—III	
	(xvi) Special Investigation Circle—III	
	(xvii) Special Investigation Circle—IV	
	All wards/circles at:	
	2. Ajmer	IAC, Ajmer.
	3. Beawar	IAC, Range-I, Jaipur.
	4. Jhunjhunu	IAC, Udaipur.
	5. Sikar	
	6. Alwar	
	7. Udaipur	
2. Commissioner of Income-tax (Appeals)-II, Jaipur.	1. All Central Circles at Jaipur	
	2. All Company Circles at Jaipur.	
	3. Trust Circle, Jaipur	
	4. Estate-Duty-cum Income-tax circle, Jaipur	
	5. Special Investigation Circle-I and II, Jaipur	
	All Wards/circles at:	
	6. Sriganganagar	IAC, Range-I, Jaipur.
	7. Hanumangarh	
	8. Jhalawar	
	9. Kota	
	10. Bundi	
	11. Sawaimadhopur	
	12. Bharatpur	
3. Commissioner of Income-tax (Appeals), Jodhpur.	All Wards/Circles at:	IAC(Asstt), Jodhpur.
	1. Jodhpu	IAC, Jodhpur
	2. Pali	IAC, Bikaner.
	3. Barmer	IAC, Udaipur.
	4. Jalore	
	5. Sumerpur	
	6. Bikaner	
	7. Nagpur	
	8. Churu	
	9. Chittorgarh	
	10. Bhilwara	
	11. Sirohi	
	12. Bamswara	
	13. Estate-Duty-cum I.T. Circle, Jodhpur.	

Whereas the Income-tax circle, ward or district or Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another charge, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or Range or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge from whom that income tax circle, Ward or District or Range or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect, be transferred to and dealt with the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the Charge to whom the said Circle Ward or District or Range or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-12-1981

[No. 4326(F.No.261/31/81-ITJ)

का० आ० 1331.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 9-10-1980 की पूर्ववर्ती अधिसूचना सं० 3696 (फा० सं० 261/1/80-आ० क० न्या०) का अधिलंघन करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ संख्या (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार-क्षेत्रों के आयकर आयुक्त (अपील) अनुसूची के स्तंभ (2) और (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों परिमण्डलों, जिलों और रेंजों में, ऐसे आयकर या अतिकर या ब्याज कर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खण्ड (क) से (ज) में, कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा-11 की उप धारा (1) और ब्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उप धारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से अपकृत हुए हैं और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्ति वर्गों की बाबत भी; जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 की उप-धारा (2) के खण्ड (1) के उपबन्धों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें, अपने कार्य का निर्वहण करेंगे ।

अनुसूची

अधिकार-क्षेत्र और प्रधान कार्यालय	आयकर वार्ड परिमण्डल तथा जिला	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त के रेंज
1	2	3
1. आयकर आयुक्त (अपील), I बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल-I 2. कर-निर्धारण परिमण्डल I 3. व्यावसायिक परिमण्डल	नि० स० आ० (निर्धा) रेंज-I
2. आयकर आयुक्त (अपील), II बम्बई	1. एV वार्ड 2. फिल्म परिमण्डल 3. विदेशी कम्पनी परिमण्डल, II 4. विदेश-अनुभाग	नि० स० आ० विदेशी (क० नि०) रेंज-II
3. आयकर आयुक्त (अपील), III बम्बई	1. ए I वार्ड 2. ए II वार्ड 3. ए III वार्ड 4. ए-IV वार्ड	
4. आयकर आयुक्त (अपील), IV बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल-II 2. विदेशी कम्पनी परिमण्डल-I 3. कर-निर्धारण परिमण्डल-II 4. कर-निर्धारण परिमण्डल-II-ए	1. नि० स० आ०, (विदेशी) (निर्धा०) रेंज-I 2. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-II 3. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-II ए
5. आयकर आयुक्त (अपील), V बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल-I (1) से (11) 2. कर- निर्धारण परिमण्डल-I 3. कर- निर्धारण परिमण्डल-IV ए	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-IV तथा IV-ए
6. आयकर आयुक्त (अपील), VI बम्बई	1. आयकर अधिकारी, कम्पनी परिमण्डल-V (1 से (6) तक 2. प्रथम आ० क० अ०, निर्धारण परिमण्डल-V 3. द्वितीय आ० क० अ० निर्धारण परिमण्डल-V 4. प्रथम तथा द्वितीय आ० क० अ०, निर्धा० परिमण्डल-V-ए	
7. आयकर आयुक्त (अपील), VII बम्बई	1. कम्पनी परिमण्डल-III (1) से (4) तक 2. आ० क० अ०, निर्धारण परिमण्डल-III 3. आ० क० अ०, निर्धारण परिमण्डल-III-ए	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज -III 2. नि० स० आ० (नि०)- रेंज-III
8. आयकर आयुक्त (अपील), VIII बम्बई	1. आ० क० अ०, कम्पनी परिमण्डल-VI (1) से VI (6) तक 2. कर निर्धारण परिमण्डल VI, (1) से 1 (2) तक 3. कर निर्धारण परिमण्डल-III 4. कम्पनी परिमण्डल-III	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-VI 2. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-VI ए
9. आयकर आयुक्त (अपील), IX बम्बई	1. डी-I वार्ड 2. डी-II वार्ड 3. सी-IV वार्ड 4. निर्धा० परिमण्डल-VII 5. निर्धारण परिमण्डल-VIII-ए	नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-VIII 2. नि० सं० आ० (निर्धा०) रेंज-VII

1	2	3
10. आयकर आयुक्त (अपील) X, बम्बई	1. सी-I वार्ड 2. सी-II वार्ड 3. सी-III वार्ड 4. सी-IV वार्ड 5. एम० डी० -I 6. एम० डी०-II 7. टी० डी० एस०	
11. आयकर आयुक्त (अपील) XI, बम्बई	1. ई-वार्ड 2. जी-वार्ड 3. जी० ए० -वार्ड 4. बी० एस० डी० (साउथ) 5. कर-निर्धारण परिमण्डल-VIII 6. बी० एस० डी० (ईस्ट) 7. बी० एस० डी० (वेस्ट) 8. बी० एस० डी० (नार्थ) 9. सर्वेक्षण I तथा II 10. कर-निर्धारण परिमण्डल IX 11. हुण्डी परिमण्डल 12. विशेष क्षेत्राधिकार	1. नि० स० आ० (निर्धा०) सर्वेक्षण रेंज-I 2. नि० स० आ० (निर्धा०) सर्वेक्षण रेंज-II
12. आयकर आयुक्त (अपील) XII, बम्बई।	1. बी०-I वार्ड 2. बी-II वार्ड 3. बी-III वार्ड	
13. आयकर आयुक्त (अपील) XIII, बम्बई	1. मार्केट वार्ड 2. न्यास परिमण्डल	
14. आयकर आयुक्त (अपील) XIV, बम्बई	1. आ० क० अ०, कम्पनी परिमण्डल V(7) से V (11) तक	
15. आयकर आयुक्त (अपील) XV, बम्बई	1. आ० क० अ० कम्पनी परिमण्डल-III (5) से (8) तक	
16. आयकर आयुक्त (अपील) XVI, बम्बई	1. आ० क० अ० कम्पनी परिमण्डल III (9) से III (15) तक	
17. आयकर आयुक्त (अपील) XVII, बम्बई	1. आ० क० अ० कम्पनी परिमण्डल VI(7) से VI(12) तक	
18. आयकर आयुक्त (अपील) - सेण्ट्रल-I, बम्बई	1. सेण्ट्रल परिमण्डल I से XIV तक	1. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-I 2. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-II 3. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-III
19. आयकर आयुक्त (अपील) सेण्ट्रल-II, बम्बई	1. सेण्ट्रल परिमण्डल XV से XXVIII तक	1. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज- IV 2. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-V 3. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-VI
20. आयकर आयुक्त (अपील) सेण्ट्रल-III, बम्बई	1. सेण्ट्रल परिमण्डल XXIX से XLII तक	1. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-VII 2. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-VIII 3. नि० स० आ० सेण्ट्रल रेंज-IX

अब तक आयुक्त (अपील)-XII तथा XIII के रूप में पदनामित पुराने अधिकार क्षेत्रों में अनिर्णीत पड़ी अपीलें नव-पदनामित आयुक्त (अपील) सेण्ट्रल-I तथा सेण्ट्रल-II के क्षेत्राधिकारों में ही रहेंगी।

जहां कोई आयकर परिमण्डल वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार-क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार-क्षेत्र में अन्तरित हो जाता है, अतः उस आयकर परिमण्डल, वार्ड या जिले अथवा उसके किसी भाग या जिले में किए गए कर-निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस अधिकार क्षेत्र के जिससे वह आयकर परिमण्डल, वार्ड या जिला, या रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तरित हुआ हो, आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के तत्काल पहले अनिर्णीत पड़ी अपीलें, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से उस अधिकार क्षेत्र के आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी, जिसको उक्त परिमण्डल वार्ड या जिला या रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तरित हुआ है।

यह अधिसूचना 1-12-1981 से लागू होगी।

[सं० 4317/फा० सं० 261/3/81- आ० क० न्या०]

S.O. 1331.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of the previous notifications No. 3696 (F. No. [illegible] 80-ITJ) dated 9-10-1980 the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to income [illegible] surtax or interest-tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entities in column (2) and column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clause (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961 in sub-section (1) of section II of Companies (profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), and sub-section (1) of Section 15 of the Interest-tax Act, 1947 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in furture in accordance with the provisions of clause (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with	Income-tax Ward/Circle and Districts	Ranges of Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
1	2	3
1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-I, Bombay.	1. Companies Circle-I 2. Asstt. Circle-I 3. Professional Circle	1. I.A.C. (Asst.) Range-I
2. Commissioner of Income-tax (Appeals)-II, Bombay.	1. A-V Ward 2. Film Circle 3. Foreign Companies Circle-II 4. Foreign Section	1. I.A.C., Foreign (Asst.) Range-II
3. Commissioner of Income-tax (Appeals)-III, Bombay.	1. A-I Ward 2. A-II Ward 3. A-III Ward 4. A-IV Ward	
4. Commissioner of Income-tax (Appeals)-IV, Bombay.	1. Companies Circle-II 2. Foreign Companies Circle-I 3. Assessment Circle-II 4. Asst. Circle-IIA	1. IAC, Foreign (Asst.), Range-I 2. IAC, (Asst), Range-II 3. IAC (Asst.), Range-IIA
5. Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Bombay.	1. Companies Circle-IV(1) to (11) 2. Asst. Circle-IV 3 Asst. Circle-IVA	1. IAC (Asst.) Range-IV & IVA
6. Commissioner of Income-tax (Appeals)-VI, Bombay.	1. ITO, Companies Circle-V (1) to (6) 2. 1st ITO., Asst. Circle-V 3 2nd ITO, Asst. Circle-V 4. 1st & 2nd ITO, Asst. Circle-VA	
7. Commissioner of Income-tax (Appeals)-VII, Bombay.	1. Companies Cicrle-III (1) to (4) 2. ITO, Asst. Circle-III 3. ITO, Asst. Circle-IIIA	1. IAC, (Asst.) Range-III 2. IAC (Asst.) Range-III
8. Commissioner of Income-tax (Appeals)-VIII, Bombay.	1. ITO, Companies Circle-VI (1) to (6) 2. Asst. Circle-VI, VI(1) & VI(2) 3. Asst. Circle-III 4. Companies Circle-III	1. IAC (Asst.) Range-VI 2. IAC (Asst.) Range-VIA
9. Commissioner of Income-tax (Appeals)-IX, Bombay.	1. D-I Ward 2. D-II Ward 3. C-IV Ward 4. Asst. Circle-VII 5. Asst. Circle-VIIA	1. IAC (Asst.) Range-VIII 2. IAC (Asst.) Range-VII
10. Commissioner of Income-tax (Appeals)-X, Bombay.	1. C-I Ward 2. C-II Ward 3. C-III Ward 4. C-IV Ward 5. S. B-I 6. S. B-II 7. T.D.S.	
11. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XI Bombay.	1. E-Ward 2. G-Ward 3. GA-Ward 4. B.S.D. (South) 5. Asst. Circle-VIII 6. B.S.D. (East) 7. B.S.D. (West)	1. IAC (Asst.) Survey Range-I 2. IAC (Asst.) Survey Range-II

1	2	3
	8. B.S.D. (North) 9. Survey I & II 10. Asst. Circle-IX 11. Hundi Circle 12. Spl. Jurisdiction	
12. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XII, Bombay.	1. B-I Ward 2. B-II Ward 3. B-III Ward	
13. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XIII, Bombay.	1. Market Ward 2. Trust Circle.	
14. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XIV, Bombay	1. ITO, Companies Circle V(7) to (11)	
15. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XV, Bombay.	1. ITO, Companies Circle-III(5) to (8)	
16. Commissioner of Income tax (Appeals)-XVI, Bombay.	1. ITO Companies Circle III(9) to (15)	
17. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XVII, Bombay.	1. ITO, Companies Circle VI(7) to (12)	
18. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-I, Bombay.	1. Central Circles I to XIV	1. IAC, Central Range-I 2. IAC, Central Range-II 3. IAC, Central Range-III
19. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-II, Bombay.	1. Central Circles XV to XXVIII	1. IAC, Central Range-IV 2. IAC, Central Range-V 3. IAC, Central Range-VI
20. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-III, Bombay.	1. Central Circles XXIX to XLII	1. IAC, Central Range-VII 2. IAC, Central Range-VIII 3. IAC, Central Range-IX

All appeals pending in the old charges hitherto designated as Commissioners (Appeals)-XII and XIII will continue within the jurisdiction of the Commissioners (Appeals) Central-I and Central-II so newly designated.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one charge to another charge, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge from whom the Income-tax Circle, Ward or District or Range or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge to whom the said Circle Ward or District or Range or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1/12/81

[No. 4327(F.No.261/3/81-ITJ)]

आयकर

का० आ० 1332—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 क की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं का अधिलघन करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा निदेश देती है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ, (1) मे विनिर्दिष्ट अधिकार क्षेत्रों के आयकर आयुक्त (अपील) अनुसूची के स्तम्भ (2) और स्तम्भ (3) की तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों परिमंडलों, जिलो और रेंजों में आयकर या अतिकर या ब्याज कर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे मे, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खंड (क) से (ज), कम्पनी (लाभ) अति-कर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा II की उप धारा (1) तथा ब्याजकर अधिनियम 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उप धारा (1) में उल्लिखित किसी आदेश से अपकृत हुए हैं, और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तिगत वर्गों की बाबत भी, जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खंड (1) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें, कार्य निर्वहन करेंगे।

अनुसूची

अधिकार क्षेत्र तथा प्रधान कार्यालय	आयकर वार्ड तथा परिमंडल	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्तों के रेंज
1	2	3
आयकर आयुक्त (अपील)-1, हैदराबाद।	1. केन्द्रीय परिमंडल, हैदराबाद	1. निरीक्षी सहायक आयुक्त (केन्द्रीय) हैदराबाद
	2. केन्द्रीय परिमंडल, विजयवाड़ा	
	3. केन्द्रीय परिमंडल, काकिनाडा	
	4. वेतन परिमंडल, हैदराबाद	2. निरीक्षी सहायक आयुक्त रेंज-IV हैदराबाद
	5. निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर निर्धारण)-1, हैदराबाद	

1	2	3
	6. आ० क० अधिकारी (विशेष जांच परिमंडल)-1, हैदराबाद	3. निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर-निर्धारण) 1 हैदराबाद
	7. सर्वेक्षण परिमंडल, हैदराबाद।	4. निरीक्षी सहायक आयुक्त सर्वेक्षण रेंज, हैदराबाद
	8. परिमंडल, 1, हैदराबाद। 9. गुंटूर परिमंडल 10. निरीक्षी सहायक आयुक्त (कर निर्धारण), गुंटूर।	5. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-1, हैदराबाद।
	11. आयकर अधिकारी, (विशेष जांच परिमंडल), गुंटूर।	6. निरीक्षी सहायक आयुक्त (क० नि०) गुंटूर
आयकर आयुक्त (अपील-I) हैदराबाद	12. वारंगल परिमंडल 13. खम्माम परिमंडल	7. निरीक्षी सहायक आयुक्त, विजयवाड़ा
	14. हिंदुपुर परिमंडल 15. अनंतपुर परिमंडल 16. अदोनी परिमंडल 17. कुर्नूल परिमंडल 18. नांड्याल परिमंडल 19. प्रोद्दातुर परिमंडल 20. कुडप्पा परिमंडल	8. निरीक्षी सहायक आयुक्त, अनन्तपुर
	21. तिरुपति परिमंडल 22. चित्तूर परिमंडल 23. ओंगोल परिमंडल 24. बापतिया परिमंडल 25. नेल्लूर परिमंडल	9. निरीक्षी सहायक आयुक्त, (नेल्लूर)
आयकर आयुक्त (अपील)-II हैदराबाद	1. परिमंडल,-II, हैदराबाद	10. निरीक्षी सहायक आयुक्त रेंज-II,
	2. परिमंडल-III, हैदराबाद	11. निरीक्षी सहायक आयुक्त रेंज-III, हैदराबाद
	3. परिमंडल-IV हैदराबाद 4. निर्मल परिमंडल 5. निजामाबाद परिमंडल 6. संगारेड्डी परिमंडल 7. करीमनगर परिमंडल 8. महबूब नगर परिमंडल 9. नालगोंडा परिमंडल	12. निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-V हैदराबाद
	10. कंपनी परिमंडल, हैदराबाद 11. परियोजना परिमंडल (पुराना) हैदराबाद। 12. विशेष परिमंडल (पुराना) हैदराबाद। 13. नि० स० आ० (क० नि०)-II, हैदराबाद।	13. निरीक्षी सहायक आयुक्त रेंज-V हैदराबाद
	14. आयकर अधिकारी (विशेष जांच परिमंडल)-II हैदराबाद।	14. निरीक्षी सहायक आयुक्त (क० नि०)-II, हैदराबाद।
	15. सं० शु० तथा आ० क० परिमंडल, हैदराबाद। 16. सं० शु० तथा आ० क० परिमंडल, काकिनाडा। 17. सं० शु० तथा आ० क० परिमंडल, अनंतपुर। 18. सं० शु० तथा आ० क० परिमंडल, गुंटूर।	15. नि० स० आ० (उप सं० शु० नियंत्रक) रेंज VI हैदराबाद।
आयकर आयुक्त (अपील) विशाखापत्तनम्	1. श्री काकुलम परिमंडल 2. विजियानगरम परिमंडल 3. विशाखापत्तनम परिमंडल 4. अनकापल्ली परिमंडल 5. राजामुंदरी परिमंडल 6. नि० स० आ० (क० नि०) विशाखापत्तनम	16. नि० स० आ० विशाखापत्तनम्
	7. नि० स० आ० (क० नि) विशाखापत्तनम	17. नि० स० आ० (क० नि०) विशाखापत्तनम्।

(1)	(2)	(3)
	8. परिमंडल- काकिनाडा 9. परिमंडल- काकिनाडा 10. अमलापुरम परिमंडल 11. पालाकोल परिमंडल 12. भीमावरम परिमंडल 13. तानुकु परिमंडल 14. एलूरु परिमंडल	18. नि० स० आ० काकिनाडा
	15. विजयवाडा परिमंडल 16. गुडिवाडा परिमंडल 17. मछलीपट्टनम परिमंडल 18. तेनाली परिमंडल	19. नि० स० आ०, विजयवाडा

जहां कोई आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला या उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार क्षेत्र से दूसरे अधिकार क्षेत्र में अंतरित हो जाता है, वहां उस आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिले अथवा उसके किसी भाग में किए गए कर निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस अधिकार-क्षेत्र के, जिससे वह आयकर परिमंडल, वार्ड या जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, आयकर आयुक्त के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व विचाराधीन पड़ी अपीलें इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से उस अधिकार क्षेत्र के आयकर आयुक्त को अंतरित की जायेंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जायेगी, जिसको उक्त परिमंडल, वार्ड अथवा जिला या उसका कोई भाग अंतरित हुआ है।

यह अधिसूचना 1-12-1981 से लागू होगी।

[सं० 4328 (फा० सं० 261/28/81-आ० क० न्या०)]

INCOME-TAX

S.O.1332.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all the previous notifications in this regard the central Board of Direct Taxes hereby direct that the Commissioners of Incometax (Appeals) of the Charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Surtax or interest tax in the Income-tax Wards, Circle, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in column (2) and column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961, in sub-section (1) of Section-II of Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), and in sub-section (1) of Section 15 of the Interest tax Act,1964 (45 of 1964) and also in respect of such persons of classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (1) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with Headquarters	Income-tax Wards and Circles	Ranges of Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax
1	2	3
Commissioner of Income-tax (Appeals)-I Hyderabad.	1. Central Circle, Hyderabad 2. Central Circle, Vijayawada. 3. Central Circle, Kakinada	1. IAC (Central) Hyderabad.
	4. Salary Circle, Hyderabad. 5. ICA (Asstt) I, Hyderabad. 6. ITO (SIC)-I, Hyderabad. 7. Survey Circle, Hyderabad.	2. IAC, Range-IV Hyderabad. 3. IAC (Asstt)-I, Hyderabad.
	8. Circle-I, Hyderabad. 9. Guntur Circle.	4. IAC, Survey Range, Hyderabad.
	10. I A.C. (Asstt), Guntur	5. IAC, Range-I, Hyderabad
	11. I.T.O. (SIC) Guntur	6. IAC (Asstt.) Guntur
	12. Warangal Circle 13. Khammam Circle.	7. IAC, Vijayawada.
	14. Hindupur Circle 15. Anantpur Circle 16. Adoni Circle 17. Kurnool Circle 18. Nandyal Circle 19. Proddatur Circle 20. Cuddapah Circle	8. IAC, Anantapur.
	21. Tirupati Circle 22. Chittoor Circle 23. Ongole Circle 24. Bapatla Circle 25. Nellore Circle	9. I.A.C., Nellore.

1	2	3
Commissioner of Income-tax (Appeals)-II, Hyderabad.	1. Circle-II, Hyderabad.	10. IAC Range-II, Hyderabad.
	2. Circle-III, Hyderabad.	11. IAC Range-III, Hyderabad.
	3. Circle-IV, Hyderabad.	
	4. Nirmal Circle	
	5. Nizamabad Circle	
	6. Sangareddy Circle	12. IAC Range-V, Hyderabad.
	7. Karimnagar Circle	
	8. Mahaboobnagar Circle	
	9. Nalgonda Circle	
	10. Company Circle, Hyderabad.	13. IAC, Range-IV, Hyderabad.
	11. Project Circle (old old), Hyderabad.	
	12. Special Circle (old) Hyderabad.	
	13. IAC (Asstt)-II, Hyderabad.	
	14. ITO (SIC)-II, Hyderabad.	14. IAC, (Asstt)-II, Hyderabad.
	15. ED-cum-Income-tax Circle, Hyderabad.	15. IAC (Deputy Controller of Estate Duty) Range-VI, Hyderabad.
	16. ED-cum-Income-tax Circle, Kakinada.	
	17. ED-cum-Income-tax Circle, Anantapur.	
	18. ED-cum-Income-tax Circle, Guntur	
Commissioner of Income-tax (Appeals), Visakhapatnam.	1. Srikakulam Circle	
	2. Vizianagaram Circle	
	3. Visakhapatnam Circle	16. IAC, Visakhapatnam.
	4. Anakapalli Circle	
	5. Rajahmundry Circle	
	6. IAC (Asstt) Visakhapatnam	
	7. ITO(SIC) Visakhapatnam.	17. IAC (Asstt.) Visakhapatnam.
	8. Circle-I, Kakinada	
	9. Circle-II, Kakinada	
	10. Amalapuram Circle	
	11. Palacole Circle	18. IAC, Kakinada.
	12. Bhimavaram Circle	
	13. Tanuku Circle	
	14. Eluru Circle	
	15. Vijayawada Circle	
	16. Gudivada Circle	19. IAC, Vijaywada.
	17. Machilipatnam Circle	
	18. Tenali Circle	

Whereas the Income-tax Circle, Wards or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Charge to another charge, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending Circle, immediately before the date of this Notification before the Commissioner of Income-tax of the Charge from whom the Income-tax Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax of the Charge to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-12-1981.

[No. 4328 (F. No. 261/28/81-ITJ]

का० आ० 1333.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को अधिकार देने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा दिनांक 18-8-78 की अधिसूचना सं० 2471 (फा० सं० 261/22/78-आ० क० न्या०) से संलग्न अनुसूची और दिनांक 15-11-78 की अधिसूचना सं० 2581 (फा० सं० 261/22/78-आ० क० न्या०), दिनांक 4-1-79 की अधिसूचना सं० 2637 (फा० सं० 261/22/78-आ० क० न्या०) और दिनांक 15-2-80 की अधिसूचना सं० 3189 (फा० सं–261/7/79 आ० क० न्या०) में निम्नलिखित संशोधन करता है।

क्त अनुसूची में स्तम्भ 3 और 4 मे क्र० सं० के सामने निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

क्र० सं०	अधिकार क्षेत्र तथा प्रधान कार्यालय	आयकर परिमंडल और वार्ड	आयकर के नि० स० आ० का रेंज
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आयकर आयुक्त (अपील)-1 बड़ौदा।	1. परिमंडल-1, बड़ौदा	1. बड़ौदा रेंज-I, बड़ौदा
		2 नि० स० आ० (क० नि०), बड़ौदा।	
		3. परि० II बड़ौदा	2. बड़ौदा रेंज-II, बड़ौदा
		4. परि० III, बड़ौदा	
		5. बरोच	
		6. संपदा शुल्क, बड़ौदा	
		7. केन्द्रीय परि० I बड़ौदा	3. केन्द्रीय रेंज, बड़ौदा
		8. केन्द्रीय, परि० II, बड़ौदा	
		9. नि० स० आ० (केन्द्रीय) बड़ौदा	

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	आयकर आयुक्त, (अपील)-II, बड़ौदा	1. परि०-I, सूरत 2. बलसाड़ 3. वापी 4. संपदा शुल्क, सूरत 5. नि० स० आ०, सूरत रेंज-I, सूरत 6. केन्द्रीय परिमंडल-I, सूरत 7. केन्द्रीय परिमंडल-II, सूरत 8. केन्द्रीय परिमंडल-III सूरत	1. सूरत रेंज-I, सूरत
3.	आयकर आयुक्त (अपील), सूरत।	1. परिमंडल-II सूरत 2. परिमंडल III सूरत 3. नवसारी 4. नि० स० आ०, सूरत रेंज-II, सूरत।	1. सूरत रेंज-II, सूरत

जहां कोई आयकर परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकारी क्षेत्र से दूसरे अधिकार क्षेत्र को अंतरित हो जाता है, वहां उस आयकर परिमंडल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किये गये निर्धारण से उत्पन्न होने वाली और उस अधिकार क्षेत्र के, जिससे वह आयकर परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, आयकर आयुक्त के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पूर्व विचाराधीन पड़ी अपीलें, उस तारीख से जिस तारीख को वह अधिसूचना प्रभावी होगी है, उस अधिकार क्षेत्र के, जिसको उक्त परिमंडल, वार्ड या जिला या उसका भाग अंतरित हुआ है, आयकर आयुक्त को अंतरित की जायेंगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 1-12-1981 से लागू होगी।

[सं० 4329/फा० सं० 260/26/81-आ० क० न्या०]

S.O. 1333.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the schedule appended to its Notification No. 2471 (F. No. 261/22/78-ITJ dated 18-8-1978) and in Notification No.2581 (F. No. 261/22/78-ITJ dated 15-11-1978) and Notification No. 2637 (F. No. 261/22/78-ITJ) dated 4-1-79 and in Notification No. 3189) F. No. 261/7/79-ITJ dated 15-2-1980.

In the said schedule the following shall be substituted in columns 3 & 4 against serial No.............

S.No.	Charge with HQrs.	Income-tax Circle & Wards	Range of I.A.C. of Income-tax
1	2	3	4
1.	Commissioner of Income-tax (Appeals)-I, Baroda	1. Circle-I, Baroda 2. IAC (Asstt) Baroda	1. B.R.-I, Baroda
		3. Cir-II, Baroda 4. Circle-III, Baroda 5. Broach 6. E. D., Baroda	2. B.R.-II Baroda
		7. Central Circle-I Baroda 8. Central Circle-II Baroda 9. IAC (Central), Baroda.	3. Central Range Baroda
2.	Commissioner of Income -tax (Appeals)-II Baroda	1. Circle-I, Surat 2. Bulsar 3. Vapi 4. E. D. (Surat) 5. IAC, S. R.-I, Surat 6. Central Circle-I, Surat 7. Central Circle-II, Surat 8. Centra Circle-III, Surat	1. S. R.-I Surat
3.	Commissioner of Income-tax (Appeals), Surat.	1. Circle-II, Surat 2. Circle-III, Surat 3. Navsari 4. I.A.C., S.R. II, Surat	1. S. R. II Surat

Whereas the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Charge to another Charge, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Commissioner of Income-tax of the Charge from whom the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax of the Charge to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-12-1981.

[No. 4329/F. No. 261/26/81-ITJ]

आदेश

का० आ० 1331.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 और उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस सम्बन्ध में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को सक्षम बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और बोर्ड की दिनांक 13-11-1981 की अधिसूचना सं० 4305 (फा० सं० 261/23/81-आ० का० न्या०) का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, एतद्द्वारा निदेश देता है कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट रेंज के अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, आयकर अथवा अधिकार से निर्धारित उन सभी व्यक्तियों और आय को छोड़ कर जिन पर अधिकारिता आयकर आयुक्त (अपील) में निहित है, अनुसूची के स्तम्भ (2) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर परिमण्डलों वार्डों तथा जिलों में आयकर अधिकारी द्वारा कर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आय के सम्बन्ध में अपने कार्य का निर्वहण करेगा।

क्रम सं०	रेंज और प्रधानकार्यालय	आयकर परिमण्डल, वार्ड और जिले
1	2	3
1	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त ए-रेंज, बम्बई	1 कम्पनी परिमण्डल-I, बम्बई 2 बम्बई परिमण्डल 3 व्यावसायिक परिमण्डल 4 कर निर्धारण परिमण्डल-I
2	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त बी-रेंज, बम्बई	1 कम्पनी परिमण्डल-II बम्बई 2 विशेष कम्पनी परिमण्डल-I 3 कर-निर्धारण परिमण्डल II 4 सम्पदा-शुल्क परिमण्डल 5 कर-निर्धारण परिमण्डल-II ए 6 एफ-वार्ड 7 बी० आर० सी० 8 एल० आर० आर० सी०
3.	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, सी-रेंज बम्बई	1 कम्पनी परिमण्डल-III 2 फिल्म परिमण्डल 3 कर-निर्धारण परिमण्डल-III 4 कर-निर्धारण परिमण्डल-III-ए 5 विदेशी कम्पनियां परिमण्डल-II
4	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, डी-रेंज बम्बई	1 कम्पनी परिमण्डल-IV 2 ए-I वार्ड 3 ए-II वार्ड 4 कर-निर्धारण परिमण्डल-IV 5 कर-निर्धारण परिमण्डल-IV ए
5	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, ई रेंज, बम्बई	1 न्यास परिमण्डल
6	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त एफ-रेंज बम्बई	1 कम्पनी परिमण्डल-V 2 बी-I वार्ड 3 बी-II वार्ड 4 बी-III वार्ड 5 इवेक्यू परिमण्डल-I'
7	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त जी-रेंज, बम्बई	1 कम्पनी परिमण्डल-VI 2 कर निर्धारण परिमण्डल-VI 3 कर निर्धारण परिमण्डल-VIए 4 मार्किट वार्ड
8	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, एच-रेंज, बम्बई	1 ए-III वार्ड 2 विशेष परिमण्डल-I तथा II (पुराना)
9	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त आई-रेंज बम्बई	1 डी-I वार्ड (आयकर अधिकारी, पहला, तीसरा, चौथा, छठा, सातवां, नौवां, दसवां, ग्यारहवां, सात्रहवां और अठारहवां)
10	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, जे-रेंज, बम्बई	1 डी-II वार्ड
11	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, के-रेंज बम्बई	1 सी-IV वार्ड 2 कर निर्धारण परिमण्डल-VII
12	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त एल-रेंज बम्बई	1 सी-III वार्ड 2 कर निर्धारण परिमण्डल-VIII
13	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त एम-रेंज, बम्बई	1 सी-II वार्ड 2 इवेक्यू परिमंडल-I 3 सी-V वार्ड 1 सी-I वार्ड
14	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, एन रेंज बम्बई	1 जी वार्ड 2 जी ए-वार्ड
15	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, ओ-रेंज बम्बई	1 बी०एस०डी० (दक्षिण) 2 कर निर्धारण रेंज-IX
16	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त पी-रेंज बम्बई	1 बी०एस०डी० (पश्चिम) 2 सर्वेक्षण परिमण्डल-I 3 सर्वेक्षण परिमण्डल-II
17	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त क्यू रेंज बम्बई	1 बी०एस०डी० (उत्तर)
18	अपीलीय सहायक आयकर, आयुक्त, आर-रेंज बम्बई	1 वेतन शाखा-I 2 टी०डी०एस०
19	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, एस-रेंज, बम्बई	1 ए-V वार्ड
20	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, टी-रेंज, बम्बई	1 विदेश अनुभाग 2 कर निर्धारण परिमण्डल-V 3 कर निर्धारण परिमण्डल-V ए
21	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, यू-रेंज, बम्बई	1 ए-IV वार्ड
22	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त V-रेंज, बम्बई	1 डी-I वार्ड (आयकर अधिकारी, दूसरा, पांचवां, आठवां, बारहवां, तेरहवां, चौदहवां, पन्द्रहवां, और सोलहवां)
23	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, डब्ल्यू-रेंज, बम्बई	1 ई-वार्ड
24	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, एक्स-रेंज, बम्बई।	1 बी०एस०डी० (पूर्व) 2 कर निर्धारण परिमण्डल-X
25	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, वाई-रेंज, बम्बई।	1 वेतन शाखा-II
26	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त (केन्द्रीय) रेंज-I	केन्द्रीय परिमण्डल-I से XIV
27	अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त (केन्द्रीय) रेंज-II	केन्द्रीय परिमण्डल XV से XXXII

जहां कोई आयकर परिमण्डल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अपीलीय सहायक आयुक्त से किसी अन्य अपीलीय सहायक आयुक्त को अंतरित कर दिया जाता है वहां उस आयकर परिमण्डल, वार्ड अथवा जिले अथवा उसके किसी भाग में किये गये कर-निर्धारणों से उत्पन्न और इस अधिसूचना की तारीख से तुरन्त पूर्व उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें, जिससे उक्त आयकर परिमण्डल, वार्ड अथवा जिला अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अंतरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जायेंगी, जिसको उक्त परिमण्डल, वार्ड अथवा जिला या उसका कोई भाग अंतरित हुआ है।

यह अधिसूचना 23-11-1981 से लागू होगी।

[सं० 4331क/फा०सं० 261/23/81-आ०क० न्या०]

INCOME-TAX

S.O.1334.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of Board's Notification No. 4305 (F. No. 261/23 81-ITJ) dated 13 11-1981 the Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, of the Range specified in Column (1) of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts, specified in the corresponding entry in column (2) thereof excluding all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax over which jurisdiction rests in Commissioner of Income-tax (Appeals).

Sl. No.	Ranges with Headquarters	Income-tax Circles Ward and Districts
1	2	3
1.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, A-Range, Bombay	1. Bom. Cir. I, Bombay 2. Bombay Circle 3. Professional Circle 4. Asst. Circle-I.
2.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, B-Range, Bombay.	1. Com. Cir. II, Bombay 2. Foreign Com. Cir. I 3. Asst. Circle-II 4. Estate Duty Circle 5. Asst. Circle-IIA 6. X-Ward 7. B.R.C. 8. W.R.R.C.
3.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, C-Range, Bombay.	1. Com. Cir. III 2. Film Circle 3. Asst. Circle-III 4. Asst. Circle-IIIA 5. Foreign Cos. Cir. II
4.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, D-Range, Bombay	1. Com. Cir. IV 2. A-I Ward 3. A-II Ward 4. Asst. Cir. IV 5. Asst. Cir. IV-A
5.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, E-Range, Bombay	1. Trust Circle
5.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, F-Range, Bombay	1. Com. Cir. IV 2. B-I Ward 3. B-II Ward 4. B-III Ward 5. Evacuee Cir. II
7.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, G-Range, Bombay	1 Com. Cir. VI 2 Asst. Cir. VI 3 Asst. Cir. VIA 4 Market Ward
8.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, H-Range, Bombay.	1 A-III Ward 2 Spl. Cir I & II (Old).
9.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, I-Range, Bombay.	1. D-I Ward (ITOs, 1st, 3rd, 4th 6th, 7th, 9th, 10th, 11th, 16th and 18th).
10.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, J-Range, Bombay.	1. D-II Ward
11.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, K-Range, Bombay.	1. C-IV Ward 2. Asst. Cir. VII
12.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, L-Range, Bombay.	1. C-III Ward 2. Asst. Cir. VIII
13.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, M-Range, Bombay.	1. C-II Ward 2. Evacuee Circle I 3. C-V Ward 4. C-I Ward.
14.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, N-Range, Bombay.	1. G-Ward 2. GA Ward
15.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, O-Range, Bombay.	1. B.B.D. (South) 2. Asstt. Range IX
16.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, P-Range, Bombay.	1. B.S.D. (West). 2. Survey Circle I 3. Survey Circle II
17.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Q-Range, Bombay	1. B.S.D. (North)
18.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, R-Range, Bombay	1. Salaries Branch I 2. T.D.S
19.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, S-Range, Bombay	1. A-V Ward
20.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, T-Range, Bombay	1. Foreign Section 2. Assessment Circle V 3. Assessment Circle VA
21.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax U Range, Bombay	1. A-IV Ward

1	2	3
22.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, V-Range, Bombay	1. D-I Ward (I T Os, 2nd, 5th, 8th, 12th, 13th, 14th, 15th and 17th)
23.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, W-Range, Bombay	1. E Ward
24.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, X-Range, Bombay.	1. B.S.D. (East). 2. Assessment Circle X
25.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Y-Range, Bombay.	1. Salaries Branch II
26.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, (Central) Range-I	Central Circles I to XIV
27.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, (Central) Range-II.	Central Circle XV to XXXII

Whereas the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one AAC to another AAC, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the AAC from whom the Circle, Ward, District is transferred shall, from the date this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 23-11-1981.

[No. 4331/F.N. 261/23/81-ITJ]

आयकर

का० आ० 1335.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 23-11-1981 की पूर्ववर्ती अधिसूचना सं० 4327 (फा० सं० 261/3/81-आ० क० न्या०) का अधिलंघन करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, एतद्द्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार-क्षेत्रों के आयकर आयुक्त (अपील), अनुसूची के स्तंभ (2) और (3) की तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों, परिमंडलों, जिलों और रेंजों में, आयकर या अतिकर या ब्याजकर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खंड (क) से (ज) में, कंपनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उप-धारा (1) और ब्याजकर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उप-धारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से अपकृत हुए हैं और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्ति वर्ग की बाबत भी, जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उप-धारा (2) के खंड (1) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें, अपने कार्य का निर्वहन करेंगे।

अनुसूची

अधिकार क्षेत्र और प्रधान कार्यालय	आयकर वार्ड, परिमंडल तथा जिला	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त के रेंज
1	2	3
1. आयकर आयुक्त (अपील)-I, बम्बई।	1. कंपनी परिमंडल-I 2. कर निर्धारण परिमंडल-I 3. व्यावसायिक परिमंडल	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-I
2. आयकर आयुक्त (अपील)-II, बम्बई।	1. ए-V वार्ड 2. फिल्म परिमंडल 3. विदेशी कंपनी परिमंडल-II 4. विदेश अनुभाग	1. नि० स० आ० विदेशी कंपनी रेंज-II
3. आयकर आयुक्त, (अपील)-III, बम्बई।	1. ए-I वार्ड 2. ए-II वार्ड 3. ए-III वार्ड 4. ए-IV वार्ड	
4. आयकर आयुक्त (अपील)- IV, बम्बई।	1 कंपनी परिमंडल-II 2. विदेशी कंपनी परिमंडल-I 3. कर-निर्धारण परिमंडल-II 4. कर-निर्धारण परिमंडल-II-ए	1. नि० स० आ०, विदेशी कंपनी रेंज-I 2. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-II 3. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-II-ए
5. आयकर आयुक्त (अपील)-V, बम्बई।	1. कंपनी परिमंडल-IV 2. कर-निर्धारण परिमंडल-IV 3. कर निर्धारण-परिमंडल-IV-ए	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-IV 2. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-IV-ए
6. आयकर आयुक्त (अपील)-VI, बम्बई।	1. कंपनी परिमंडल-V(1) से V(6) तक 2. कर-निर्धारण परिमंडल-V 3. कर-निर्धारण परिमंडल-V-ए	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-V 2. नि० स० आ० (निर्धा० रेंज)-Vए

1	2	3	4
7.	आयकर आयुक्त (अपील)-VII, बम्बई।	1. कंपनी परिमंडल-III (1) से III (4) तक 2. कर-निर्धारण परिमंडल-III 3. कर-निर्धारण परिमंडल-III-ए	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-III 2. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-III-ए
8.	आयकर आयुक्त (अपील)-VIII, बम्बई	1 कंपनी परिमंडल-VI (1) से VI (6) तक 2. कर-निर्धारण परिमंडल-I 3 कर-निर्धारण परिमंडल-I-ए	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-VI 2. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-VI ए
9.	आयकर आयुक्त (अपील)-IX, बम्बई।	1. डी-I वार्ड 2. डी-II वार्ड 3. सी-IV वार्ड 4. कर-निर्धारण परिमंडल-VII 5. कर-निर्धारण परिमंडल-VIII	1. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-VII 2. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-VIII
10.	आयकर आयुक्त (अपील)-X, बम्बई।	1. सी-I वार्ड 2. सी-II वार्ड 3. सी-III वार्ड 4. सी-V वार्ड 5. एस० बी-I 6. एस० बी-II 7. टी० बी० एस०	
11.	आयकर आयुक्त (अपील) XI, बम्बई।	1. ई-वार्ड 2. जी-वार्ड 3 जी० ए-वार्ड 4 बी० एस० डी० (म.उप) 5. कर-निर्धा० परिमंडल-IX 6. बी० एस० डी० (ईस्ट) 7 बी० एस० डी० (वेस्ट) 8 बी० एस० डी० (नार्थ) 9. सर्वेक्षण I तथा II 10. कर-निर्धारण परिमंडल-X 11. हुण्डी परिमंडल 12. विशेष क्षेत्राधिकार	1. नि० स० आ० (निर्धा०) सर्वेक्षण रेंज-I 2. नि० स० आ० (निर्धा) सर्वेक्षण रेंज-II 3 नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-IX 4. नि० स० आ० (निर्धा०) रेंज-X
12.	आयकर आयुक्त (अपील)-XII, बम्बई।	1. बी० I वार्ड 2. बी०-II वार्ड 3. बी०-III वार्ड	
13	आयकर आयुक्त (अपील) XIII, बम्बई।	1. मार्केट वार्ड 2. न्यास परिमंडल	
14.	आयकर आयुक्त (अपील)-XIV बम्बई।	1 कंपनी परिमंडल-V (7) से V (11) तक	
15	आयकर आयुक्त (अपील)-XV, बम्बई।	2. आ० क० अ०, कंपनी परिमंडल-III (5) से (8) तक	
16.	आयकर आयुक्त (अपील)-XVI, बम्बई।	1 आ० क० अ० कंपनी परिमंडल-III (9) से III (15) तक	
17.	आयकर आयुक्त (अपील)-XVII, बम्बई।	1. आ० क० अ० कंपनी परिमंडल-VI (7) से VI (12) तक	
18.	आयकर आयुक्त (अपील)-सेंट्रल-I, बम्बई।	1. सेंट्रल परिमंडल I से XIV तक	1. नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-I 2. नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-II 3. नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-III
19	आयकर आयुक्त (अपील(सेंट्रल-II बम्बई।	1. सेंट्रल परिमंडल-XV से XXVIII तक	1. नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-IV 2. नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-V 3 नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-VI
20.	आयकर आयुक्त (अपील) सेंट्रल-III, बम्बई।	1 सेंट्रल परिमंडल XIX से XLII तक	1 नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-VII 2. नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-VIII 3 नि० स० आ० सेंट्रल रेंज-IX

अब तक आयुक्त (अपील)- XII तथा XIII के रूप में पदनामित पुराने अधिकारक्षेत्रों में अनिर्णीत पड़ी अपीलें नव पदनामित आयुक्त (अपील) सेंट्रल-I तथा सेंट्रल-II के क्षेत्राधिकारों में ही रहेंगी।

जहां कोई आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार-क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार-क्षेत्र में अन्तरित हो जाता है, वहां उस आयकर परिमंडल, वार्ड या जिले अथवा उसके किसी भाग में किये गये कर-निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस अधिकार-क्षेत्र के, जिससे वह आयकर परिमंडल, वार्ड या जिला या रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तरित हुआ हो, आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के तत्काल पहले अनिर्णीत पड़ी अपीलें, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से उस अधिकार क्षेत्र के आयकर आयुक्त (अपील) को अंतरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी, जिसको उक्त परिमंडल, वार्ड या जिला या रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तरित हुआ है।

यह अधिसूचना 1-12-1981 से लागू होगी।

[सं० 4351/फा० सं० 261/3/81-आ० क० न्या०]

S. O. 1335.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in s upersession of the previous notifications No. 4327 (F. No. 261/3/81-ITJ) dated 23-11-1981 the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to income-tax or surtax or interest-tax in the Income-tax Wards Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entried in columns (2) and column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clause (a) to (h) of sub-section (2) of section 246 of the Income-tax Act, 1961, in Sub-section (1) of section 11 of Companies (profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964) and sub-section (1) of Section 15 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with	Income-tax Ward/Circle and Districts	Ranges of Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
1	2	3
1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-I, Bombay	1. Com. Circle-I 2. Asst. Circle-I 3. Professional Circle	1. IAC (Asst.) Range -I
2. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-II Bombay	1. A-V Ward 2. Film Circle 3. Foreign Com. Cir. II 4. Foreign Section	1. IAC, Foreign Com. Range-II
3. Commissioner of Income-tax (Appeals)-III, Bombay	1. A-I Ward 2. A-II Ward 3. A-III Ward 4. A-IV Ward	
4. Commissioner of Income-tax (Appeals)-IV, Bombay	1. Com. Circle-II 2. Foreign Com. Cir. I 3. Asst. Cir II 4. Asst. Cir. IIA	1. IAC, Foreign Com. Range-I 2. IAC (Asst.) Range-II 3. IAC (Asst.) Range-IIA
5. Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Bombay	1. Com. Cir. IV 2. Asst. Cir. IV 3. Asst. Cir. IVA	1. IAC (Asst.) Range-IV 2. IAC (Asst.) Range-IVA
6. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-VI, Bombay	1. Com. Cir. V(1) to V(6) 2. Asst. Cir. V 3. Asst. Circle-VA	1. IAC (Asst.) Range-V 2. IAC (Asst.) Range-VA
7. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-VII, Bombay	1. Com. Cir. III (1) to III(4) 2. Asst. Cir. III 3. Asst. Cir. IIIA	1. IAC (Asst.) Range-III 2. IAC (Asst.) Range-IIIA
8. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-VIII Bombay	1. Com. Cir. VI(1) to VI(6) 2. Asst. Circle-VI 3. Asst. Circle-VIA	1. IAC (Asst.) Range-VI 2. IAC (Asst.) Range-VIA
9. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-IX, Bombay	1. D-I Ward 2. D-II Ward 3. C-IV Ward 4. Asst. Cir. VII 5. Asst. Cir. VIII	1. IAC (Asst.) Range-VII 2. IAC (Asst.) Range-VIII

1	2	3
10. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-X, Bombay	1. C-I Ward 2. C-II Ward 3. C-III Ward 4. C-V Ward 5. S.B.-I 6. S.B. -II 7. T.D.S.	
11. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-XI, Bombay	1. E-Ward 2. G-Ward 3. GA-Ward 4. B.S.D. (South) 5. Asst. Circle-IX 6. B.S.D. (East) 7. B.S.D. (West) 8. B.S.D. (North) 9. Survey I & II 10. Asst. Cir. X 11. Hundi Cirlce 12. Spl. Jurisdiction	1. IAC (Asst.) Survey Range-I 2. IAC (Asst.) Survey Range-II 3. IAC (Asst) Range-IX 4. IAC (Asst.) Range-X
12. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-XII, Bombay	1. B-I Ward 2. B-II Ward 3. B-III Ward	
13. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XIII, Bombay	1. Market Ward 2. Trust Circle	
14. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-XIV, Bombay	1. Com. Cir. V(7) to V (11)	
15. Commissioner of Income -tax, (Appeals)-XV, Bombay	1. ITO, Com. Cir. III (5) to (8)	
16. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-XVI, Bombay	1. ITO, Com. Cir. III(9) to III (15)	
17. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-XVII, Bombay	1. ITO, Com. Cir. VI(7) to VI(12)	
18. Commissioner of Income-tax, (Appeals) Central-I, Bombay	1. Central Circles I to XIV	1. IAC, Central Range-I 2. IAC, Central Range-II 3. IAC, Central Range-III
19. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-II, Bombay	1. Central Circles XV to XXVIII	1. IAC, Central Range-IV 2. IAC, Central Range-V 3. IAC, Central Range-VI
20. Commissioner of Income-tax (Appeals) Central-III, Bombay	1. Central Circles XXIX to XLII	1. IAC, Central Range-VII 2. IAC, Central Range-VIII 3. IAC, Central Range-IX

All appeals pending in the old charges hitherto designated as Commissioners (Appeals)-XII and XIII will continue within the jurisdiction of the Commissioners (Appeals) Central-I and Central-II so newly designated.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or district or part thereof stands transferred by this notification from one charge to another charge, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Commissioner of Income -tax (Appeals) of the charge from whom the Income-tax Circle, Ward or District or Range or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the Charge to whom the said Circle Ward or District or Range or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-12-1981.

[No. 4351/F. No. 261/3/81-ITJ]

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1981

का०आ० 1336—बोर्ड की दिनांक 10-9-81 की अधिसूचना सं० 4208 (फा०सं० 261/19/81-आ०क०न्याय०) की अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्धन तथा शुद्धियां की जायें।

1. कालम 3 में क्र०सं० 2 के नीचे मद 5 पर, विशेष जांच परिमंडल, हैदराबाद के स्थान पर कृपया विशेष जांच परिमंडल-II, हैदराबाद पढ़े।

2. कालम 3 में क्रम सं० 3 के नीचे निम्नलिखित को क्रम सं० 12 के रूप में जोड़ा जाता है :—
'विशेष जांच परिमंडल हैदराबाद I, हैदराबाद।'

3. कालम 3 में क्रम सं० 4 के नीचे निम्नलिखित को क्र०सं० 14 के रूप में जोड़ा जाता है :—
'विशेष जांच परिमण्डल, गुण्टूर।'

4. क्र०सं० 5 के नीचे निम्नलिखित को क्र०सं० 10 के रूप में जोड़ा जाता है :—
'विशेष जांच परिमण्डल, विशाखापत्तनम'।

[सं० 4356/फा०सं० 261/19/81-आ०क० न्याय०]
अजय सिंह, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 2nd December, 1981

S.O. 1336.—In the Board's Notification No. 4208 (F. No. 261/19/81-ITJ) dated 10-9-81, the following additions and corrections may be made in the Schedule thereto :

1. Under S. No. 2 in Column 3 at item 5 for Special Investigation Circle, Hyderabad, please read Special Investigation Circle II, Hyderabad.

2. Under S. No. 3 Column 3 the following is to be added as S. No. 12 'Special Investigation Circle-I, Hyderabad.'

3. Under S. No. 4 Column 3 the following is to be added as S. No. 14 'Special Investigation Circle, Guntur.'

4. Under S. No. 5 the following is to be added as S. No. 10 'Special Investigation Circle, Visakhapatnam'.

[No. 4356/F. No. 261/19/81-ITJ]
AJAI SINGH, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1982

सं० 90/82—सीमाशुल्क

का०आ० 1337.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बिहार राज्य में संथाल परगना जिले में जसीडीह को भण्डारगार स्टेशन के रूप में घोषित करता है।

[फा०सं० 473/123/81-सीमाशुल्क-7]
एन० के० कपूर, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

New Delhi, the 3rd April, 1982

No. 90/82—CUSTOMS

S.O. 1337.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Jasidih in the District of Santhal Parganas in the State of Bihar to be a warehousing station.

[F. No. 473|123|81-Cus-VII]
N. K. KAPUR, Under Secy.

प्रवर्तन निदेशालय

(विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम)

(वि०मु०वि० अधिनियम)

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1982

का० आ० 1338—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 79 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा बनाई गई विदेशी मुद्रा विनियमन (नाम प्रकाशन) नियमावली, 1975 के अनुसरण में प्रवर्तन निदेशक इसके द्वारा (दिनांक 7-2-77 से 6-5-77 तक की तीन माह की अवधि के लिए) निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम और अन्य ब्यौरे प्रकाशित करते हैं :—

(क) वे व्यक्ति जिन्हें विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 की धारा 56 के अधीन न्यायालयों द्वारा दोषसिद्ध किया जा चुका है या जिन्हें विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 की धारा 23 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट किसी उपबन्ध के उल्लंघन के लिए न्यायालयों द्वारा दोषसिद्ध किया जा चुका है ; और

(ख) वे व्यक्ति जिन्हें विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 की धारा 50 के अधीन न्यायनिर्णयन अधिकारियों द्वारा न्यायनिर्णय करके पेनाल्टी के लिए दायी ठहराया गया है अथवा वे व्यक्ति जिनके विरुद्ध निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय या इस बारे में निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय की शक्तियों के प्रयोग और उनके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्राधिकृत प्रवर्तन निदेशालय के किसी अन्य अधिकारी ने यह न्यायनिर्णय दिया है कि उन्होंने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 की धारा 23 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया है, जहां

(i) उस व्यक्ति के विरुद्ध किसी पिछले अवसर पर इसी प्रकार न्यायनिर्णय दिया गया हो अथवा उसे दोषसिद्ध किया जा चुका हो ; या

(ii) न्यायनिर्णयन अधिकारी द्वारा लगाई गई पेनाल्टी उस भारतीय मुद्रा या विदेशी मुद्रा के मूल्य सहित जिसके जब्त करने के आदेश दिए गए हैं रु० 10,000 या उससे अधिक हो।

7-2-77 से 6-5-77 तक

क—उपर्युक्त के अनुसार दोषसिद्ध व्यक्ति

क्रम० सं०	पार्टी का नाम और पता	वि० मु० वि० अधिनियम के उपबन्ध, जिनका उल्लंघन हुआ है	दी गई सजा के ब्यौरे	न्यायालय द्वारा वि०मु० विनि० अधिनियम 1947 की धारा 23(1-ख) के अधीन, आदेशित जब्ती के ब्यौरे	विदेशी मुद्रा के भारत वापस लाने विषयक निदेशों के ब्यौरे
1	2	3	4	5	6
1.	श्री बर्ट्रम ब्रोसमण्ड वर्लक ग्राहम एम० ओ० टेम्पल स्ट्रीट, कलकत्ता-72	विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 की धारा 56 के साथ पढ़ी गई धारा 8(1)	दिनांक 26-2-77 को अभियुक्त को रु० 100.00 के जुर्माने और उसके न देने पर दो महीने के कठोर कारावास की सजा दी गई	—	—

7-2-77 से 6-5-77 तक

ख—उपर्युक्त के अनुसार न्यायनिर्णीत व्यक्ति

क्रम० सं०	पार्टी का नाम और पता	वि० मु० वि० अधिनियम के उपबन्ध, जिनका उल्लंघन हुआ है	पेनाल्टी रुपयों में	भारतीय या/और विदेशी करेन्सी की आदेशित जब्ती	स्वदेश वापस लाने के लिए आदेशित विदेशी मुद्रा की राशि
1	2	3	4	5	6
1.	श्री एस० एन० सिंह द्वारा-स्पेन्सर्स होटल (प्रा०) लिमिटेड 4, वेलेजली प्लेस कलकत्ता-1	धारा 9 4(1) 4(1) 4(1) 5(1)(क)	रु० 11,000.00	—	—
2.	श्री वी० एम० इब्राहीम 32, मेन रोड पो० अरासरकुलम, जिला तंजोर तमिलनाडु राज्य	5(1)(कक) और 5(1)(कक)	रु० 12,000.00	रु० 50,000.00	—
3.	श्री जी० जे० सत्यनारायण राव 2 ऊपरी मंजिल, आर० वी० रोड बंगलोर	5(1)(कक) 5(1)(ग)	रु० 10,000.00	—	—
4.	मेसर्स-रायल जेम्स कारपोरेशन और उनके भागीदार द्वारा-हर्षद एस० बलारिया नं० 2, गीताजली, तिलक रोड, घाटकोपर बम्बई-77	12(2)	रु० 25,000.00	—	—
5.	श्री हनानेल मिर्जोइफ द्वारा-मेसर्स एच० मिर्जोइफ एण्ड सन्स 13, ग्रान्ट बिल्डिंग ब्लाक नं० 12, आर्थर बन्दर रोड तीसरा तल, बम्बई-5	12(2)	रु० 21,000.00	—	—
6	मेसर्स-अशोक मार्केटिंग लिमिटेड 1, क्लाइव रोड कलकत्ता-1	12(2) और 5(1)(ग)	रु० 10,000.00	—	—
7.	श्री इकबाल हुसैन द्वारा श्री हसमत अली 39/146, कम्बल कटरा कश्मीरी बाजार आगरा	1973 का 31(1) 9(1)(क)	रु० 8,500.00	रु० 34,000.00	—

1	2	3	4	5	6
8.	श्रीमती रहमतुन्निसा बेगम 181(5), वल्लभभाई रोड हासन-1, कर्नाटक	5(1)(कक) 9(1)(ख)	रु० 14,000.00	—	—
9.	डा० के० कादम्बी 97, टौने ड्राइव अपार्टमेन्ट-डी मैनचेस्टर यू०एस०ए०	4(1) 8(1) 4(1)	रु० 10,000 00	—	—
10.	श्री पुरुषोत्तम एच० बरई श्री कृष्णा नगर राजकोट	9,14,4(1) 5(1)(क)	रु० 11,250.00	—	पौन्ड 2,888-20 पौन्ड 4,040-69
11.	(i) श्री नूर हसन उर्फ नूरुल हसन 16, हरीनबाड़ी लेन कलकत्ता (ii) श्री शाकुल हमीद (iii) श्री सलीफ 31, लोअर चितपुर रोड कलकत्ता-1	5(1)(ग)	(i) रु० 2,500,000 (ii) रु० 25,000.00 (iii) रु० 12,500.00	रु० 2,03,370.00	—
12	(i) श्री सन्तोक जैन 51-सी० रोड, चर्चगेट बम्बई-20 (ii) श्री हरक चन्द नाहटा (iii) श्री दीपक शान्तिलाल शाह अमर निवास, बसंत रोड, सान्ता-क्रूज बम्बई-54 द्वारा-अधीक्षक, नासिक रोड, कारागार नासिक	8(3)	रु० 30,000.00	रु० 28,000.00 की राशि उस पर संचित ब्याज सहित खाते में डाल दी जाए	—
13.	(i) मैसर्स कोमबाटा एविएशन (प्रा०) लिमिटेड, 42, एम० कर्वे रोड, बम्बई (ii) श्री के० एस० कोमबाटा (iii) श्री आर० एस० कोमबाटा (iv) श्री एस०एस० कोमबाटा (v) श्री ए० एस० तोलाटी द्वारा मैसर्स-कोमबाटा एविएशन (प्रा०) लिमिटेड	4(1) 9 5(1)(क) और 4(1)	रु० 10,000.00	—	—
14.	श्री राहत अली खान उर्फ हुब्बु खान 46 एवं 54, तीसरा तल, फटका मंजिल, सउदी बाजार बम्बई-3	8(1)	रु० 10,000.00	अमरीकी डालर 16,400, आस्ट्रेलियाई डालर 7,000 और केनाडा डालर 6,100	—
15.	मैसर्स-दासवानी ट्रेडिंग कं० प्रा० लिमिटेड 70/12, उल्लहास नगर, कैम्प-III जिला कल्याण थाणे	10(1) 12(2)	रु० 25,000.00	—	—
16	श्री गुलाम मोहम्मद एम० पटेल पो० खतूर जिला—सूरत गुजरात	9 4(1)	रु० 5,500.00	रु० 4,000.00 पौन्ड 1203-14-9	—
17.	श्री जोस एक्स फ्लैट नं०-14, सीजर रोड अम्बोली अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-58	5(1)(कक) 5(1)(ग) 9(1)(घ) 9(1)(ख)	रु० 24,000.00	—	—

1	2	3	4	5	6
18	मैसर्स शौकत ब्रदर्स नेफेड चेम्बर्स कार्नेल रोड प्रथम तल बम्बई-1	12(2)	रु० 10,000 00	--	--
19	मैसर्स गोपाल ट्रेडर्स और उसके प्रोप्रायटर 50/52, इमाजी स्ट्रीट बम्बई-3	12(2)	रु० 10,000 00	--	--
20	श्री सुनील कुमार नाग 54, बी०के० पाल एवेन्यू कलकत्ता	वि०मु०वि० अधिनियम 1973 की 14, 9 (1)(क) वि०मु०वि० अधिनियम, 1947 की 5(1)(क) और 9	रु० 20,000 00	--	पौन्ड 2,138.26 पौन्ड 69.50 मलेशियन डालर 335 52 मलेशियन डालर 103.61 मलेशियन डालर 111.51 मलेशियन डालर 10 मलेशियन डालर 9864.33
21.	मैसर्स एम० के० इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन पो० बा० नं० 223 शिविसराय मुरादाबाद (उ०प्र०)	12(2) और 10(1)	रु० 15001 00	--	--
22	मैसर्स कोदाइकनाल स्कूल कोदाइकनाल जिला--मदुरै	4(1)	रु० 25,000.0	—	—
23	श्री एम० चिदम्बरम् 82, जालान तेलुपेह कांग पेरिट बन्टर पेराक मलेशिया	19(1)(ख)(i) 9(3)	रु० 16,000.00	—	--
24	श्री ई० अब्दुल कादिर लेटेक्स लैदर कार्पोरेशन कोर्ट रोड कालीकट	5(1)(कक)	रु० 20,000 00	--	—
25	श्री पी०के० सोमनाथन पून्थायिल हाउस 22/738-बी, देवर कोचीन-13	9(1)(ख) 5(1)(कक)	रु० 5,000 00	रु० 10,000.00	—
26	सर्वश्री पी० अब्दुल गफूर एवं एम० ए० रहीम द्वारा—बेबी स्टोर्स 75, रोयापेथाह एच० रोड मद्रास-14	5(1)(ग)	रु० 1,00,000.00 रु० 1,00,000 00	—	—
27	श्री पी०एन० हमजा सुब्रामजिल, फ्रान्सिस रोड कालीकट	5(1)(क) 5(1)(कक)	रु० 15,000 00	—	—

1	2	3	4	5	6
28.	बोल्ला जानकीराम्मा रेड्डी श्री आर०वी० रतिनम् मैसर्स बी०जे० रेड्डी एण्ड कं० माइका एक्सपोर्टस् गुन्टूर	12(2)	रु० 30,000.00	—	—
29.	(i) मेसर्स वर्ल्ड विजन इंडिया नं० 7, शान्मुगा मुदालियर स्ट्रीट मदवक्कम टैंक रोड किलपाक, मद्रास-10	9(1)(ख)	रु० 15,000.00	—	—
	(ii) डा० मेम्युअल कमलाहसन, 919 हंटिंगन ड्राइव मोनरोविया केलिफोर्निया यू०एस०ए०	9(3)	रु० 20,000.00	—	—
30	श्री सुसेरी अलेक्जेण्डर कोचुपुआजिवाविल, पुथेनवीड़ ईसमकुलम् पो० परक्कोड जिला—क्विलोन	5(1)(कक)	रु० 10,400.00	—	—
31.	श्री सी० अब्दुल्ला कुन्दरिवदुक्कल हाउस पो० मम्बलम् जिला—कैनेनोर	5(1)(कक)	रु० 10,000.00	—	—
32.	श्री पी० के० राजम् उन्नीकुन्त एस्टेट पट्टाम्बी	14	रु० 15,000 00	—	—
33.	श्रीमती असीकुट्टी मुकानियालयिल वीडु वाडाकुन्चला ईस्ट पक्षम, करुनागप्पाली वरकला	9(1)(ख)	रु० 18,000.00	रु० 3,039.75	—
34.	श्रीमती के० फातिमा फातिमा मंजिल थक्कुमुकी निकर-5 मालापुरम् जिला	5(1)(कक)	रु० 16,000.00	—	—
35.	श्री वी० जीवानयागम् नं० 28, वेदनाथ स्ट्रीट नागरकोइल	5(1)(कक)	रु० 15,000.00	—	—
36.	श्रीमती के० मुलायिका बीबी रामनद जिला	5(1)(कक)	रु० 18,000.00	—	—
37.	श्रीमती वदिवाचल 2-48 ए, वश्विकोन्डल संकरनकोइल तालुक तिरुनेलवल्ली जिला	5(1)(कक) 5(1)(ग)	रु० 21,000.00	—	—
38.	श्री ए० अब्दुल रहीमन कवाविला वीडु पो० कोतक्कल (वाया) हवाईकुलम त्रिवेंद्रम	5(1)(कक)	रु० 15,000.00	—	—

1	2	3	4	5	6
39.	श्री इस्माइल, नं० 2, टेलर्स लेन, मूर्स स्ट्रीट, मद्रास	5(1)(ग)	रु० 19,000.00	—	—
40.	श्री एस०ए० जलील, नं०, 1 मूर रोड, मद्रास-6	5(1)(ग)	रु० 16,000.00	—	—
41.	श्री सी० बेंजामिन, वी०बी० चाको थोनप्पागपुथेन वीडु, पो० एलमपन	5(1)(कक) 5(1)(ग)	रु० 15,000.00 रु० 30,000.00	रु० 9,980.00	—
42.	श्री के०पी० नटराजन, प्रो०—ईस्टर्न कं० मार्न किलिमनूर, ग्लेप्पी	9(1)(ख)	रु० 20,000.00	—	—
43.	श्री जी०एस० शरण, पदमा विलास, मुरुकुमपुझा, त्रिवेंद्रम	5(1)(कक) 5(1)(ग)	रु० 7,250.00	रु० 10,000.00	—
44.	श्री एम० मोहम्मद, अशरफ, कुयुकलिंगल वलाप्पिल हाई स्कूल के पास, थिरुवया, केरल	5(1)(कक) 5(1)(ग)	० 30,000.00	—	—
45.	श्री पी० देवराजन, म० 2, अय्यालुकुनायकेन स्ट्रीट, तूतीकोरिन	12(2)	रु० 75,000.00	—	—
46.	श्री आर०एम० अब्दुल्ला रेयर मार्कर वीथि, पो० वीडन अपाल्नी, त्रिचूर जिला	5(1)(कक) 5(1)(ग) 9(1)(ख) 9(1)(ग)	रु० 21,500.00	—	—
47.	मेसर्स ए०वी०एम० सस, ए०वी०एम० स्टुडियोज परिसर, अर्काट रोड, वदापलानी, मद्रास-26	4(1)	रु० 15,000.00	—	—
	श्री ए वी० मेयप्पन, द्वारा-ए०वी०एम० सस	4(1)	रु० 15,000.00	—	—
48.	श्री प्यारा सिंह बग्गर, सुपुत्र—श्री ईसर सिंह, ग्राम—पन्डिरी रुकमन, जिला—होशियारपुर	5(1)(कक)	रु० 10,000.00	—	-
49.	श्रीकश्मीरा सिंह किरनवाला, ग्राम जलालाबाद, रागा के पास, जिला—अमृतसर	5(1)(कक) 5(1)(ग)	रु० 5,000.00 रु० 5,000.00	—	—
50.	श्री प्रीतम सिंह, सुपुत्र—सुन्दर सिंह, ग्राम—मल्लीवाल तहसील—नकोदर, जिला—जालन्धर	5(1)(ग) 5(1)(कक)	रु० 5,000.00 रु० 5,000.00	— —	— —

[सं० टी—19/4-कोआई/82]
एम० एम० मिश्रा, निदेशक

ENFORCEMENT DIRECTORATE

(Foreign Exchange Regulation Act)

(F.E.R. ACT)

New Delhi, the 8th March, 1982

S.O. 1338.—In pursuance of the Foreign Exchange Regulation (Publication of Names) Rules, 1975 made by the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 79 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Director of Enforcement hereby publishes below (for the three months from 7-2-77 to 6-5-77) the names and other particulars of—

(A) persons who have been convicted by courts under section 56 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 or convicted by courts for contravention of any of the provisions specified in sub-section (1) of the Section 23 of F.E.R. Act, 1947; and

(B) persons who have been adjudged as liable to penalty by the adjudicating officers under Section 50 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 or adjudged by the Director of Enforcement or any other officer of Enforcement authorised to exercise the powers and discharge the duties of the Director of Enforcement in this behalf, to have contravened any of the provisions specified in sub-section (1) of the Section 23 of the F.E.R. Act, 1947, where—

(i) the person had, on a previous occasion, been similarly adjudged or convicted; or

(ii) the penalty imposed together with the value of the Indian Currency or foreign exchange ordered to be confiscated, by the adjudicating officer is Rs. 10,000 or above.

7-2-77 to 6-5-77

A—PERSONS CONVICTED AS ABOVE

S. No.	Name and address of the party	Provisions of the F E R A contravened	Particulars of sentence awarded	Particulars of confiscation ordered under section 23 (IB) of the FERA, 1947 by the Court	Particulars of directions regarding bringing back into India of the Foreign Exchange
1.	Mr. Bertram Osmand, Clerk Graham, M.G. Temple Street, Calcutta-72	Section 8(1) of 1973 r/w Sec. 56 of FERA 1973	On 26-2-77 the accused was sentenced to pay a fine of Rs. 100 or i.d. to suffer RI for two months	—	—

7-2-77 to 6-5-77

A—PERSONS ADJUDGED AS ABOVE

S.No.	Name and address of the party	Provisions of FERA contravened	Penalty in Rs.	Indian or/and Foreign Currency ordered to be confiscated	Amount of Foreign Exchange ordered to be repatriated
1	2	3	4	5	6
1.	Shri S.N. Singh, C/o Spencers Hotel (P) Ltd., 4, Wellesly Place, Calcutta-1.	4(1) Sec.9 4(1) 4(1) 5(1)(a)	11,000	—	—
2.	Shri V.M.Ibrahim, 32, Main Road, Arasarkulam P.O., Tanjore District, Tamil Nadu State.	5(1)(aa) & 5(1)(aa)	12,000	Rs. 50,000	—
3.	Shri G.J. Sathyanarayana Rao, 2 (upstairs), R.V. Road, Bangalore.	5(1)(aa) 5(1)(c)	10,000	—	—
4.	M/s. Royal Gems Corporation and its Partner, C/o Harshad S. Balaria, No. 2, Gitanjli, Tilak Road. Ghatkopar, Bombay-77.	12(2)	25,000	—	—
5.	Shri Hananel Mirzoeff, C/o M/s. H. Mirzoeff & Sons, 13, Grant Building, Block No. 12, Arthur Bunder Road, 3rd Floor, Bombay-5.	12(2)	21,000	—	—
6.	M/s. Ashoka Marketing Ltd., 1, Clive Road, Calcutta-1.	12(2) & 5(1)(c)	10,000	—	—

1	2	3	4	5	6
7.	Shri Iqbal Hussain, C/o Shri Hasmat Ali 39/146, Kambal Katra, Kashmere Bazar, Agra.	31(1) of 1973 9(1)(a)	8,500	Rs. 34,000	—
8.	Smt. Rahmatunissa Begum, 181 (5), Vallabhbhai Road, Hassan-1, Karnataka.	5(1)(aa) 9(1)(b)	14,000	..	—
9.	Dr. K. Kadambi, 97, Towney Drive, Apartment-D, Manchester, U.S.A.	4(1) 8(1) 4(1)	10,000	—	—
10.	Shri Purshottam H. Barai, Shri Krishna Nagar, Rajkot.	9,14,4(1) 5(1)(a)	11,250	—	£2,888-20 £4,040-69
11.	(i) 11. (i) Shri Noor Hassan Nurul Hassan, 16, erinbari Lane, Calcutta. (ii) Shri Shahul Hameed, (iii) Shri Sareef, 31, Lower Chitpur Road, Calcutta-1.	5(1)(c)	(i) 2,500 (ii) 25,000 (iii) 12,500	Rs. 2,03,376	
12.	(i) Shri Santok Jain, 51-C Road, Churchgate, Bombay-20. (ii) Shri Harak Chand Nahata. (iii) Shri Deepak Shantilal Shah, Amar Niwas, Basant Road, Santacruz, Bombay-54 C/o Supdt. Nasik Road Prison, Nasik.	8(3)	30,000	Rs. 28,000 along with accumulated interest thereon to be credited to a/c.	—
13.	(i) M/s. Combata Aviation (P))Ltd., 42, M. Karve Road, Bombay, (ii) Shri K.S. Combata, (iii) Shri R. S. Combata, (iv) Shri S.S. Combata, (v) Shri A.S. Tolati, M/s. Combata Aviation (P) Ltd.,	4(1) 9 5(1)(a) & 4(1) C/o	10,000	—	—
14.	Shri Rahat Ali Khan @ Habbu Khan, 46 & 54, 3rd Floor, Phatka Manzil, Saudhi Bazar, Bombay-3.	8(1)	10,000	U.S. $ 16,400 Aus, $ 7,000 & Can $ 6,100	
15.	M/s. Daswani Trading Co Pvt. Ltd., 70/12, Ulhas Nagar, Camp. III, Kalyana District, Thana.	10(1) 12(2)	25,000	—	—
16.	Shri Gulam Mohamed M. Patel, Post office Khathor, District Surat, Gujarat.	9 4(1)	5,500	Rs. 4,000 £ 1203-14-9	—
17.	Shri Jose, X, Flat No. 14, Ceaser Road, Amboli, Andheri (W) Bombay-58.	5(1)(aa) 5(1)(c) 9(1)(d) 9(1)(b)	24,000	—	
18.	M/s. Shaukar Bros., Nafed Chambers, Carmal Road, 1st Floor, Bombay-1.	12(2)	10,000	—	—
19.	M/s. Go/al Traders & its proprietor, 50/52, Eassaji Street, Bombay-3.	12(2)	10,000	—	—
20.	Shri Sunil Kumar Nag, 54, B.K. Paul Avenue, Calcutta.	14,9(1)(a) of F.E.R. Act 1973, 5(1)(a) & 9 of F.E.R. Act, 1947	20,000	—	£ 2,138.26 £ 69.50 M $335.52 M $103.61 M $111.51 M $10 M $9864.33

1	2	3	4	5	6
21.	M/s. S.K. Industrial Corporation, P.B. No. 223, Shidisarai, Moradabad (U.P.)	12(2) & 10(1)	15,000	—	—
22.	M/s. Kodaikanal School, Kodaikanal, Madurai District.	4(1)	25,000	—	—
23.	Shri M. Chidambaram, 82, Jalan Tehpeh Kong, Parit Buntar, Perak Malaysia.	19(1)(f)(i) 9(3)	16,000	—	—
24.	Shri E. Abdul Khader, Latex Leather Corpn., Court Road, Calicut.	5(1)(aa)	20,000	—	—
25.	Shri P.K. Somanathan, Poonththathil House, 22/738, B, Thevara, Cochin-13.	9(1)(b) 5(1)(aa)	5,000	Rs. 10,000	—
26.	S/Shri P. Abdul Gafoor & M.A. Rahim, C/o Baby Stores, 75, Royapethah H. Road, Madras-14.	5(1)(c)	1,00,000 1,00,000	—	—
27.	Shri P.N. Hamja, Subramanzil Francis Road, Calicut.	5(1)(a) 5(1)(aa)	15,000	—	—
28.	Bolla Janakiramma Reddy, Shri R.V. Rathinam, M/S. B.J. Reddy & Co., Mica Exporters, Guntur.	12(2)	30,000	—	—
29.	(i) M/s. World Visison India, No. 7, Shanmuga Mudaliar Street, Madavakkam Tank Road, Kilpauk, Madras-10.	9(1)(b)	15,000	—	—
	(ii) Dr. Samuel, Kamalasan, 919, Huntingon Drive, Monrovia, California, U.S.A.	9(3)	20,000	—	—
30.	Sri Sussery Alexander, Kochupuzazidathil Puthenveedu, Ezhamkulam, Parakkode P.O., Quilon District.	5(1)(aa)	10,400	—	—
31.	Shri C. Abdulla, Kundribadukkal House, Mambalam Post, Cannanore District.	5(1)(aa)	10,000	—	—
32.	Shri P. K. Rajam, Unnikunath Estate, Pattambi.	14	15,000	—	—
33.	Smt. Assikutty, Ghukanialayil Veedu, Vadakunthala East, Pannama, Karunagapally, Varkala.	9(1)(b)	18,000	Rs. 3,039 75	—
34.	Smt. K. Fathima, Fatima Manzil, Thakkumuri, Tirur-5, Malapuram District.	5(1)(aa)	16,000	—	—
35.	Shri V. Jeevanayagam, No. 28, Vedanath Street, Nagercoil.	5(1)(aa)	15,000	—	—
36.	Smt. K. Sulaika Beevi, Ramnad District.	5(1)(aa)	18,000	—	—
37.	Smt. Vadivathal, 2-48 A, Vannikondal, Sankarankoil Taluk, Tirunelvelli District.	5(1)(aa)	21,000	—	—
38.	Shri A. Abdul Rahiman, Kadavilla Veedu Thottakkal P.O., (Via) Havaikulam, Trivandrum.	5(1)(c) 5(1)(aa)	15,0000	—	—
39.	Shri Ismail, No. 2, Tailors Lane, Moores Street, Madras.	5(1)(c)	19,000	—	—
40.	Shri S.A. Jaleel, No. 1, Moor Road, Madras-6.	5(1)(c)	16,0000		—
41.	Shri C. Benjamin, V.B. Chacko, Thopparaputhen Veedu, Elampat, P.O. Punalur Trivandrum.	5(1)(aa) 5(1)(d)	15,000 30,000	Rs. 9,980	—

1	2	3	4	5	6
42.	Shri K.P. Natarajan, Prop. Eastern Co. Yarn, Kilimanoor, Alleppey.	9(1)(b)	20,000	—	—
43.	Shri G.S. Dharan, Padma Vilas, Murukumpuzha, Trivandrum.	5(1)(aa) 5(1)(c)	7,250	Rs. 10,000	—
44.	Shri M. Mohd, Ashraf, Kuthukalingal, Valappil Near High School. Thirivaya, Kerala.	5(1)(aa) 5(1)(c)	30,000	—	—
45.	Shri P. Devarajan, No. 2, Ayyalukunaiken Street, Tuticorin.	12(2)	75,000	—	—
46.	Shri R.M. Abdulla, Rayer Markar Veethi, Vedan apalli P.O., Trichur District.	5(1)(aa) 5(1)(c) 9(1)(b) 9(1)(d)	21,500	—	
47.	M/s. A.V.M. Sons, A.V.M. Studios Premises, Arcot Road, Vadapalani, Madras-26.	4(1)	15,000	—	—
	Shri A.V. Meiyappan, c/o A.V.M. Sons	4(1)	15000	—	—
48.	Shri Piara Singh Chaggar, S/o Shri Ishar Singh, Vill Pandiri Rukman, District Hoshiarpur.	5(1)(aa)	10,000		—
49.	Shri Kandhara Singh Kiranwalla, Village Jalalabad, Near Raga, District Amritsar.	5(1)(aa) 5(1)(c)	5,000 5,000	— —	— —
50.	Shri Pritam Singh S/o Sunder Singh, Village Mallowal, Tehsil Nakodar, District Jullundur.	5(1)(c) 5(1)(aa)	5,000 5,000	— —	— —

[T. 19/4-Coord/82]
M.S. BINDRA, Director

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1982

का० आ० 1339.--सर्वश्री बैंक आफ इंडिया, एक्सप्रेस टावर्स, नारीमन प्वाइंट, बम्बई-21 को एक मल्टीपल आफ सेट प्रिंटिंग मशीन माडल 1250-एन-13 इमेज लेंथ डब्ल्यू/यूनिवर्सल क्लैम्प मास्टर सिलिंडर 230-वी-50 एच जैड और इनके फालतू पुर्जों के आयात के लिए 1,15,596 रु० लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के लिए एक आयात लाइसेंस सं० पी/ए/1444997/सी दिनांक 24-8-81 प्रदान किया गया था जो जारी होने की तारीख से 12 मास की अवधि के लिए वैध था। अब पार्टी ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उनसे मूल प्रतियां खो गई हैं/अस्थानस्थ हो गई हैं। पार्टी ने आयात व्यापार नियंत्रण नियमों के अनुसार एक शपथपत्र दाखिल किया है जिसमें बताया गया है कि लाइसेंस किसी भी सीमा शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं कराया गया था और बिल्कुल उपयोग नहीं हुआ था और लाइसेंस के 1,15,596 रु० का शेष है। इस शपथपत्र में यह भी बताया गया है कि यदि उपर्युक्त आयात लाइसेंस मिल जाता है तो इसे जारी करने वाले प्राधिकारी को लौटा दिया जाएगा। मैं संतुष्ट हूं कि मूल आयात लाइसेंस खो गया है/अस्थानस्थ हो गया है और निदेश देता हूं कि उपर्युक्त आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल आयात लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[फा० सं० 12/36/81-82/एमएलएस/2810]
शंकर चन्द, उप मुख्य नियंत्रक,
आयात निर्यात,
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 24th March, 1982

S.O. 1339.—M/s. Bank of India, Express Towers, Nariman Point, Bombay-021 were granted an import licence No. P|A|1444997|C dated 24-8-81 for a C.I.F. value of Rs. 1,15,596 for import of One Multiple Offset Printing Machine Model 1250-N-13 Image Length W|Universal Clamp Master Cylinder 230-V-50 HZ with Spares valid for 12 (Twelve) months from the date of issue. Now the party have applied for grant of Duplicate Customs Purpose and Exchange Control Copies for the aforesaid import licence on the grounds that the original one has been lost|misplaced by them. The party have furnished necessary affidavit as per I.T.C. Rules according to which the aforesaid import licence was not registered with any Customs House and was not utilised at all and the balance against the licence is Rs. 1,15,596. It has also been incorporated in the affidavit that if the said import licence is traced or found later on, it will be returned to

the issuing authority. I am satisfied that the original import licence has been lost|misplaced and direct that Duplicate Customs purpose and Exchange Control copies of the import licence should be issued to the applicant. The original import licence is hereby cancelled.

[F. No. 12|36|81-82|MLS|2810]

SHANKAR CHAND, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.
for Chief Controller of Imports and Exports.

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात का कार्यालय)

आदेश

मद्रास, 11 मार्च, 1982

का०आ० 1340.—सर्वश्री प्रीमियर मेटल इंडस्ट्रीज संख्या 92, वेस्ट कार स्ट्रीट, विरुधुनगर, रामनाथपुरम् जिला को रुपये 7,99,810 तक टिन कन्टेनर्स उत्पत्ति कार्य के लिए, टिन प्लेट वेस्ट का आयात करने लाइसेंस संख्या पी०एस०1935126-सी-एक्स एक्स एम-81 दिनांक 12-5-1981 जारी किया गया था। उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो जाने के कारण उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए लाइसेंसधारी ने आवेदन किया है। इस लाइसेंस की पंजीकरण सीमाशुल्क प्राधिकारी, मद्रास से की गयी है। लाइसेंसधारी के घोषणा के अनुसार उपर्युक्त लाइसेंस की मूल्य में रुपये 91,597 को छोड़कर रुपये 2,08,213 का उपयोग कर लिया गया है। अब रुपये 91,597 की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया गया है।

7. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र भी दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी०-एस०-1935126-सी०एक्स०एक्स-79-एम-81 दिनांक 12-5-1981 की मुद्रा विनियम प्रति खो दी गयी है और आदेश देता है कि आवेदक को शेष मूल्य रुपये 91,597 के लिए उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी किया जाय। लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण की मूल प्रति एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

3 मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति संख्या डी-2464810 दिनांक 11-3-82 अलग से जारी किया जाता है।

[आई० एण्ड एस०/46-ए एम 82/ए यू 3]

एस० नरसिंहन, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात।

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

Madras, the 11th March, 1982

S.O. 1340.—M/s. Premier Metal Industries, No. 92, West Car St., Virudhunagar, Ramanathapuram District were granted licence No. P|S|1935126|C|XX|M|81 dated 12-5-1981 for Rs. 2,99,810 for the import of Tin Plate waste for the manufacture of Tin Containers only. They have requested for the issue of duplicate copy of Exchange Control copy of the above licence which has been lost. The licence has been registered with the Customs at Madras. According to the declaratioh given by the Licensee the original licence was utilised for Rs. 208213 only leaving a balance value of Rs. Rs. 91,597 only. The duplicate now required is to cover the balance value of Rs. 91,597 only.

2. In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange control copy of the licence No. P|S|1935126|C|XX|79|M|81 dt. 12-5-1981 has been lost and directed that a duplicate Exchange Control copy of the said licence should be issued to them for the balance value of Rs. 91,597 only. The original Exchange Control copy of the licence is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control copy of the Licence No. D. 2464810 Dt. 11-3-82 is being issued separately.

[No. I&S|46|AM. 82|AU. III]

S. NARASIMHAN, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

For Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1982-03-15

का०आ० 1341.—भारतीय मानक (संस्था प्रमाणन चिह्न) नियम और विनियम 1955 के नियम 3 के उपनियम (2) और विनियम 3 के उपनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के ब्यौरे दिए गए हैं 1979-10-31 को निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं०	निर्धारित भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानकों की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
1	2	3	4
1.	IS : 39—1979 रंग-रोगन के लिए सीसा के बेसिक सल्फेट की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS. 39—1950 रंग-रोगन के लिए सीसा के बेसिक सल्फेट की विशिष्टि	—
2.	IS : 51—1979 रंग-रोगन के लिए जस्ता क्रोम की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 51—1966 रंग-रोगन के लिए जस्ता क्रोम की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—
3	IS : 371—1979 सीलिंग रोज की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 371—1966 सीलिंग रोज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1979-07-31 को स्थापित भारतीय मानक संस्था की प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 371—1979 दिनांक 1980-04-01 से लागू होगा।

1	2	3	4
4.	*IS : 415—1978 शल्लकाओं की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 415—1963 शटलकाओं की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	1979-04-30 को स्थापित *भामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के कार्यों के लिए; IS : 415—1978 दिनांक 1980-02-01 से लागू होगा ।
5.	IS : 437—1979 बाजार के लिए कोक और कोयले का साइज विश्लेषण (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 437—1965 बाजार के लिए कोक और कोयले की साइज का श्रेणीकरण (दूसरा पुनरीक्षण)	—
6.	IS : 687—1979 धोने पर कपड़ों के रंग का पक्कापन ज्ञात करने की पद्धति परीक्षण (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 687—1966 धोने पर कपड़ों के रंग का पक्कापन ज्ञात करने की पद्धति परीक्षण (दूसरा पुनरीक्षण)	—
7.	IS : 764—1979 धोने पर कपड़ों के रंग का पक्कापन ज्ञात करने की पद्धति परीक्षण 3 (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 764—1966 धोने पर कपड़ों के रंग का पक्कापन ज्ञात करने की पद्धति परीक्षण 3 (पहला पुनरीक्षण)	—
8.	IS : 765—1979 धोने पर कपड़ों के रंग का पक्कापन ज्ञात करने की पद्धति परीक्षण 4 (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 765—1966 धोने के विरुद्ध कपड़ों के रंग का पक्कापन ज्ञात करने की पद्धति परीक्षण 4 (पुनरीक्षित)	—
9.	IS : 1239 (भाग 1)—1979 इस्पात नलियां, नलिकाएं और पिटवां इस्पात के अन्य फिटिंग भाग । इस्पात की नलियां (चौथा पुनरीक्षण)	IS : 1239 (भाग 1)—1973 इस्पात नलियां, नलिकाएं और पिटवां इस्पात के अन्य फिटिंग : भाग I इस्पात की नलियां (तीसरा पुनरीक्षण)	1979-09-30 को स्थापित भामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना कार्यों के लिए; IS : 1239 (भाग 1)—1979 दिनांक 1980-01-15 से लागू होगा ।
10	IS : 1570 (भाग 2)—1979 पिटवां इस्पात भाग 2 कार्बन इस्पात (अमिश्र इस्पात) अनुसूची (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1570—1961 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए पिटवां इस्पात अनुसूची	—
11.	IS : 1570(भाग-3)—1979 पिटवां इस्पात अनुसूची भाग 3 कार्बन और कार्बन मैंगनीज फ्री कटिंग इस्पात (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1570—1961 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए पिटवां इस्पात अनुसूची	—
12.	IS : 1863—1979 रोल्ड इस्पात बल्ब पट्टियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	SI : 1863—1961 रोल्ड इस्पात की बल्ब पट्टियों के माप	—
13	IS : 1864—1979 पोत निर्माण के लिए गर्म वैल्लित इस्पात के "एल" सैक्शनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1864—1963 असामान्य चौड़ाई और मोटाई की भुजाओं वाले कोण सैक्शनों की माप	—
14.	IS : 2677—1979 पिटवां एल्यूमिनियम और एल्यूमिनियम मिश्र धातु की पट्टियां और गरम वेल्लित चादरों के माप (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2677—1964 पिटवां एल्यूमिनियम—और एल्यूमिनियम मिश्र धातु पट्टी के माप	—
15.	IS : 2751—1979 प्रबलित कंक्रीट संरचना के लिए इस्पात, सादा इस्पात और विकृत छड़ों की वेल्डिंग के लिए रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2751—1966 प्रबलित कंक्रीट संरचना के लिए इस्पात सादा इस्पात और विकृत छड़ों की वैल्डिंग के लिए रीति संहिता	—
16.	IS : 2810—1979 मृदा गति की संबद्ध शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2810—1964 मृदा गति की संबंधी संकेत और शब्दावली	—
17.	IS : 2856—1979 उच्च ताप कार्यों के लिए उपयुक्त दाब धारी घटकों के लिए कार्बन इस्पात ढलाइयों—फ्यूजन वैल्डिंग प्रकार की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2856—1974 उच्च ताप कार्यों के उपयुक्त दाबधारी घटकों के लिए कार्बन इस्पात ढलाइयों-फ्यूजन वैल्डिंग प्रकार की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—

1	2	3	4
18. IS : 3401—1979 मिलिका जेल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 3401—1970 मिलिका जेल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	
19. IS : 3855 (भाग 2)—1979 आयताकार और चौकोर इनैमल चढ़े तांबे के चालकों की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3855—1966 आयताकार और चौकोर तांबे के चालको की विशिष्टि	—	
20. IS : 3930—1979 ज्वाला और प्रेरण कठोरकारी इस्पातो की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3930—1966 ज्वाला प्रेरण कठोरकारी इस्पातों की विशिष्टि	1979-07-31 को स्थापित भामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के कार्यों के लिए; IS : 3930—1979 दिनांक 1979-12-31 से लागू होगा।	
21 IS : 4064 (भाग 1)—1978, 1000 वोल्ट ऐसी अथवा 1200 वोल्ट डीसी से अनधिकवोल्टता के लिए और वायु विच्छेदे स्विच, वायु विच्छेद वियोजकों, वायु विच्छेद स्विच और फ्यूज संयोजन इकाइयां को विशिष्टि भाग I सामान्य अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	(1) IS : 2607—1967, 1000 वोल्ट से अनधिक वायु रोधको की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) (2) IS : 4047—1967, 1000 वोल्ट से अनधिक वोल्टता के लिए फ्यूजों अथवा विच्छेद स्विचों की संयोजित इकाइयों और भारी कार्य के लिए वायु विच्छेद स्विचों की विशिष्टि। (3) IS : 4064—1967, 1000 वोल्ट से अनधिक वोल्टता के फ्यूजों और वायु विच्छेद स्विचों की संयोजन इकाइयों और सामान्य कार्य के लिए वायु विच्छेद स्विचों की विशिष्टि	1979-06-30 को स्थापित भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 4064 (भाग 1)–दिनांक 1981-07-01 से लागू होगा	
22. IS : 4064—(भाग 2)—1978 12000 वोल्ट डीसी अथवा 1000 वोल्ट एसी से अनधिक वोल्टता के लिए फ्यूज संयोजन इकाइयो, वायु विच्छेद स्विच वियोजकों, वायु विच्छेद स्विचों की विशिष्टि भाग 2 प्रत्येक मोटर के प्रत्यक्ष स्विच के लिए विशिष्टि अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	—वही—	1979-01-31 को स्थापित भामा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के कार्यों के लिए; IS : 4064 (भाग 2)—1978 दिनांक 1981-07-01 से लागू होगा।	
23. IS : 4586 (भाग 1/अनुभाग 4)—1978 स्पिंडल प्रचालित इलैक्ट्रोनी घटकों के लिए स्पिंडल और माउंटिंग व्यवस्था के माप, भाग I स्पिंडल अनुभाग 4, खांचेदार स्पिंडल (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4586—1969 स्पिंडलों और इलैक्ट्रॉनिकी उपस्करो मे प्रयुक्त यांत्रिक रूप से जुड़े जाने वाले यंत्रो के ब्यौरों और स्पिंडलों के माप	—	
24 IS 5490 (भाग-4)—1979 सुवाह्य अग्नि शामकों और रसायन अग्नि इंजनों में फिर से भरे जाने वाले पदार्थों की विशिष्टि, भाग 4 50 लिटर क्षमता के भाग रसायन अग्नि इंजन के लिए	IS : 5490—1969 सुवाह्य अग्नि शामकों और रसायन अग्नि इंजनों के फिर से भरे जाने वाले पदार्थों की विशिष्टि	1979-09-30 को स्थापित।	
25. IS : 6171—1979 पेंचदार टोटियो की तकनीकी पूर्ति की शर्तें (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6171—1971 पेंचदार टोटियों की तकनीकी पूर्ति की शर्तें	—	
26. IS : 6172—1979 हाथ की टोटियों के लिए पाइप चूड़ियों समानान्तर की विशिष्टि, (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6172—1971 हाथ की टोटियों के लिए पाइप चूड़ियों समानान्तर की विशिष्टि	—	
27. IS : 6504—1979 विस्कोस रेयान, सूत और प्रोटीन रेशों, तीन पदार्थों मिश्रण के मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6504—1972 विस्कोस रेयान, सूत और प्रोटीन रेशों, तीन पदार्थों मिश्रण के मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण की पद्धति	—	
28. IS : 7503 (भाग 3)—1979 रबड़ उद्योग में प्रयुक्त शब्दावली भाग 3	—	—	

1	2	3	4
29.	IS : 7879 (भाग 6)—1978 वैमानिकी और अंतरिक्षिक शब्दावली भाग 6 अंतरिक्ष संबंधी शब्दावली	—	—
30.	IS : 8062 (भाग 4)—1979 संरचना इस्पात की कैथोड सुरक्षा भाग 4, डॉकगेट, कैसन, जैटी प्रस्तम्भ (पायर्स) गैल्वनी सुरक्षा की रीति संहिता	—	—
31.	IS : 8607 (भाग 3)—1979 चिकित्सा कार्यों में प्रयुक्त विद्युत उपस्करों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाएं भाग 3 यांत्रिक खतरों के विरुद्ध सुरक्षा	—	—
32.	IS : 8883 (भाग 2/अनुभाग 2)—1978 रासायनिक पदार्थों और रसायनों के नमूने लेने की पद्धति, भाग 2 नमूने लेने के उपस्कर अनुभाग, तरल पदार्थों के लिए	—	—
33	IS : 9064—1979 तांबे की हथौड़िया की विशिष्टि	—	—
34	IS : 9065—1979 एल्युमिनियम की हथौड़ियो की विशिष्टि	—	—
35.	IS : 9073—1979 तंत्रिका चूषण नलियों की विशिष्टि	—	1979-09-30 को निर्धारित
36.	IS : 9074—1979 रैमीकिल्प और ऐपलिकेटर की विशिष्टि	—	1979-09-30 को निर्धारित
37.	IS : 9080 (भाग 3)—1979 विद्युत ताप संस्थापनों की सुरक्षा अपेक्षाएं, भाग 3 मुख्य और मध्यम आवृत्ति प्रेरण भट्ठी स्थापन की विशिष्टि अपेक्षाएं	—	—
38.	IS : 9093—1979 विमानों के लिए 100° सें०ग्रे० अकुरा-मित निकल मिश्रधातु रिबेटों की विशिष्टि	—	—
39.	IS : 9094 (भाग 1)—1979 ड्रिल चक टेपर आर्बर भाग 1 टेपर शैंक वाले की विशिष्टि	—	—
40.	IS : 9112—1979 माइक्रोमीटर की पेच चूड़ियां की विशिष्टि	—	
41.	IS : 9117—1979 अनायताकार चैनलों में मुक्त समग्र प्रवाह के (सन्निकट विधि) अनुमान के लिए एण्ड डेप्थ पद्धति वियर और फ्लूम द्वारा खुले चैनलों में तरल प्रवाह मापन की सिफारिशें	—	—
42.	IS : 9127 (भाग 2)—1979 कोयले की पैट्रोग्राफीय विश्लेषण की पद्धति भाग 2 पैट्रोग्राफीय विश्लेषण के लिए कोयले के नमूने तैयार करना ।	—	—
43.	IS : 9133—1979 सामान्य चिकित्सा भंडार के लिए ट्रालियों की विशिष्टि	—	
44.	IS : 9134—1979 ट्रेजफाइन कार्नियल, फ्रेस्टोविजो के नमूने की विशिष्टि	—	1979-09-30 से निर्धारित
45.	IS : 9146—1979 कैंचियां काटने वाली सीधी और चपटे भाग पर मुड़ी हुई, मायो के नमूने वाली की विशिष्टि	—	1979-09-30 से निर्धारित
46.	IS : 9151—1979 प्रक्रिया उपस्करों की शब्दावली	—	—
47.	IS : 9165—1979 सीवन सूचर सुइयों की सामान्य अपेक्षाओं की विशिष्टि	—	—
48	IS : 9167—1979 काम प्रोटेक्टरों की विशिष्टि	—	—
49.	IS : 9176—1979 इलेक्ट्रानिकी मापन उपस्कर के कार्य निष्पादन को बताने की पद्धति	—	—
50.	IS : 9184—1979 चिमटियां डिसइंफैक्शन, प्लास्टिक शल्य क्रिया के लिए उर्धहनु (मैक्सीलरी) की विशिष्टि	—	1979-09-30 से निर्ध.

1	2	3	4
51.	IS : 9190—1979 हैलोजनकृत कार्बनिक विलायकों और उनके मिश्रणों में अम्लीयता और क्षारता के निर्धारण की पद्धति	—	—
52.	IS : 9193—1979 बेयरिंग फर्षकों की विशिष्टि	—	—
53.	IS : 9196—1979 विमानों के लिए धूर्पी और नुकीले ऐक्चुएटरों (एसी और डीसी) की विशिष्टि	—	—
54	IS : 9198—1979 मिट्टी के परीक्षण के लिए संहनन (कम्पैक्शन) रैमर की विशिष्टि	—	—
55.	IS : 9203 (भाग 4)—1979 खदानो मे ढुलाई के रास्तों के लिए कर्षण रोलरों की विशिष्टि भाग 4 धातु रहित रस्सों वाली सतह के रोलर	—	—
56.	IS : 9212—1979 सड़क पर चलने वाले वाहनों मे ब्रेक लाइन और ब्रेक लगाने की क्षमता के लिए दाब सिफारिशें	—	—
57.	IS : 9213—1979 बॉर्ड बोतलों की विशिष्टि	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिक्री के लिए भा०मा० संस्था मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 में तथा अहमदाबाद, बंगलौर, बंबई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना तथा त्रिवेंद्रम स्थित शाखा कार्यालयों में उपलब्ध हैं।

[सं० सी एम डी/13.2]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1982-03-15

S.O. 1341.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1979-10-31.

SCHEDULE

Sl No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 39—1979 Specification for basic sulphate of lead for paints (first revision).	IS : 39—1950 Specification for basic sulphate of lead for paints.	—
2.	IS : 51—1979 Specification for zinc chrome for paints (third revision).	IS : 51—1966 Specification for zinc chromes for paints (second revision).	—
	IS : 371—1979 Specification for ceiling roses second revision).	IS : 371—1966 Specification for ceiling roses (first revision).	Established on 1979-07-31. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 371—1979 shall come into force with effect from 1980-04-01.
4.	*IS : 514—1978 Specification for shuttlecocks (second revision).	IS : 415—1963 Specification for shuttlecocks (revised).	Established on 1979-04-30. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 415—1978 shall come into force with effect from 1980-02-01.
5.	IS : 437—1979 Size analysis of coal and coke for marketing (third revision).	IS : 437—1965 Size grading of coal and coke for marketing (second revision).	—
6.	IS : 687—1979 Method for determination of colour fastness of textile materials to washing: Test 1 (second revision).	IS : 687—1966 Method for determination of colour fastness of textile materials to washing : Test 1 (first revision).	—
7.	IS : 764—1979 Method for determination of colour fastness of textile materials to washing: Test 3 (second revision).	IS : 764—1966 Method of determination of colour fastness of textile materials to washing: Test 3 (first revision).	—

(1)	(2)	(3)	4
8.	IS : 765—1979 Method for determination of colour fastness of textile materials to washing: Test 4 (second revision).	IS : 765—1966 Method for determination of colour fastness of textile materials to washing: Test 4 (revised).	—
9.	*IS : 1239 (Part I)—1979 Specification for mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings: Part I mild steel tubes (fourth revision).	IS : 1239 (Part I)—1973 Specification for mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings: Part I mild steel tubes (third revision).	Established on 1979-09-30. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 1239 (Part I)—1979 shall come into force with effect from 1980-01-15
10.	IS : 1570 (Part II)—1979 Schedules for wrought steels : Part II Carbon steels (unalloyed steels) (first revision).	IS : 1970—1961 Schedules for wrought steels for general engineering purposes.	—
11.	IS : 1570 III)—1979 Schedules for wrought steels : Part III Carbon and carbon manganese free cutting steels (first revision).	IS : 1570—1961 Schedules for wrought steels for general engineering purposes.	—
12.	IS : 1863—1979 Specification for rolled steel bulb flats (first revision).	IS : 1863—1961 Dimensions for rolled steel bulb plates.	—
13.	IS : 1864—1979 Specification for hot rolled steel 'L' sections for shipbuilding (first revision).	IS : 1864—1963 Dimensions for angle sections with legs of unequal width and thickness.	—
14.	IS : 2677—1979 Dimensions for wrought aluminium and aluminium alloys, plates and hot rolled sheets (first revision).	IS : 2677—1964 Dimensions for wrought aluminium and aluminium alloys, plate.	—
15.	IS : 2751—1979 Code of practice for welding of mild steel plain and deformed bars for reinforced concrete construction (first revision).	IS : 2751—1966 Code of practice for welding of mild steel bars used for reinforced concrete construction.	—
16.	IS : 2810—1979 Glossary of terms relating to soil dynamics (first revision).	IS : 2810—1964 Glossary of terms and symbols relating to soil dynamics.	—
17.	IS : 2856—1979 Specification for carbon steel castings for pressure containing parts suitable for high temperature service (fusion welding quality) (second revision).	IS : 2856—1974 Specification for carbon steel castings for pressure containing parts suitable for high temperature service (fusion welding quality) (first revision).	—
18.	IS : 3401—1979 Specification for silica gel (second revision).	IS : 3401—1970 Specification for silica gel (first revision).	—
19.	IS : 3855 (Part II)—1979 Specification for rectangular and square enamelled copper conductors : Part II Methods of tests (first revision).	IS : 3855—1966 Specification for rectangular and square enamelled copper conductors.	—
20.	*IS : 3930—1979 Specification for flame and induction hardening steels (first revision).	IS : 3930—1966 Specification for flame and induction hardening steels.	Established on 1979-07-31. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 3930—1979 shall come into force with effect from 1979-12-31.
21.	*IS : 4064 (Part I)—1978 Specification for air-break switches, air-break disconnectors, air-break switch-disconnectors and fuse combination units for voltages not exceeding 1000 VAC or 1200 VDC : Part I General requirements (first revision).	(i) IS : 2607—1967 Specification for air break isolators for voltages not exceeding 1000 volts (first revision); (ii) IS : 4047—1967 Specification for heavy duty air break switches and composite units of air break switches and fuses for voltages not exceeding 1000 volts. (iii) IS : 4064—1967 Specification for normal duty air break switches and composite units of airbreak switches and fuses for voltages not exceeding 1000 v.	Established on 1979-06-30. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 4064 (Part I)—1978 shall come into force with effect from 1981-09-01
22.	*IS : 4064 (Part II)-1978 Specification for air-break switches, air-break disconnectors, air-break switch disconnectors and fuse combination units for voltages not exceeding 1000 V AC or 1200 VDC: Part II Specific requirements for the direct switching of individual motors (first revision).	-do-	Established on 1979-01-31. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 4064 (Part II)—1978 shall come into force with effect from 1981-07-01

(1)	(2)	(3)	(4)
23.	IS : 4586 (Part I/Sec 4)—1978 Dimensions of spindles and mounting arrangements for spindle operated electronic components: Part 1 Spindles Section 4 Slotted spindle (first revision).	IS : 4586—1969 Dimensions of spindles and details of mechanical fixing devices used in electronic equipment.	—
24.	IS : 5490 (Part IV)—1979 Specification for refills for portable fire extinguishers and chemical fire engines : Part IV For foam chemical fire engines, 50 ltre capacity (first revision).	IS : 5490—1969 Specification for refills for portable fire extinguishers and chemical fire engines.	Established on 1979-09-30.
25.	IS : 6171—1979 Technical supply conditions for screwing taps (first revision).	IS : 6171—1971 Technical supply conditions for screwing taps.	—
26.	IS : 6172—1979 Specification for hand taps for pipe threads, parallel (first revision).	IS : 6172—1971 Specification for hand taps for pipe threads, parallel.	—
27.	IS : 6504—1979 Method for quantitative chemical analysis of ternary mixtures of viscose rayon, cotton and protein fibres (first revision).	IS : 6504—1972 Method for quantitative chemical analysis of ternary mixture of viscose rayon, cotton and protein fibres.	—
28.	IS : 7503 (Part III)—1979 Glossary of terms used in rubber industry: Part III.	—	—
29.	IS : 7879 (Part VI)—1978 Glossary of aeronautical and astronautical terms: Part VI space terms.		
30.	IS : 8062 (Part IV)—1979 Code of practice for cathodic protection of steel structures: Part IV Galvanic protection of dockgates, caissons, piers and jetties.	—	—
31.	IS : 8607 (Part III)—1979 General and safety requirements for electrical equipment used in medical practice: Part III protection against mechanical hazards.	—	—
32.	IS : 8883 (Part II/Sec. 2)—1978 Methods of sampling of chemicals and chemical products: Part II sampling equipment Section 2 for liquid.	—	—
33.	IS : 9064—1979 Specification for copper hammers.	—	—
34.	IS : 9065—1979 Specification for aluminium hammers.	—	—
35.	IS : 9073—1979 Specification for neuro-suction tubes.	—	Established on 1979-09-30.
36.	IS : 9074—1979 Specification for raney clips and clip applicator.	—	Established on 1979-09-30.
37.	IS : 9080 (Part III)—1979 Safety requirements in electro-heat installations: Part III Particular requirements for mains and medium frequency induction furnace installations.	—	—
38.	IS : 9093—1979 Specification for 100° countersunk nickel alloy rivets for aircraft.	—	—
39.	IS : 9094 (Part I)—1979 Specification for drill chuck taper arbors: Part I having taper shanks	—	—
40.	IS : 9112—1979 Specification for screw thread micrometers.	—	—
41.	IS : 9117—1979 Recommendation for liquid flow measurement in open channels by weirs and flumes—end depth method for estimation of flow in non-rectangular channels with a free overfall (approximate method).	—	—

1	2	3	4
42.	IS : 9127 (Part II)—1979 Methods for petrographic analysis of coal: Part II preparation of coal samples for petrographic analysis.	—	—
43.	IS : 9133—1979 Specification for trolley for general medical store.	—	—
44.	IS : 9134—1979 Specification for trephine, corneal, Castroviejo's pattern.	—	Established on 1979-09-30.
45.	IS : 9146—1979 Specification for scissors, dissecting, straight and curved on flat Mayo's pattern.	—	Established on 1979-09-30.
46.	IS : 9151—1979 Glossary of terms for process equipment.	—	—
47.	IS : 9165—1979 Specification for general requirements of needles, suture.	—	—
48.	IS : 9167—1979 Specification for ear protectors.	—	—
49.	IS : 9176—1979 Method for specifying the functional performance of electronic measuring equipment.	—	—
50.	IS : 9184—1979 Specification for forceps, disimpaction, maxillary for plastic surgery.	—	Established on 1979-09-30.
51.	IS : 9190—1979 Methods for determination of acidity and alkalinity in halogenated organic solvents and their admixtures.	—	—
52.	IS : 9193—1979 Specification for bearing pullers.		
53.	IS : 9196—1979 Specification for rotary and linear actuators (AC and DC) for aircraft.	—	—
54.	IS : 9198—1979 Specification for compaction rammer for soil testing.	—	—
55.	IS : 9203 (Part IV)—1979 Specification for friction rollers for mine haulage tracks : Part IV rollers with non-metallic rope bearing surfaces.	—	—
56.	IS : 9212—1979 Recommendations for pressure in brake lines of road vehicles and braking efficiency.	—	—
57.	IS : 9213—1979 Specification for BOD bottles.	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur Kanpur, Bhopal, Bhubaneshwar, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का० आ० 1342.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे दिए गए हैं वे 1979-09-30 को स्थापित किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा निष्प्रभावित भारतीय मानक यदि हो की पदसंख्या और शीर्षक	संक्षिप्त विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 124 (भाग-3)—1979 सामान्य कार्यों के लिए बुरुश से लगने वाले फिनिश देने वाले चमकीले तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	IS : 119—1962 सामान्य कार्यों के लिए भारतीय मानक रंगों के अनुरूप बुरुश से लगने वाले फिनिश देने वाले चमकीले तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	—

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	IS : 456— 1978 सादे और प्रबलित कंक्रीट की रीति संहिता तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 456-- 1964 सादे और प्रबलित कंक्रीट रीति संहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	—
3.	IS 729-- 1979 द्वार अलमारी, और बक्स के तालों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 729-- 1979 द्वार, अलमारी और बक्स के तालों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—
4.	IS : 771 (भाग 1)-- 1979 कांचाभ अग्नि मिट्टी के सेनीटरी साधनों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 771-- 1963 कांचाभ मिट्टी के सेनीटरी साधनों की विशिष्ट (पुनरीक्षित)	—
5.	IS : 771 (भाग 2)-- 1979 कांचाभ अग्नि मिट्टी के सेनीटरी साधनों की विशिष्टि भाग 2 रसोईघर और प्रयोगशाला के सिंकों की विशिष्ट अपेक्षाएं		--
6.	IS : 1161--1979 संरचना कार्यों के लिए इस्पात की नलियों की विशिष्टि तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1161--1968 संरचना कार्यों के लिए इस्पात की नलियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना कार्यों के लिए IS : 1161-- 1979 लागू 1979-12-01 से होगा।
7.	IS : 2179--1979 लारी की बाडी के लिए कटी लकड़ी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2179-- 1962 लारी की बाडी के लिए कटी लकड़ी की विशिष्ट	--
8.	IS : 2681-- 1979 तालों के साथ प्रयुक्त दरवाजों की अलोह धातु की सिटकनियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2681-- 1966 तालों के साथ प्रयुक्त दरवाजों की अलोह धातु की सिटकनियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	--
9.	IS : 3330- 1978 सूती ऊन की बनियानों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3330-- 1965 सूती ऊन की बनियानों की विशिष्टि	--
10.	IS : 3836-- 1979 औद्योगिक इमारतों को अग्नि से बचाव की रीति संहिता; पटसन मिल (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3836-- 1966 औद्योगिक इमारतों को अग्नि से बचाव की रीति संहिता; पटसन मिल	
11.	IS : 3975-- 1979 केबलों पर कवच चढ़ाने के लिए मृदु इस्पात के तार, पत्तियां और टेप की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3975-- 1967 केबलों पर कवच चढाने के लिए मृदु इस्पात के तार, पत्तियां और टेप की विशिष्टि	भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 3975-- 1979 लागू 1980-02-01 से होगा
12.	IS : 4393-- 1979 बूचड़खाने के लिए मूलभूत अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4393-- 1967 बूचड़खाने के लिए मूलभूत अपेक्षाएं	
13.	IS : 4433-- 1979 कोयले के हार्ड ग्रोव पेषणीयता निकालने की पद्धति (पहला पुनरीक्षण	IS : 4433-- 1967 कोयले के हार्ड ग्रोव पेषणीयता निकालने की पद्धति	—
14.	IS : 4461--1979 जमीन पर बने पन बिजली घरों में जोड़ लगाने की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4461--1967 जमीन पर बने पन बिजली घरों में जोड़ लगाने की रीति संहिता	--
15.	IS : 4586 (भाग 1/अनुभाग 6)--1978 स्पिण्डलों के माप और स्पिन्डिल चालित इलैक्ट्रानिक पुर्जों को लगाने की व्यवस्था भाग। स्पिंडिल अनुभाग 6 युग्मक स्पिंडिल (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4586--1968 स्पिंडिलों के माप और इलैक्ट्रानिक साज समान लगाने में प्रयुक्त साधन सम्बन्धी ब्यौरे	—
16.	IS : 4740-- 1979 इस्पात की नलियों की पैकेजबंदी की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4740-- 1968 इस्पात की नलियों की पैकेज बंदी की रीति संहिता	--
17.	IS : 4847-- 1979 विद्युत लेपन के लिए ताम्र लवण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4817-- 1968 विद्युत लेपन के लिए ताम्र सांइनाइड की विशिष्टि	--

(1)	(2)	(3)	(4)
18.	IS : 5000 (ग्रोर्ड 23)—1978 एक दिश चालक साधनों के माप, साधन रूपरेखा ग्रोर्ड 23	—	—
19	IS : 5000 (ग्रोर्ड 25)—1978 एक दिश चालक साधनों के माप, साधन रूपरेखा ग्रोर्ड 25	—	—
20	IS : 5173—1979 बाल बार की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5173—1969 बाल बार की विशिष्टि	—
21.	IS : 6444—1979 गंधक धूलन पाउडर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6444—1972 गंधक धूलन पाउडर की विशिष्टि	—
22.	IS : 7779 (भाग 2/अनुभाग 2)—1979 निर्माण कार्यों के लिए पत्थरों के गुणधर्मों और उपलब्धता सम्बन्धी अनुसूची भाग 2 महाराष्ट्र राज्य अनुभाग 2 इमारती पत्थर के इंजीनियरी गुणधर्म	—	—
23.	IS : 8198 (भाग 6)—1979 दबाकर भरे गैसों के लिए इस्पात के सिलिन्डरों की रीति संहिता भाग 6 द्रवित क्लोरीन गैस	—	—
24	IS : 8198 (भाग 7)—1979 दबाकर भरे गैसों के लिए इस्पात के सिलिन्डरों की रीति संहिता भाग 7 अमोनिया गैस	—	—
25	IS : 8178 (भाग 8)—1979 दबाकर भरे गैसों के लिए इस्पात के सिलिन्डरों की रीति संहिता भाग 8 सामान्य जैविक प्रशीतक गैस	—	—
26.	IS : 8544 (भाग 3/अनुभाग 1)—1979 1000 वोल्ट से अनधिक वोल्टता के लिए मोटर स्टार्टरों की विशिष्टि भाग 3 रियोस्टेट धूर्णक स्टार्टर अनुभाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	—	.
27	IS : 8544 (भाग 3/अनुभाग 2)—1979 1000 वोल्ट से अनधिक वोल्टता के लिए मोटर स्टार्टरों की विशिष्टि भाग 3 रियोस्टेट धूर्णक स्टार्टर अनुभाग 3 एसी रियोस्टेट धूर्णक नियंत्रकों सम्बन्धी अतिरिक्त अपेक्षाएं	— —	— —
28	IS : 9046—1978 1000 वोल्ट से अधिक और 11000 वोल्ट तक की वोल्टता के लिए ए सी कन्टेक्टरों की विशिष्टि	—	—
29.	IS : 9039—1979 अन्तर्वाहक बेल्ट की विशिष्टि	—	—
30	IS : 9072—1979 पिट्यूटरी रीगेर की विशिष्टि	—	—
31.	IS : 9082—1979 बर्फिंग डिस्क और समचक्रों के लिए श्रेता आंकड़ा प्रपत्र	—	—
32.	IS : 9083—1979 रबड़ की लाइनिंग वाली टंकियों के लिए क्रेता आंकड़ा प्रपत्र	—	—
33.	IS : 9084—1979 तरल भण्डारण गोलीय टंकियों की सांकेतिक समाइयों सम्बन्धी सिफारिश	—	—
34.	IS : 9088—1979 वायुयानों के लिए यूनिवर्सल शीर्ष निकेल मिश्रित धातु के रिवेटों की विशिष्टि	—	—
35.	IS : 9090—1979 पर्वतारोहण के लिए तम्बुओं में लगने वाले बासों की विशिष्टि	—	—
36.	IS : 9101—1979 मांस मवेशियों के रूप में नमूने लेने की पद्धतियां	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
37.	IS 9103--1979 कंक्रीट के अधिमिश्रण की विशिष्टि	--	--
38.	IS : 9104--1979 लकड़ी के गोलों और कटी लकड़ी के भंडारण और बचाव की मार्गदर्शिका	--	--
39	IS : 9109--1979 औद्योगिक इमारतों की आग से बचाव की रीति संहिता- रंग रोगन और वार्निश फैक्टरियां	--	--
40	IS : 9111--1979 परिवहन पैकेजबंदी सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली तथा वर्गीकरण	--	--
41.	IS . 9112--1979 पटसन बोरे के कपड़े की विशिष्टि सामान्य अपेक्षाएं	--	--
42.	IS : 9116--1979 जल अवस्था अभिलेख (गोलेवाला) की विशिष्टि	--	--
43	IS 9118--1979 दाबान्तरमापी द्वारा दाब मापी पद्धतियां	-	--
44	IS 9120--1979 भूमिगत पन बिजली केन्द्रों में गहबर का आयोजन, विन्यास और विजाइन सम्बन्धी मार्गदर्शन	--	--
45.	IS : 9125--1979 सिनेमा में प्रयुक्त आर्क लैम्प कार्बन की विशिष्टि	--	--
46	IS . 9126 (भाग 1)—1979 जलयानों के पेंचदार प्रोपेलरों की ढलाइयों और फिनिश देने सम्बन्धी छूट भाग 10 8 और 2.5 मीटर के बीच व्यास वाले प्रोपेलर	--	--
47	IS : 9126 (भाग 2)--1979 जलयानों के पेंचदार प्रोपेलरों की ढलाइयों और फिनिश देने सम्बन्धी छूट भाग 2 2.5 मीटर से अधिक व्यास वाले प्रोपेलर	--.	--
48	IS . 9126 (भाग 3)—1979 जलयानों के पेंचदार प्रोपेलरों की ढलाइयों और फिनिश देने सम्बन्धी छूट भाग 3 मापन पद्धतियां	--	--
49	IS : 9131--1979 रिम तालों की विशिष्टि	--	--
50	IS : 9138--1979 एजोटोबैक्टर कृकोकम टीकों की विशिष्टि	--	--
51.	IS : 9139--1979 कारखानों में प्रयोग होने वाले ढलवां लोहे के छर्रों और किर्चों की विशिष्टि	--	--
52	IS . 9155--1979 गैसमापी की डायफ्रामों के चमड़े की विशिष्टि	--	--
53	IS : 9158--1979 मीन शिफ्ट उच्चदाब तरल पावर सिलिण्डर नलियों की विशिष्टि	--	--
54.	IS : 9166--1979 स्वतः सुरक्षित परिपथों के लिए चिंगारी परीक्षण उपकरण की विशिष्टि	--	--
55	IS . 9168--1979 स्वचल वाहनों के हवा भरे टायरों के लिए पूरे रबड़ की बने फ्लैपों की विशिष्टि	--	--
56	IS : 9170 (भाग 1)--1979 सिरा रहित धुलाई क्लिपों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	--	--
57.	IS : 9179--1979 वायुयानों के लिए एक छेद वाले लगे हुए लिवर चालित स्विचों के माप	--	--
58.	IS : 9175 (भाग 1)--1979 स्वचालित्रों और सहायकांग उद्योग के लिए युक्तिसंगत इस्पात भाग 1 रसायनिक संघटन	--	--

(1)	(2)	(3)	(4)
59.	IS : 9180—1979 ईंधन से चलने वाली भट्टियों की कार्यकारिता रेटिंग सम्बन्धी सिफारिशें	--	--
60	IS : 9189—1979 क्लोरोनेटित कार्बनिक द्रव यौगिकों में मुक्त क्लोरीन की मात्रा निर्धारित करने की पद्धति (वर्णमापीय)	--	--

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली 110002 और उसके अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों से खरीदी जा सकती हैं।

[सं० सी० एम० डी० 13 : 2]

S.O. 1342.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s) particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1979-09-30 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 124 (Pt III)-1979 Specification for ready mixed paint, brushing, finishing, semigloss, for general purposes Part III	IS : 119-1962 Specification for ready mixed paint, brushing, finishing, semigloss, for general purposes, to Indian Standard colours	—
2.	IS : 456-1978 Code of practice for plain and reinforced concrete (third revision)	IS : 456-1964 Code of practice for plain and reinforced concrete (second revision)	-
3.	IS : 729-1979 Specification for drawer locks, cupboard locks and box locks (third revision)	IS : 729-1969 Specification for drawer locks, cupboard locks and box locks (second revision)	—
4.	IS : 771 (Pt I)—1979 Specification for glazed fire-clay sanitary appliances Part I general requirements (second revision)	IS : 771-1963 Specification for glazed earthenware sanitary appliances (revised)	- -
5.	IS : 771 (Pt II)-1979 Specification for glazed fire-clay sanitary appliances Part II specific requirements of kitchen and laboratory sinks (second revision)	-do-	—
6.	*IS : 1161-1979 Specification for steel tubes for structural purposes (third revision)	IS : 1161-1968 Specification for steel tubes for structural purposes (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS : 1161-1979 shall come into force with effect from 1979-12-01
7.	IS : 2179-1979 Specification for converted timber for lorry bodies (first revision)	IS : 2179-1962 Specification for converted timber for lorry bodies	—
8.	IS : 2681-1979 Specification for non-ferrous metal sliding door bolts (aldrops) for use with padlocks (second revision)	IS : 2681-1966 Specification for non-ferrous metal sliding door bolts for use with padlocks (first revision)	—
9.	IS : 3330-1978 Specification for wool-cotton vests (first revision)	IS : 3330-1965 Specification for wool-cotton vests	- —
10.	IS : 3836-1979 Code of practice for fire safety of industrial buildings : Jute Mills (first revision)	IS : 3836-1966 Code of practice for fire safety of industrial buildings : Jute Mills	—
11.	*IS : 3975-1979 Specification for mild steel wires, strips and tapes for armouring of cables (first revision)	IS : 3975-1967 Specification for mild steel wires, strips and tapes for armouring cables	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 3975-1979 shall come into force with effect from 1980-02-01
12.	IS : 4393-1979 Basic requirements for an abattoir (first revision)	IS : 4393-1967 Basic requirements for an abattoir	—

(1)	(2)	(3)	(4)
13.	IS : 4433-1979 Method for determination of hardgrove grindability index of coal (first revision)	IS : 4433-1967 Method for determination of the hardgrove grindability index of coal	—
14.	IS : 4461-1979 Code of practice for joints in surface hydroelectric power stations (first revision)	IS : 4461-1967 Code of practice for joints in surface hydel power stations	—
15.	IS : 4586 (Pt I/Sec 6)-1978 Dimensions of spindles and mounting arrangements for spindle operated electronic components Part I spindles Section 6 coupling spindle (first revision)	IS : 4586-1968 Dimensions of spindles and details of mechanical fixing devices used in electronic equipment	—
16.	IS : 4740-1979 Code of practice for packaging of steel tubes (first revision)	IS : 4740-1968 Code of practice for packaging of steel tubes	—
17.	IS : 4847-1979 Specification for copper salts for electroplating (first revision)	IS : 4847-1968 Specification for copper cyanide for electroplating	—
18.	IS : 5000 (OD 23)-1978 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 23	—	—
19.	IS : 5000 (OD 25)-1978 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 25	—	—
20.	IS : 5173-1979 Specifications for wall bars (first revision)	IS : 5173-1969 Specification for wall bars	—
21.	IS : 6444-1979 Specifications for sulphur dusting powders (first revision)	IS : 6444-1972 Specification for sulphur dusting powder	—
22.	IS : 7779 (Pt II/Sec 2)-1979 Schedule of properties and availability of stones for construction purposes Part II Maharashtra State Section 2 Engineering properties of building stones	—	—
23.	IS : 8198 (Pt VI)-1979 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part VI liquified chlorine gas	—	—
24.	IS : 8198 (Pt VII)-1979 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part VII Ammonia gas	—	—
25.	IS : 8198 (Pt VIII)-1979 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part VIII Common organic refrigerant gases	—	—
26.	IS : 8544 (Pt III/Sec 1)-1979 Specification for motor starters for voltages not exceeding 1000 V Part III Rheostatic rotor starters Section 1 General requirements	—	—
27.	IS : 8544 (Pt III/Sec 2)-1979 Specification for motor starters for voltages not exceeding 1000 V	—	—
	Part III Rheostatic motor starters Section 2 Additional requirements for ac Rheostatic Rotor Controllers	—	—
28.	IS : 9046-1978 Specification for ac contractors for voltages above 1000 V upto and including 11000 V	—	—
29.	IS : 9069-1979 Specification for inter-carrier chains	—	—
30.	IS : 9072-1979 Specification for rongeur, pituitary	—	—
31.	IS : 9082-1979 Purchaser's data sheet for bursting discs and assemblies		

(1)	(2)	(3)	(4)
32.	IS : 9083-1979 Purchaser's data sheet for rubber lined tanks	—	—
33.	IS : 9084-1979 Recommendation for nominal capacities for fluid storage spherical tanks	—	—
34.	IS : 9088-1979 Specification for universal head nickel alloy rivets for aircraft	—	—
35.	IS : 9090-1979 Specification for tent poles for mountaineering	—	—
36.	IS : 9101-1979 Methods of sampling iron ore pellets	—	—
37.	IS : 9103-1979 Specification for admixtures for concrete	—	—
38.	IS : 9104-1979 Guide for storage and protection of logs and swan timber	—	
39.	IS : 9109-1979 Code of practice for fire safety of industrial buildings : paint and varnish factories	—	—
40.	IS : 9111-1979 Glossary of terms ond classification pertaining to transport packaging	—	—
41.	IS : 9113-1979 Specification for jute sacking : general requirements	—	—
42.	IS : 9116-1979 Specification for water stage recorder (float type)	—	—
43.	IS : 9118-1979 Methods for measurements of pressure by means of manometers	—	—
44.	IS : 9120-1979 Guidelines for planning, layout and design of cavities in underground hydroelectric power stations	—	—
45.	IS : 9125-1979 Specification for ARC lamp carbons for use in cinemas	—	—
46.	IS : 9126 (Pt I)-1979 Tolerances for castings and finishing of ships' screw propellers Part I propellers of diameter between 0.8 and 2.5 meters	—	—
47.	IS : 9126 (Pt II)-1979 Tolerances for castings and finishing of ships' screw propellers Part II propellers of diameter greater than 2.5 metres	—	—
48.	IS : 9126 (Pt III)—1979 Tolerances for castings and finishing of ships' screw propellers Part III methods of measurement	—	—
49.	IS : 9131-1979 Specification for rim locks	—	—
50.	IS : 9138-1979 Specification for azotobacter chroococcum inoculants	—	—
51.	IS : 9139-1979 Specifications for malleable iron shots and grits for use in foundries	—	—
52.	IS : 9155-1979 Specification for leather for gas meter diaphragms	—	—
53.	IS : 9158-1979 Specifications for cold-drawn high pressure fluid power cylinder tubes	—	—
54.	IS : 9166-1979 Specifications for spark test apparatus for intrinsically-safe circuits	—	—
55.	IS : 9168-1979 Specification for all-rubber flaps for pneumatic tyres for automobiles	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
56.	IS : 9170 (Pt I)-1979 Specification for endless haulage clips Part I general requirements	—	—
57.	IS : 9174-1979 Dimensions for single-hole mounted lever-operated switches for aircraft	—	—
58.	IS : 9175 (Pt I)-1979 Rationalized steels for the automobile and ancillary industry Part I chemically composition	—	—
59.	IS : 9180-1979 Recommendations for performance rating of fuel-fired furnaces	—	—
60.	IS : 9189-1979 Method for determination of free chlorine in chlorinated organic liquid compounds (colorimetric)	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का०आ० 1343—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे रद्द कर दिए गए हैं और वापस ले लिए गए हैं –

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र के एस ओ संख्या तथा तारीख जिसके अधीन भारतीय मानकों के निर्धारण की सूचना छपी थी	विवरण
1	2	3	4
6	SI 2106 (भाग 2) –1962 इलेक्ट्रानिकी तथा विद्युत उपकरणों की पर्यावरणीय परीक्षण, भाग 2 नमी ताप (साइकिलिंग) परीक्षण	भारत के राजपत्र भाग II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1962-12-29 में एसओ 1962 दिनांक 1962-12-19 के अधीन प्रकाशित	क्योंकि इस भारतीय मानक में दी गई अपेक्षाएं अब IS 9000 (भाग 5)-1981 इलेक्ट्रानिक तथा विद्युत वस्तुओं के लिए मूल पर्यावरणीय परीक्षण पद्धतियां, भाग 5 नमी ताप (साइकिलिंग) में शामिल कर ली गई है।
2	IS 2106 (भाग 5)-1964 इलेक्ट्रानिकी तथा विद्युत उपकरणों के लिए पर्यावरणीय परीक्षण, भाग 5 अल्पवायु दाब परीक्षण	भारत के राजपत्र भाग II खंड 4 उपखंड (ii) दिनांक 1964-09-19 में एसओ 3329 दिनांक 1964-09-08 के अधीन प्रकाशित	क्योंकि इस भारतीय मानक में दी गई अपेक्षाएं अब IS 9000 (भाग 13)-1981 इलेक्ट्रानिक तथा विद्युत वस्तुओं के लिए मूल पर्यावरणीय परीक्षण पद्धतियां, भाग 13 अल्पवायु दाब परीक्षण में शामिल कर ली गई है।

[स सी०एम०डी० 13 7]

S.O. 1343 – In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard(s) particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn :

SCHEDULE

Sl. No.	No. Title of the Indian Standard cancelled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was notified	Remarks
1	2	3	4
1.	IS : 2106 (Part-II)—1962 Environmental tests for electronic and electrical equipment : Part II Damp heat (cycling) test.	S.O. 3881 dated 1962-12-19 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1962-12-29	As the requirements of this Indian Standard has been included in IS : 9000 (Part V) –1981 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items : Part V Damp heat (cyclic)

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	IS : 2106(Part V)—1964 Environmental tests for electronic and electrical equipment Part V Low airpressure test.	S.O. 3329 dated 1964-09-08 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1964-09-19.	As the requirements of this Indian Standard has been included in IS : 9000 (Part XIII)—1981 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items : Part XIII Low air pressure test.

[No. CMD/13 : 7]

नई दिल्ली, 1982-03-16

का०आ० 1344—अधिसूचनाओं का संशोधन करते हुए, जिनके ब्यौरे निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ 1 से 4 में दिए हुए हैं, भारतीय मानक संस्था की ओर से यह अधिसूचित किया जाता है कि स्तम्भ 5 और 6 में निर्दिष्ट विभिन्न उत्पादों से संबंधित मुहर लगाने का शुल्क स्तम्भ 7 और 8 में दिए गए वर्णनानुसार पुनरीक्षित किया गया है। मुहर लगाने का पुनरीक्षित शुल्क 1982-01-01 से लागू होगा।

अनुसूची

क्र० सं०	मंत्रालय का नाम	भारत के राजपत्र की सं० का संदर्भ	अधिसूचना संख्या का संदर्भ	उत्पाद	विशिष्टि की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	वाणिज्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग)	भाग II खंड 3, उपखण्ड (ii) दि० 1980-09-20	एस०ओ० 2448 दि० 1980-08-28	संरचना इस्पात (मानक किस्म)	IS : 226-1975 संरचना इस्पात (मानक किस्म) की विशिष्टि (पांचवां पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
2.	—वही—	—वही—	—वही—	जस्तेदार इस्पात की चद्दरें (सादी और पनारीदार)	IS : 277-1977 जस्तेदार इस्पात की चद्दरों (सादी और पनारीदार) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
3.	—वही—	—वही—	—वही—	तार एवं टेलीफोन कार्यों के लिए जस्तेदार इस्पात के तार	IS : 279-1972 तार एवं टेलीफोन कार्यों के लिए जस्तेदार इस्पात के तारों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
4.	—वही—	—वही—	—वही—	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मृदु इस्पात के तार	IS : 280-1978 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मृदु इस्पात के तारों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
5	—वही—	—वही—	—वही—	कंक्रीट प्रबलन के लिए मृदु इस्पात और मध्यम तनाव इस्पात की छड़ें और सख्त खिंचे इस्पात के तार	IS : 432 (भाग 1 और 2)-1966 कंक्रीट प्रबलन के लिए मृदु इस्पात के और मध्यम तनाव इस्पात की छड़ें और सख्त खिंचे इस्पात के तारों की विशिष्टि भाग I मृदु इस्पात और मध्यम तनाव इस्पात की छड़ें (दूसरा पुनरीक्षण) भाग II सख्त खिंचे इस्पात के तार (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
6.	—वही—	—वही—	—वही—	शीत बेल्लित कार्बन इस्पात की चद्दरें	IS : 513-1973 शीत बेल्लित कार्बन इस्पात की चद्दरों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
7.	—वही—	—वही—	—वही—	चुम्बकीय परिपथों के लिए नॉन ओरियंटेड विद्युत इस्पात की चद्दरें	IS : 648-1970 चुम्बकीय परिपथों के लिए नॉन ओरियंटेड विद्युत इस्पात की चद्दरों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
8.	—वही—	—वही—	—वही—	संरचना इस्पात (उच्च तनाव)	IS : 961-1975 संरचना इस्पात (उच्च तनाव) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
9.	—वही—	वही—	—वही—	गर्म बेल्लित इस्पात की पत्तियां (गांठें बांधने के लिए)	IS : 1029-1970 गर्म बेल्लित इस्पात की पत्तियां (गांठें बांधने के लिए) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे

1	2	3	4	5	6	7	8
10	वाणिज्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग	भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) 1980-09-20	एस०ओ० 2448 दि० 1980-08-28	गर्म बेल्लित कार्बन इस्पात की चद्दरें और पत्तियां	IS : 1079-1973 गर्म बेल्लित कार्बन इस्पात की चद्दरें और पत्ती की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
11.	—वही—	वही—,	—वही—	कंक्रीट प्रबलन के लिए गर्म बेल्लित मृदु इस्पात मध्यम तनाव वाले इस्पात एवं उच्च पराभव सामर्थ्य वाले विकृत इस्पात के सरिए	IS : 1139-1966 कंक्रीट प्रबलन के लिए गर्म बेल्लित मृदु इस्पात मध्यम तनाव वाले इस्पात एवं उच्च पराभव सामर्थ्य वाले विकृत इस्पात के सरियों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एक मीटरी टन	50 पैसे
12	—वही—	—वही—	वही—	संरचना कार्यों के लिए गर्म बेल्लित इस्पात के रिवेट सरिये (40 मिमी व्यास तक)	IS : 1148-1973 संरचना कार्यों के लिए गर्म बेल्लित इस्पात के रिवेट सरियों (40 मिमी व्यास तक) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
13	—वही—	—वही—	—वही—	संरचना कार्यों के लिए उच्च तनाव वाले इस्पात के रिवेट सरिये	IS : 1149-1973 संरचना कार्यों के लिए उच्च तनाव वाले इस्पात के रिवेट सरियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
14	—वही—	—वही—	—वही—	कंक्रीट प्रबलन के लिए शीत रूपित उच्च सामर्थ्य इस्पात के विकृत सरियें	IS 1786-1979 कंक्रीट प्रबलन के लिए शीत रूपित उच्च सामर्थ्य इस्पात की विकृत सरियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
15	—वही—	—वही—	—वही—	गढ़ी वस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट ब्लूम, स्लैब और सरिये	IS : 1875-1978 गढ़ी वस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट ब्लूम, स्लैब और सरियो की विशिष्टि (चौथा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
16	—वही—	वही—	—वही—	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)	IS : 1977-1975 संरचना इस्पात (साधारण किस्म) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
17.	—वही—	वही—	—वही—	बॉयलरों के लिए इस्पात की प्लेटें	IS : 2002-1962 बॉयलरों के लिए इस्पात की प्लेटों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	50 पैसे
18	वही—	—वही—	वही—	संरचना इस्पात (संगलन वेल्डिंग किस्म)	IS : 2062-1969 संरचना इस्पात (संगलन वेल्डिंग किस्म) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
19	वही—	—वही—	—वही—	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम और स्लैब	IS . 2830-1975 संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनर्बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की बिलेट, ब्लूम, और स्लैब की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
20.	—वही—	—वही—	—वही—	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट, ब्लूम और स्लैब	IS : 2831-1975 संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनर्बेल्लन के के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट ब्लूम और स्लैब की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
21.	—वही—	—वही—	—वही—	इस्पात की चैकर नमूने की प्लेट	IS 3502-1966 इस्पात की चैकर नमूने की प्लेटों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	50 पैसे
22	वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)	भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दि० 1978-08-12	एस०ओ० 2318 दि० 1978-07-27	शीत गढ़ाई और फ्लैंज बनाने की प्रक्रिया के लिए गर्म बेल्लित इस्पात प्लेटें और फ्लैट	IS : 5986-1970 शीत गढ़ाई और फ्लैंज बनाने की प्रक्रिया के लिए गर्म बेल्लित इस्पात की प्लेटें और फ्लैटों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	50 पैसे

1	2	3	'	5	6	7	8
23. नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय	भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड 2 दिनांक 1978-03-11	एस०ओ० 722 दिनांक 1978-02-21	चमकदार छड़ों के उत्पादन के लिए गर्म वेल्लित छड़ें	IS : 7283-1974 चमकदार छड़ों के उत्पादन के लिए गर्म वेल्लित छड़ों की विशिष्टि		एक मीटरी टन	50 पैसे

[सं० सीएमडी०/13 : 10]

New Delhi, 1982-03-16

S.O. 1344.—In partial modification of the notifications, details of which are given in Cols. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby, notified that the marking fees pertaining to various products referred to in Cols. 5 and 6 have been revised as mentioned in Cols. 7 and 8 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from 1982-01-01.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of Ministry	Reference to Govt. of India Gazette No.	Reference to Notification No.	Product	IS : No. & Title of the Specification	Unit	Marking Fee per unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies)	Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1980-09-20	S.O. 2446 dated 1980-08-28	Structural steel (standard quality)	IS : 226—1975 Specification for structural steel (standard quality) (fifth revision)	One Tonne	50 Paise
2.	-do-	-do-	-do-	Galvanised steel sheets (plain and corrugated)	IS : 277—1977 Specification for galvanised steel sheets (plain and corrugated) (third revision).	One Tonne	50 Paise
3.	-do-	-do-	-do-	Galvanized steel wire for telegraph and telephone purposes.	IS : 279—1972 Specification for galvanized steel wire and for telegraph and telephone purposes (second revision).	One Tonne	50 Paise
4.	-do-	-do-	-do-	Mild steel wire for general engineering purposes.	IS : 280—1978 Specification for mild steel wire for general engineering purposes (third revision).	One Tonne	50 Paise
5.	-do-	-do-	-do-	Mild steel and medium tensile steel bars and hard-drawn steel wire for concrete reinforcement.	IS : 432(Parts I & II)—1966 Specification for mild steel and medium tensile steel bars and hard-drawn steel wire for concrete reinforcement Part I : Mild steel and medium tensile steel bars (second revision). Part II: Hard drawn steel wire (second revision).	One Tonne	50 Paise
6.	-do-	-do-	-do-	Cold rolled carbon steel sheets.	IS : 513—1973 Specification for cold rolled carbon steel sheets (second revision).	One Tonne	50 Paise
7.	-do-	-do-	-do-	Non-oriented electrical steel sheets for magnetic circuits	IS : 648—1970 Specification for non-oriented electrical steel sheets for magnetic circuits (second revision).	One Tonne	50 Paise
8.	-do-	-do-	-do-	Structural steel (high tensile).	IS : 961—1975 Specification for structural steel (high tensile) (second revision).	One Tonne	50 Paise
9.	-do-	-do-	-do-	Hot rolled steel strips (bailing)	IS : 1029—1970 Specification for hot rolled steel strips (bailing) (first revision).	One Tonne	50 Paise

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
10.	Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies)	Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1980-08-20	S.O. 2446 dated 1980-08-28	Hot rolled carbon steel sheet and strip	IS : 1079—1973 Specification for hot rolled carbon steel sheet and strip (third revision).	One Tonne	50 Paise
11.	-do-	-do-	-do-	Hot rolled mild steel, medium tensile steel and high yield strength steel deformed bars for concrete reinforcements.	IS : 1139—1966 Specification for hot rolled mild steel, medium tensile steel and high yield strength steel deformed bars for concrete reinforcements (revision).	One Tonne	50 Paise
12.	-do-	-do-	-do-	Hot rolled steel rivet bars (upto 40 mm diameter) for structural purposes	IS : 1148—1973 Specification for hot rolled steel rivet bars (upto 40 mm diameter) for structural purposes (second revision).	One Tonne	50 Paise
13.	-do-	-do-	-do-	High tensile steel rivet bars for structural purposes.	IS : 1149—1973 Specification for high tensile steel rivet bars for structural purposes (second revision).	One Tonne	50 Paise
14.	-do-	-do-	-do-	Cold-worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement.	IS : 1786—1979 Specification for cold-worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement (second revision).	One Tonne	50 Paise
15.	-do-	-do-	-do-	Carobn steel billets, blooms, slabs and bars for forging.	IS : 1875—1978 Specification for carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings (fourth revision).	One Tonne	50 Paise
16.	-do-	-do-	-do-	Structural steel (ordinary quality)	IS : 1977 -1975 Specification for structural steel (ordinary quality) (second revision).	One Tonne	50 Paise
17.	-do-	-do-	-do-	Steel plates for boilers	IS : 2002—1962 Specification for steel plates for boilers	One Tonne	50 Paise
18.	-do-	-do-	-do-	Structural steel (fusion welding quality)	IS : 2062 -1969 Specification for structural steel (fusion welding quality)(first revision).	One Tonne	50 Paise
19.	-do-	-do-	-do-	Carbon steel billets blooms and slabs for re-rolling into structural steel (standard quality)	IS : 2830—1975 Specifiaction for carbon steel billets blooms and slabs for re-rolling into structural steel (standard quality) (first revision)	One Tonne	50 Paise
	-do-	-do-	-do-	Carbon steel billets blooms and slabs for re-rolling into structural steel (ordinary quality)	IS : 2831 -1975 Specification for carbon steel billets blooms and slabs for re-rolling into structural steel (ordinary quality) (second revision)	One Tonne	50 Paise
21.	-do-	-do-	-do-	Steel chequered plates.	IS : 3502—1966 Specification for steel chequered plates	One Tonne	50 Paise

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
22.	Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation (Department of Civil Supplies & Co-operation)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-08-12	S.O. 2318 dated 1978-07-27	Hot-rolled steel plates and flats for cold-forming and flanging operations	IS : 5986—1970 Specification for hot-rolled steel plate and flats for cold-forming and flanging operations	One Tonne	50 Paise
23.	Ministry of Civil Supplies and Co-operation	Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1978-03-11	S.O. 722 dated 1978-02-21	Hot-rolled bars for production of bright bars	IS : 7283—1974 Specification for hot-rolled bars for production of bright bars	One Tonne	50 Paise

[No CMD/13: 10]

का० आ० 1345.—निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ 1 से 4 में जिन अधिसूचनाओं के ब्यौरे दिए गए हैं, उनके आंशिक संशोधन स्वरूप भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्तम्भ 5 और 6 में दिए गए विभिन्न उत्पादों से संबंधित मुहर लगाने का शुल्क स्तम्भ 7 और 8 के अनुसार पुनरीक्षित किया गया है। मुहर लगाने का पुनरीक्षित शुल्क दिनांक 1982-01-01 से लागू होगा।

अनुसूची

क्र० सं०	मंत्रालय का नाम	भारत के राजपत्र की संख्या का संदर्भ	अधिसूचना संख्या का संदर्भ	उत्पाद	विशिष्टि की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	वाणिज्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग)	भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1980-09-20	एस०ओ० 2443 दि० 1980-08-27	मैटल आर्क वैल्डिंग इलैक्ट्रोड कोलतार के लिए मृदु इस्पात	IS : 2879-1975 मैटल आर्क वैल्डिंग इलैक्ट्रोड कोलतार के लिए मृदु इस्पात की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
2	—वही	—वही—	—वही	फ्लैंज बनाने और दाब कार्य के लिए इस्पात	IS : 3747-1966 फ्लैंज बनाने और दाब कार्य के लिए इस्पात की विशिष्टि	एक मीटरी टन	500 पैसे
3.	—वही—	—वही—	—वही—	शीत बेल्लित इस्पात की पत्तियां (बक्सों पर जड़ने के लिए)	IS : 5872-1973 शीत बेल्लित इस्पात की पत्तियां (बक्सों पर जड़ने के लिए) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
4.	—वही	—वही—	—वही—	अल्प दाब गैस सिलिंडरों के उत्पादन के लिए गर्म बेल्लित इस्पात की प्लेट (6 मिमी तक) चद्दरें और पत्तियां	IS : 6240-1976 अल्प दाब गैस सिलिंडरों के उत्पादन के लिए गर्म बेल्लित इस्पात की प्लेटों (6 मिमी तक) चद्दरों और पत्तियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	50 पैसे
5.	वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विभाग)	भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), दिनांक 1978-10-21	एस०ओ० 3055 दि० 1978-09-29	वैल्ड योग्य संरचना इस्पात (मध्यम और उच्च सामर्थ्य किस्में)	IS : 8500-1977 वैल्ड योग्य संरचना इस्पात (मध्यम और उच्च सामर्थ्य किस्में) की विशिष्टि	एक मीटरी टन	50 पैसे

[सं० सी०एम०डी० 13/10]

ए० पी० बनर्जी, अपर महानिदेशक

S.O. 1345:—In supersession of the notifications, details of which are given in Col. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby, notified that the marking fees pertaining to various products referred to in Col. 5 and 6 have been revised as mentioned in Col. 7 and 8 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from 1982-01-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Name of Ministry	Reference to Govt. of India Gazette No.	Reference to Notification No.	Product	IS : No. & Title of the Specification	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	Ministry of Commerce & Civil Supplies (Deptt. of Civil Supplies)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1980-09-20	S.O. 2443 dated 1980-08-27	Mild steel for metal arc welding electrode core wire.	IS : 2879—1975 Specification for mild steel for metal arc welding electrode core wire (second revised)	One Tonne	50 Paise
2.	-do-	-do-	-do-	Steel for flanging and pressing.	IS : 3747—1966 Specification for steel for flanging and pressing	One Tonne	50 Paise
3.	-do-	-do-	-do-	Cold rolled steel strips (box strappings)	IS : 5872—1973 Specification for cold rolled steel strips (box strappings) (first revision).	One Tonne	50 Paise
4.	-do-	-do-	-do-	Hot-rolled steel plate (upto 6 mm) sheets and strips for the manufacture of low pressure gas cylinders	IS : 6240—1976 Specification for hot-rolled steel plate (upto 6 mm) sheets and strip for the manufacture of low pressure gas cylinders (first revision).	One Tonne	50 Paise
5.	Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Department of Civil Supplies & Co-operation).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-10-21	S.O. 3055 dated 1978-09-29	Weldable structural steel (medium and high strength qualities)	IS : 8500—1977 Specification for weldable structural steel (medium and high strength qualities)	One Tonne	50 Paise

[No. CMD/13 : 10]
A.P. BANERJI, Additional Director General

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1982

का॰आ॰ 1346.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का॰आ॰सं॰ 2760 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्-द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि॰ के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० तलोजातक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य महाराष्ट्र जिला . रायगढ़ तालुका . उरण

गांव	सर्वेक्षण नंम्बर	क्षेत्र	स्क्वे० मीटर्स
भेंडखल	रेल	—	118 00
	163	8	8.00
		4	20.00
		3	10.00
	166	5	10 00
		1	28.00
		2	26.00
	167	1	50.00
	168	7	20.00
		6	18 00
		1	48.00
	169	11	16.00
		10	8.00
		9	8.00
		1	36.00
	188	6	60.00
		5	16.00
		1	44.00
		2	04.00
		3	04.00
	187	16	10.00
		15	26.00
		14	2.00
		8	32.00
		13	14.00
		17	14.00
		7	34.00
		2	04.00
		1	36.00
		12	02.00
	184	3	48.00
	183	1	22.00
		2	20.00
		3	20.00
		4	14.00
		5	53.00
		6	02.00
	230	2	28.00
		3	24.00
		4	48.00
		1	2.00
	231	1	14.00
		2	04.00

[सं० 12016/41/81-प्रो० I]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZERS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 11th March, 1982

S.O. 1346.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2760 dated 10-10-81 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State—Maharashtra District—Raigad Taluka—Uran

Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
1	2	3	4
Bhendkhal	Railway	—	118.00
	163	8	8.00
		4	20.00
		3	10.00
	166	5	10.00
		1	28.00
		2	26.00
	167	1	50.00
	168	7	20.00
		6	18.00
		1	48.00
	169	11	16.00
		10	8.00
		9	8.00
		1	36.00
	188	6	60.00
		5	16.00
		1	44.00
		2	04.00
		3	04.00
	187	16	10.00
		15	26.00
		14	2.00
		8	32.00
		13	14.00
		17	14.00
		7	34.00
		2	04.00
		1	36.00
		12	02.00
	184	3	48.00
	183	1	22.00
		2	20.00
		3	20.00
		4	14.00
		5	53.00
		6	02.00

1	2	3	4
	230	2	28.00
		3	24.00
		4	48.00
		1	2.00
	231	1	14.00
		2	04.00

[No. 12016/41/81-Prod-I]

का०आ० 1347—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सं० 2791 तारीख 26-9-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

दक्षिण सथाल जी०जी०एस० से उत्तर कड़ी जी०जी०एस० I

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : मेहसाणा

गांव	ब्लाक नं०	हैक्टेयर	एआर ई	सेंटीयर
कसलपुरा	851	0	04	80
	852	0	05	40
	893	0	11	70
	859	0	00	45
	860	0	06	00
	892	0	05	40
	874	0	11	25

[सं० 12016/40/81-प्रो०]

S.O. 1347.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum S.O. 2791 dated 26-9-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, tht Central Government hereby declares that the rignt of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from South Santhal GGS to N. Kadi GGS I.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Kasalpura	851	0	04	80
	852	0	05	40
	893	0	11	70
	859	0	00	45
	860	0	06	00
	892	0	05	40
	874	0	11	25

[No. 12016/40/81-Prod.]

का०आ० 1348.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन०के०सी०आई० से जी०जी०एस० 1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि मे उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (II) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उनकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कूप नं० II के०सी०आई० से जी०जी०एस० I तक पाईपलाईन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : विरमगाम

गांव	सर्वे० नं०	हैक्टेयर	एआर ई	सेंटीयर
नेजानी	209/51	0	05	60
	209/47	0	06	30
	209/26	0	10	20
	209/20	0	05	00
	209/11	0	06	12

[सं० 12016/71/81-प्रो०-I]

S.O. 1348.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKCI to GGS I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From Well No. NKCI To GGS I

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Telavi	209/51	0	05	60
	209/47	0	06	30
	209/26	0	10	20
	209/20	0	05	00
	209/11	0	06	12

[No. 12016/71/-81-Prod. I]

का०आ० 1349—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित मे यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन० के०-II जैड से जी०जी० एस० कडी-1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची मे वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अत अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है,

बशर्ते कि उक्त भूमि मे हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनो के भीतर कर सकेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

कूप नं० एन०के० ए० जैड से जी०जी०एस० कडी I तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य—गुजरात	जिला—अहमदाबाद		तालुका—विरमगाम	
गाव	सर्वे नं०	हेक्टयर	एआरई	सेंटीआर
तेलावी	194/4	0	11	28
	194/6	0	02	40
	194/7	0	04	80
	209/1	0	13	20
	209/2	0	21	82
	209/11	0	17	48

[सं० 12016/71/81—प्रो०-II]

S.O. 1349.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKAZ to GGS KADI-I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From D.S. NKAZ to GGS KADI-I

State : Gujarat	District : Ahmedabad	Taluka : Viramgam		
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Telavi	194/4	0	11	28
	194//6	0	02	40
	194/7	0	04	80
	209/1	0	13	20
	209/2	0	21	82
	209/11	0	17	48

[No. 12016/71/81-Prod. II]

का०आ० 1350—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस०ई०पी से सोमासन जी० जी०एस० II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये,

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजनों के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची मे वर्णित भूमि मे उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है,

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

कूप नं० एस०ई०पी० से सोभासन जी०जी०एस०-II

राज्य—गुजरात तालुका व जिला—मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेंटीयर
कोचवा	181/2	0	17	28
	182	0	01	44
	182	0	12	70

[सं० 12016/72/81-प्रो० I]

S.O. 1350.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SEP to Sob GGS II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. SEP to SOB. G.G.S. II

State : Gujarat Taluka & District : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Kochva	181/2	0	17	28
	182	0	01	44
	182	0	12	70

[No. 12016/72/81-Prod. I]

का०आ० 1351.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस०ई०एम० से जी०जी०एस०-II सोभासन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ,

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

डी०एस० नं० एस०ई०एम० से सोभासन जी०जी०एस०.

राज्य—गुजरात तालुका व जिला—मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेंटीयर
जगुदन	464	0	05	00

[सं० 12016/72/81-प्रो०-II]

S.O. 1351.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroluem from SEM to GGS II Sob in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from D.S. No. SEM to SOB. G.G.S.

State : Gujarat Taluka & District : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Jagudan	464	0	05	00

[No. 12016/72/81-Prod.-II]

नई दिल्ली, 17 मार्च 1982

का०आ० 1352.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ०सं० 2953, तारीख 8-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि स अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

कूप नं० 54 (एस०इ०जे०) नं० 49 (एस० सी०जी०)

राज्य—गुजरात   जिला और तालुका—मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेंटीयर
जगुदण	859	0	79	80
	711	0	24	96
	710	0	07	00
	कार्ट ट्रेक	0	00	50
	708	0	01	00
	705	0	30	60
	703	0	12	60
	702	0	04	80
	कार्ट ट्रेक	0	00	50
	875	0	06	95
	कार्ट ट्रेक	0	00	50
	874	0	24	96
	कार्ट ट्रेक	0	00	50
	674	0	27	99
	कार्ट ट्रेक	0	01	00
	663	0	03	60

[सं० 12016/54/80-प्रो०-II]

New Delhi, the 17th March, 1982

S.O. 1352.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. No. 2953, dated 8-10-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of users in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. FOR WELL No 54(SEJ) To No. 49(SCG)

State : Gujarat   Distrct :Mehsana Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
JAGUDAN	859	0	79	80
	711	0	24	96
	710	0	07	00
	Cart track	0	00	50
	708	0	01	00
	705	0	30	60
	703	0	12	60
	702	0	04	80
	Cart tarck	0	00	50
	875	0	06	95
	Cart track	0	00	50
	874	0	24	96
	Cart track	0	00	50
	674	0	27	99
	Road	0	01	00
	663	0	03	60

[No. 12016/54/80-Prod.-II]

का०आ० 1353.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० 85 से एम० पी०एच० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है :

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

कूप नं० 85 से एम०पी० एच० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य—गुजरात   जिला—भरुच   तालुका—अंकलेश्वर

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेंटीयर
हजात	243	0	04	42
	260	0	13	65
	264	0	01	95
	265	0	14	17
	266	0	06	11

[सं० 12016/57/81-प्रो०-I]

S.O. 1353.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 85 to MPH in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. 85 to MPH

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
HAJAT	243	0	04	42
	260	0	13	65
	264	0	01	95
	265	0	14	17
	266	0	06	11

[No. 12016/57/81-Prod.-II]

का०आ०1354.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में अंकलेश्वर से बड़ोदरा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्‌पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अत: अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्‌द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

अंकलेश्वर से बड़ोदरा

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—भरूच

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेंटीयर
भोलाव	25/8	0	00	68
	25/7	0	10	24
	22/पी	0	14	70
	27	0	05	00
	81	0	06	33
	69/ए	0	18	00

[सं० 12016/57/81-प्रो०-II]

S.O. 1354.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Ankleshwar to Vadodara in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Ankleshwar to Vadodara

State : Gujarat District : & Taluka : Bharuch

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Bholav	25/8	0	00	68
	25/7	0	10	24
	22/P	0	14	70
	27	0	05	00
	81	0	06	33
	69/A	0	18	00

[No. 12016/57/81-Prod.-II]

का०आ०1355.—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० 2788, तारीख 26-9-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

विराज ओ०जी०एस० से दक्षिण कड़ी सी०टी०एफ० तक

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कड़ी

गांव मेह	सर्वे नं०	हेक्टर	आर	सेंटीयर
1	2	3	4	5
कड़ी	1005	0	06	15
	1004/1	0	04	80
	1003	0	04	50
	1002	0	06	15
	1001	0	03	75
	1000	0	05	25
	999/2	0	08	40
	कार्ट ट्रैक	0	01	20
	1024	0	00	75
	1025	0	06	15
	1026	0	04	05
	1035	0	08	10
	1034/2	0	02	25
	1034/1	0	01	85
	1033/2	0	00	10
	1033/1	0	04	40
	1032	0	05	70
	1059/2	0	03	75
	1059/3	0	03	75
	1059/4	0	04	50
	1053/6	0	07	50
	1053/2	0	04	05
	1053/1	0	03	90
	कार्ट ट्रैक	0	01	05
	1124/1	0	07	65
	1123	0	06	45
	1379	0	06	90
	1381	0	06	75
	1382	0	08	00
	1383	0	15	15
	कार्ट ट्रैक	0	01	50
	1387	0	09	30
	1388/3	0	07	50
	1388/2	0	07	50
	1388/1	0	03	00
	1340	0	04	50
	1339	0	21	00
	1336	0	05	40
	1335	0	04	95
	1334	0	05	25
	1333	0	05	40
कड़ी—जारी	1390/2	0	05	76
	1625	0	07	20
	1626	0	08	90
	कार्ट ट्रैक	0	00	25
	1635/2	0	16	20
	1633/1	0	00	15
	1636/पी	0	11	65
	1636 पी	0	07	65
	कार्ट ट्रैक	0	00	90
	1831/4	0	11	25
	1834	0	05	70
	कार्ट ट्रैक	0	00	90
	1836	0	11	25
	1838	0	14	25
	1852	0	15	00

[12016/29/81-प्रो०]

S.O. 1355.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Peroleum) S.O. 2788 dated 26-9-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in tne lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Govrnment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from GGS Viraj To South Kadi C.T.F.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Kadi	1005	0	06	15
	1004/1	0	04	80
	1003	0	04	50
	1002	0	06	15
	1001	0	03	75
	1000	0	05	25
	999/2	0	08	40
	Cart track	0	01	20
	1024	0	00	75
	1025	0	06	15
	1026	0	04	05
	1035	0	08	10
	1034/2	0	02	25
	1034/1	0	01	85
	1033/2	0	00	10

1	2	3	4	5
	1033/1	0	04	40
	1032	0	05	70
	1059/2	0	03	75
	1059/3	0	03	75
	1059/4	0	04	50
	1053/61	0	07	50
	1053/2	0	04	05
	1053/1	0	03	90
	Cart track	0	01	05
	1124/1	0	07	65
	1123	0	06	45
	1379	0	06	90
	1381	0	06	75
	1382	0	06	00
	1383	0	15	15
	Cart track	0	01	50
	1387	0	09	30
	1388/3	0	07	50
	1388/2	0	07	50
	1388/1	0	03	00
	1340	0	04	50
	1339	0	21	00
	1336	0	05	40
	1335	0	04	95
	1334	0	05	25
	1333	0	05	40
	1390/2	0	05	76
	1625	0	07	20
	1626	0	08	90
	Cart track	0	00	25
	1635/2	0	16	20
	1633/1	0	00	15
	1636/P	0	11	65
	1636/P	0	07	65
	Cart track	0	00	90
	1831/4	0	11	25
	1834	0	05	80
	Cart track	0	00	90
	1836	0	11	25
	1838	0	14	25
	1852	0	15	00

[No. 12016/20/81-Prod.]

का०आ० 1356.—यतः पट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ०सं० 3250 तारीख 3-11-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः समक्ष प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

डी०एस० नं० एस० एन०के० से एस० एन० एन०

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआर ई	सेंटीयर
कसलपुरा	645/2	0	06	96
	645/1	0	06	00

[सं० 12016/36/81—प्रो० I]

S.O. 1356.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 3250 dated 5-11-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline ROU From D.S. No. SNK To SNN

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No	Hectare	Are	Centiare
Kasalpura	645/2	0	06	96
	645/1	0	06	00

[No. 12016/36/81-Prod.-I]

का०आ० 1357.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० 3251 तारीख 5-11-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः समक्ष प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

डी०एस० नं० एस० एन०ए० सी० से जी०जी०एस० कम सी०टी०एफ० दक्षिण संथाल

राज्य—गुजरात जिला. तालुका मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआर	आई सेंटीयर
कसलपुरा	484	0	04	56
	484	0	04	16
	490/2	0	01	00
	490/1	0	04	08
	491	0	03	72
	कार्ट ट्रैक	0	03	84
	526	0	03	72
	कार्ट ट्रैक	0	02	40
	527	0	14	00
	528/1	0	02	40
	538/2	0	12	96
	538/1	0	03	84
	542	0	10	82
	543	0	08	00
	556	0	02	40

[सं० 12016/36/81-प्रो०-II]

S.O. 1357.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 3251 dated 5-11-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appened to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by the sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Govrnment hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline ROU From D.S. NO. SNAC to GGS Cum C.T.F South Santhal

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Kasulpura—	484	0	04	56
	489	0	04	16
	490/2	0	01	00
	490/1	0	04	08
	491	0	03	72
	Cart track	0	03	84
	526	0	03	72
	Cart track	0	02	40
	527	0	14	00
	528/1	0	02,	40
	538/2	0	12	96
	538/1	0	03	84
	542	0	10	82
	543	0	08	00
	556	0	02	40

[No. 12016/36/81-Prod.-II]

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1982

का० आ० 1358.--पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) के खण्ड-2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार नीचे दी गई अनुसूची के कालम (1) में वर्णित प्राधिकारी को उपरोक्त नियम के अन्तर्गत उपरोक्त अनुसूची के कालम-2 में दर्ज की गई प्रविष्टियों में वर्णित क्षेत्र के लिए सक्षम प्राधिकारी का कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है ।

अनुसूची

प्राधिकारी तथा उसका पता	क्षेत्र
भूमि अधिग्रहण अधिकारी, बम्बई पुने पाइप लाइन प्रोजेक्ट, फ्यूल्स रिफायनरी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लि०, कोरीडर रोड, माहुल, बम्बई-400079.	महाराष्ट्र

[सं० 12017/1/82--प्रो०]

New Delhi, the 23rd March, 1982

S. O. 1358.—In persuance of Clause (a) of Section 2 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby authorises the authority mentioned in Column 1 of the schedule below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act within the areas mentioned in the corresponding entry in Column 2 of the said schedule.

SCHEDULE

Authority and address	Areas
The Land Acquisition Officer Bombay Pune Pipeline Project Fuels Refinery Hindustan Petroleum Corporation Limited Corrider Road, Mahul Bombay-400074.	Maharashtra

[No. 12017/1/82-Prod.]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1982

का० आ० 1359:—पेट्रोलियम एवं खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) के अंतर्गत, भारत सरकार, पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) द्वारा अधिसूचना का० आ० सं० 2389 दिनांक 12-9-1981 की संलग्न अनुसूची में भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 12-9-1981 से पृष्ठसंख्या 3068, पर प्रकाशित गांव आवास, तालुका–अलिबाग जिला-रायगढ़ के लिए।

पढ़ें		के स्थान पर	
सर्वेक्षण नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर एआरई सेंटेयर	सर्वेक्षण नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर एआरई सेंटेयर
312 पी टी	0-25-5	321 पी टी	0.25.5

[सं० 12016/32/81-प्रो०]

CORRIGENDA

New Delhi the 24th March, 1982

S.O. 1359.—In the schedule (in English version) appended to the notification of Government of India, Ministry of Petroleum, Chemials and Fertilizers (Department of Petroleum) S.No. 12016/32/81-Prod. II, dated 25/8/81 issued under section 3(i) of the Petroleum and Mineral Pipelines (ARUL) Act 1962 (50 of 1962) published under S.O. No. 2389, dated 12/9/1981 at page 3068 of the Gazette of India, Part II section 3, sub-section (ii) for village Awas, Taluka Alibag, District Raigad.

READ			FOR		
S.No.	H.No.	Area Hec.Are.Cent.	S.No.	H.No.	Area Hec.Are.Cent.
312	Pt.	0.25.5	321	Pt.	0.25.5

[No. 12016/32/81-Prod]

का० आ० 1360.—पेट्रोलियम एवं खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) के अंतर्गत भारत सरकार, पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) द्वारा अधिसूचिना का० आ० सं० 2395 दिनांक 12-9-1981 की संलग्न अनुसूची में भारत के राजपत्र के भाग (II) खण्ड 3, उपखण्ड (II) दिनांक 12-9-1981 में पृष्ठ संख्या 3072 से 3074 पर प्रकाशित गांव-ढोकवडे, तालुका-अलिबाग, जिला-रायगढ़ के लिए।

पढ़ें		के स्थान पर	
सर्वेक्षण नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर एआरई सेंटेयर	सर्वेक्षण नंबर	क्षेत्र हेक्टेयर एआरई सेंटेयर
218ए (11) 0पीटी	0-01-0	218ए (19) 0 पी टी	0-01-0

[सं० 12016/33/81—प्रो०]

S.O. 1360.—In the schedule appended to the notification of Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizers (Department of Petroleum) No. 12016/33/81, Prod-II, dated 26/8/81 issued under section 3(1) of the Petroleum and Minerals Pipelines (ARUL) Act, 1962 (50 of 1962) published under S.O. No. 235, dated 12/9/1981 at page 3072 to 3074 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section *(ii)* for village Dhokawade, Taluka Alibag, District: Raigad.

READ			FOR		
S.No.	H.No.	Area Hect-Are-Cent.	S.No.	H.No.	Area Hec-Are-Cent
218A(11)0Pt		0-01.0	218A(19) O Pt		0-01.0

[No. 12016/33/81-Prod]

का० आ० 1361.—पेट्रोलियम एवं खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के अंतर्गत भारत सरकार पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) द्वारा अधिसूचना का० आ० सं० 2464 दिनांक 19-9-1981 की संलग्न अनुसूची में भारत के राजपत्र के भाग (II) खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 19-9-1981 में पृष्ट संख्या 3118 से 3119 पर प्रकाशित गांव-आगरसुरे, तालुका,-अलिबाग जिला-रायगढ़ के लिए।

पढ़ें			के स्थान पर		
सर्वेक्षण नंबर		क्षेत्र हेक्टेयर एआरई सेंटेयर	सर्वेक्षण नंबर		क्षेत्र हेक्टेयर एआरई सेंटेयर
109	2 पीटी	0-01-0	109	6 पी टी	0-01-0

[सं० 12016/34/81—प्रो०]

टी० एन० परमेशवरन, अवर सचिव

S.O. 1361.—In the schedule appended to the notification of Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) No. 12016/34/81, Prod-II, dated 26/8/81 issued under section 3(1) of the Petroleum and Minerals Pipelines (ARUL) Act 1962 (50 of 1962) published under S.O. No. 2464, dated 19/9/1981 at page 3118 to 3119 of the Gazette of India, Part II-Section 3, sub section (ii) for village Agarsure Taluka : Alibag, District: Raigad.

READ			FOR		
S.No.	H.No.	Area Hec-Are-Cent	S.No.	H.No.	Area Hect-Are-Cent
109	2 Pt	0-01.0	109	6 Pt.	0-01.0

[No. 12016/34/81-Prod.]

T. N. PARMESWARAN, Under Secy

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

; दिल्ली, 17 मार्च, 1982

का० आ० 1362.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

अत:, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उसमें कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा, हाउस, रांची के कार्यालय में या उपायुक्त गिरिडीह (बिहार) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, सैंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा हाऊस, रांची को भेजेंगे।

अनुसूची

माकोली ब्लाक 1 और 2

पूर्वी बोकारो कोयला क्षेत्र

जिला गिरिडीह (बिहार)

ड्राइंग सं० राजस्व/97/81
तारीख 26-11-81
(जिसमें सर्वेक्षण करने के लिए अधिसूचित की जाने वाली भूमि दर्शित की गई है)

ब्लाक - I

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	माकोली	नवाडीह (बरेमो)	69	गिरिडीह	270.00	भाग

कुल क्षेत्र 270.00 एकड़ (लगभग)
या 109.26 हैक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन:--

क-ख रेखा माकोली ग्राम से होकर जाती है (जो नई चुनी गई धोरी कोयला खान की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग रेखा दामोदर नदी के भागतः बाएं किनारे के साथ-साथ जाती है (जो नई चुनी गई धोरी कोयला खान की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ-ङ- रेखाएं माकोली ग्राम से होकर जाती है (जो नई चुनी गई धोरी कोयला खान की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

ब्लाक II

क्रमसं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	माकोली	नवाडीह (बेरमो)	69	गिरिडीह	85.00	भाग

कुल क्षेत्र 85.00 एकड़ (लगभग)
या 34.40 हैक्टर (लगभग)

च-छ रेखा माकोली ग्राम से होकर जाती है (जो नई चुनी गई धोरी कोयला खान की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "छ" पर मिलती है।

[सं० 19/19/82-सी० एल०]
स्वर्ण सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 17th March, 1982

S.O. 1362.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearings Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein:

The plan of the area covered by this notification can be inpsected at the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section) Darbhanga House, Ranchi, or at the Office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar), or at the Office of the Coal Controller, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this Notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, within 90 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Makoli Block I & II

East Bokaro Coalfield

Dist. Giridih (Bihar)

Drg. No. Rev/97/81
Dated 26-11-81

Block-I

(Showing lands to be notified for prospecting)

Serial Number	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Makoli	Nawadih (Bermo)	69	Giridih	270.00	part

Total Area : 270.00 acres (approximately)
or
109.26 hectares (approximately)

Boundary Description :—

A——B line passes through village Makoli (which forms part common boundary of New selected Dhori Colliery) and meets at point 'B'.

B——C line passes along the part left bank of River Damodar (which forms part common boundary of New selected Dhori Colliery) and meets at point 'C'.

C—D—E—A

lines passes through village Makoli (which forms part common boundary of New Selected Dhori Colliery) and meets at starting point 'A'.

Block-II

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1		2	3	4	5	6
1.	Makoli	Nawadih Bermo)	69	Giridih	85	part

Total Area : 85.00 acres (approximately)
or
34.40 hectares (approximately)

F——G line passes through village Makoli (which forms part common boundary of New Selected Dhori Colliery) and meets a point G.

G——H line passes through village Makoli (which forms part common boundary of Selected Dhori Colliery) and meets at point 'H'.

H—I—J—F lines passes through village Makoli (which forms part common boundary of Gunjardhih Block acquired u/s 9(1) of the Coal Act) and meets at starting point 'F'.

[No. 19/19/82-CL]
SWARAN SINGH, Under Secy.

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1982

का०आ० 1363.—राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके स्टाफ ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

(1) सहायक अधीक्षण,
पुरातत्व रसायनज्ञ,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
उत्तर क्षेत्र,
आगरा-1

(2) अधीक्षण पुरातत्वविद,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र,
औरंगाबाद—431004.

(3) सहायक अधीक्षण,
पुरातत्वरसायनज्ञ,
क्षेत्र प्रयोगशाला,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
अजन्ता गुफाएं,
महाराष्ट्र।

(4) सहायक अधीक्षण,
पुरातत्व रसायनज्ञ,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
बीबी का मकबरा
पश्चिमी क्षेत्र (दक्षिण)
औरंगाबाद।

[सं० एफ० 28-2/82—सामान्य]
गिरधारी लाल, निदेशक

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

(Department of Culture)

New Delhi, the 16th March, 1982

S.O. 1363.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Archaeological Survey of India, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi:—

(1) Assistant Superintending,
Archaeological Chemist,
Archaeological Survey of India,
Northern Zone,
Agra-1.

(2) Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
South Western Circle,
Aurangabad-431004.

(3) Assistant Superintending,
Archaeological Chemist,
Field Laboratory,
Archaeological Survey of India,
Ajanta Caves,
Maharashtra.

(4) Assistant Superintending,
Archaeological Chemist,
Archaeological Survey of India,
Bibi-ka-Makbara, Western Circle (South),
Aurangabad.

[No. F. 28-2|82-Genl.]
GIRDHARI LAL, Director.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1982

का०आ० 1364.—दीपघर अधिनियम, 1927 (1927 का सं० 17) की धारा 4 की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा राज्य सभा के सदस्य श्री बी० सी० पटनायक और लोक सभा के सदस्य श्री एम० एच० गावित को दीपघरों के लिए केन्द्रीय सलाहकार समिति के सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (नौवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० का०आ० 1868 दिनांक 17-6-1981 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, मद 13 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ दी जाएं:—

"14. श्री बी०सी० पटनायक, सदस्य राज्य सभा

15. श्री एम०एच० गावित, सदस्य लोक सभा"।

[फा० सं० एस० डब्ल्यू०/एल एल ई/6/80]
विश्वनाथ शर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 22nd March, 1982

S.O. 1364.—In pursuance of sub-sectino (1) of section 4 of the Lighthouse Act, 1927 (No. 17 of 1927), the Central Government hereby appoints Shri B. C. Pattanayak, Member of Rajya Sabha, and Shri M. H. Gavit, Member of Lok Sabha, as Members of the Central Advisory Committee for Lighthouses and makes the following amendments in the notification of the Govt. of India, Ministry of Shipping & Transport (Shipping Wing) No. S.O. 1868 dated 17th June 1981, namely :

In the said notification, the following entries may be added after item 13 :—

"14. Shri B. C. Pattanayak, Member, Rajya Sabha,
15. Shri M. H. Gavit, Member, Lok Sabha."

[F. No. SW|LLE-6|80]
V. N. SHARMA, Under Secy.

संस्कृति विभाग

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 20 मार्च 1982

(पुरातत्व)

का०आ० 1365.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व के हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है। केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो माह की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारकों में हितबद्ध किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी ।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किये जाने वाले सर्वेक्षण प्लाट सं०
1	2	3	4	5	6
उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	हसनपुर	आजमपुर	नीचे दिए गए स्थल रेखांक में वर्णित सर्वेक्षण प्लाट सं० 930 और प्लाट सं० 929, 931 और 932 के भाग के क्षेत्र तालिब खान का मकबरा	सर्वेक्षण प्लाट सं० 930 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 929, 931 और 932 के भाग

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
7	8	9	10
1.18 हैक्टर	उत्तर . सर्वेक्षण सं० 929, 932 के शेष भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 933 (कच्ची सड़क) पूर्व . सर्वेक्षण प्लाट सं० 933 का भाग और कच्ची सड़क दक्षिण . सर्वेक्षण प्लाट सं० 929 और 931 के भाग पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं० 929 का भाग	प्राइवेट	धार्मिक उपयोग में नहीं है

आज़मपुर, जिला मुरादाबाद में स्थित तालिब खाँ के मकबरे का स्थल मानचित्र

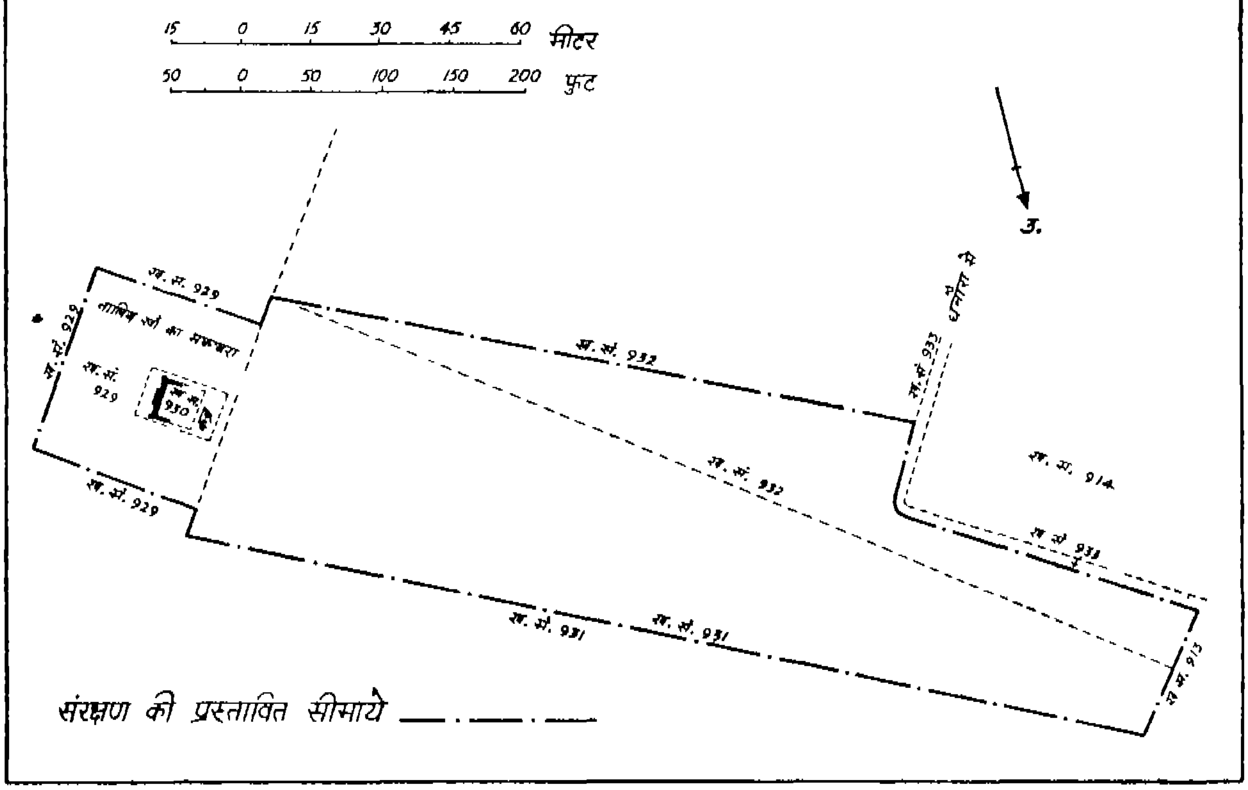

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए प्लाट सं०
1	2	3	4	5	6
उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	हसनपुर	आजमपुर	नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 914 के भाग में समाविष्ट पार्श्वस्थ क्षेत्र सहित अब्दुल गफूर शाह के पौत्र का मकबरा और एक मस्जिद	सर्वेक्षण प्लाट सं० 914 का भाग

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
7	8	9	10
1 4 हैक्टर	उत्तर सर्वेक्षण प्लाट सं० 914 का शेष भाग पूर्व सर्वेक्षण प्लाट सं० 914 का शेष भाग दक्षिण सर्वेक्षण प्लाट सं० 914 का शेष भाग पश्चिम . सर्वेक्षण प्लाट सं० 933 (कच्ची सड़क)	ग्राम पंचायत	धार्मिक उपयोग में है।

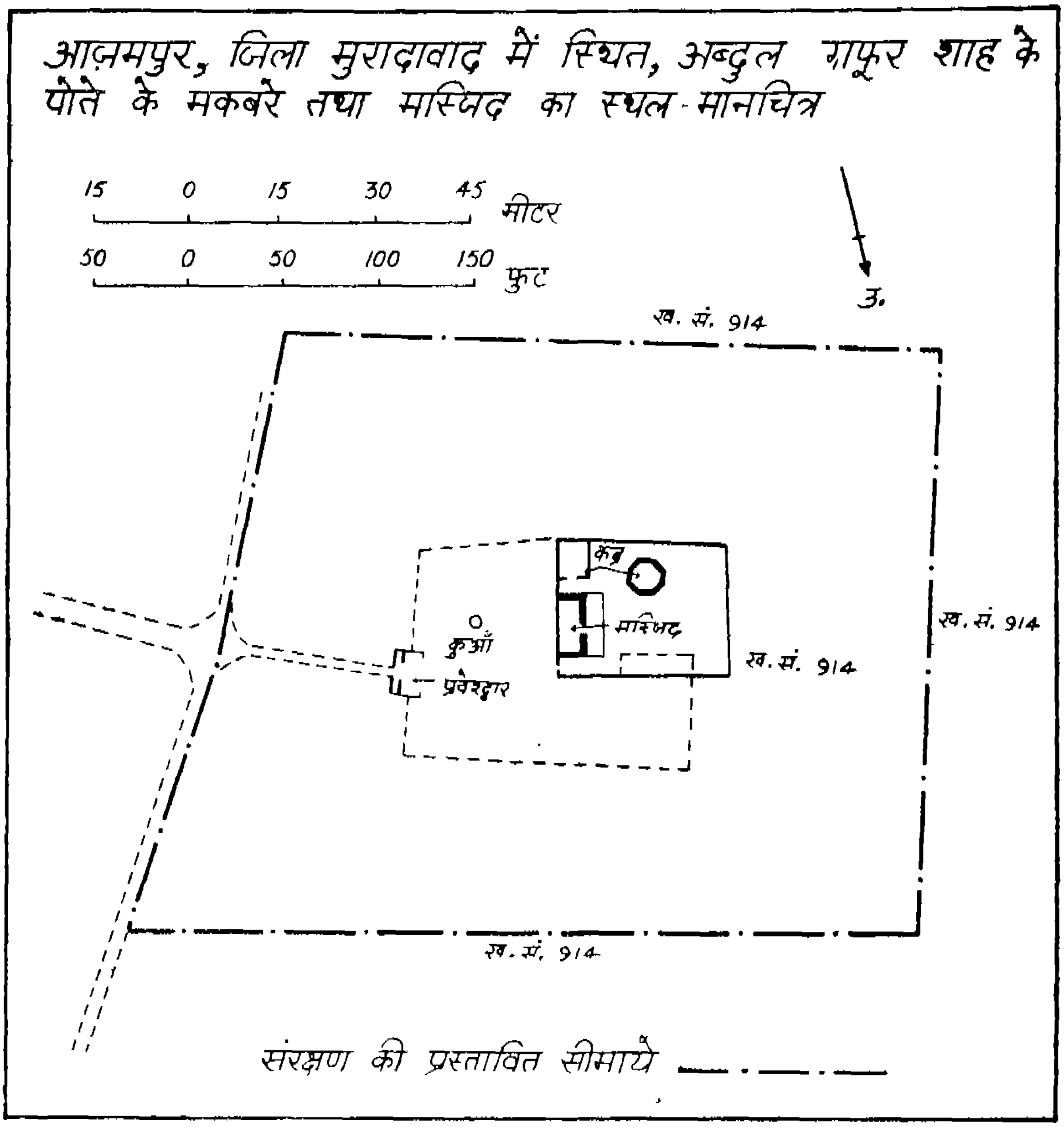

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लाट सं०
1	2	3	4	5	6
उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	हसनपुर	आजमपुर	नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 930 और प्लाट सं० 929, 931 तथा 932 के भाग के क्षेत्र सहित अब्दुल गफूर शाह का मकबरा	नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 1195 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 1196 का भाग

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
7	8	9	10
0.112 हैक्टर	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं० 1196 का शेष भाग और मस्जिद पूर्व : सर्वेक्षण प्लाट सं० 1194 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 1196 का शेष भाग दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं० 1194 पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं० 1196 का शेष भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 1194	ग्राम पंचायत (जियारत)	धार्मिक उपयोग में नहीं है।

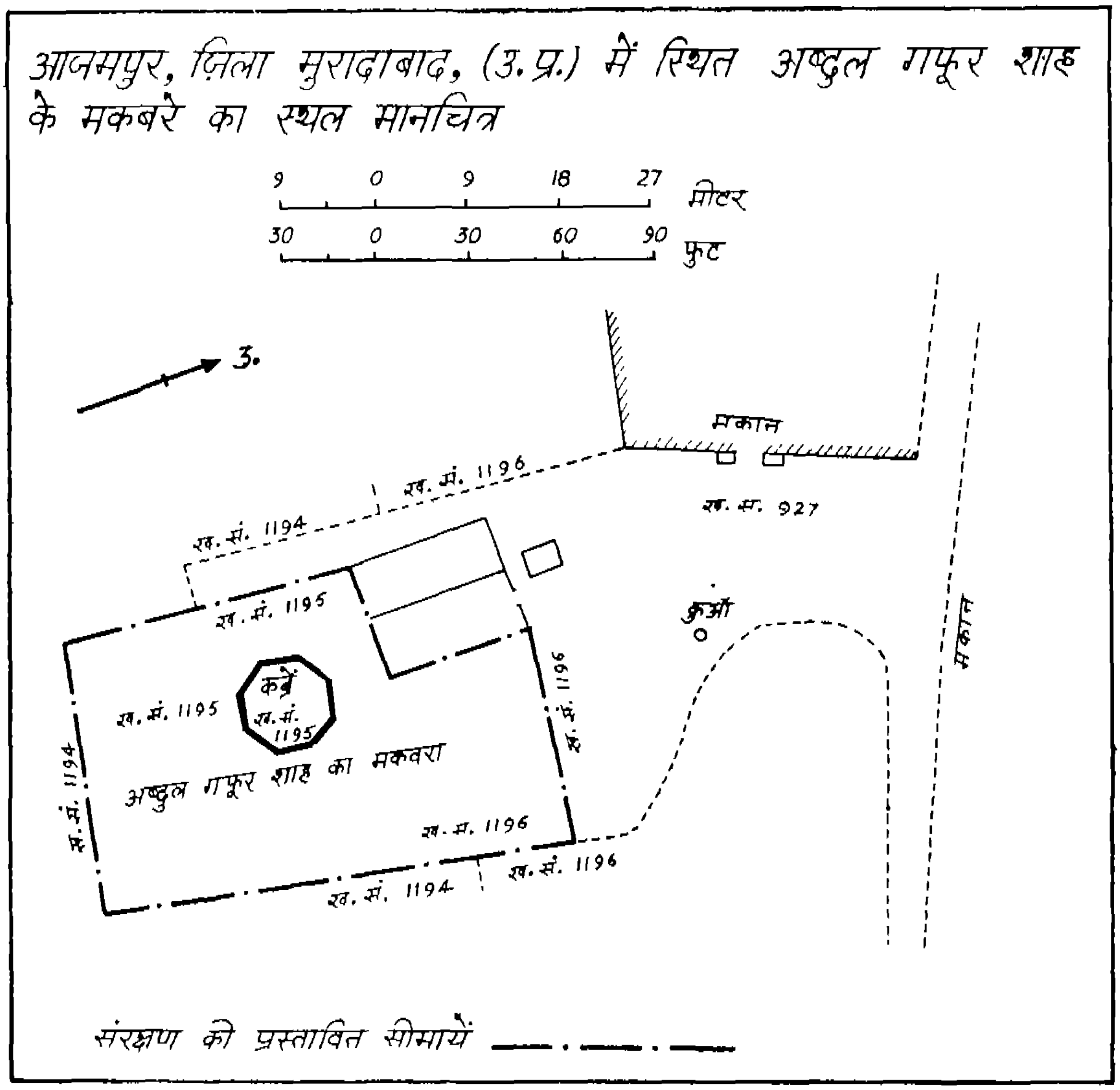

[सं० 2/2/75-स्मा०]

DEPARTMENT OF CULTURE

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 20th March, 1982

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 1365.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monuments specified in the Schedule annexed hereto are of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months notice of its intention to declare the said ancient monuments to be of national importance;

Any objection which may be received within a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, by any person interested in the said ancient monuments will be considered by the Central Government.

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5	6
1. Uttar Pradesh	Moradabad	Hasanpur	Azampur	Talib Khan's tomb together with the area in survey plot No. 930 and parts of survey plot Nos. 929, 931 and 932 as shown in the site plan reproduced below.	Survey plot No. 930 and parts of survey plot Nos. 929, 931 and 932.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
7	8	9	10
1/18 Hectares	North : Remaining portions of survey plot No.s 929, 932 and survey plot No. 933 (kacha road) : East : Portion of survey plot No. 933 and Kacha road. South : Portions of survey plot No. 929 and 931. West : Portion of survey plot No. 929	Private	Not in religious use

SITE PLAN OF TALIB KHAN'S TOMB, AZAMPUR, Distt. MORADA BAD

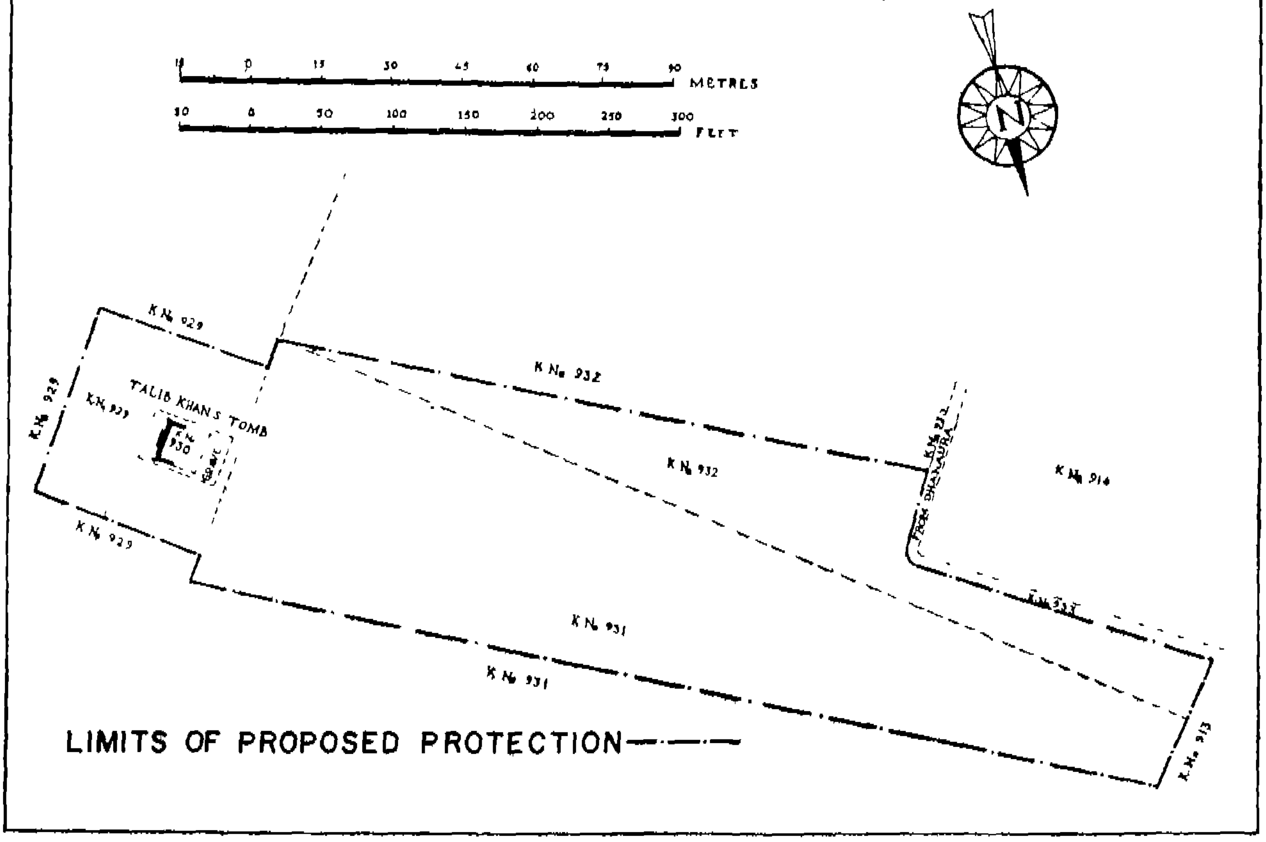

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. Uttar Pradesh	Moradabad	Hasanpur	Aazampur	Tomb of the grandson of Abdul Gafur Shah and a mosque together with adjoining area comprised in part of survey plot No. 914 as shown in the site plan reproduced below.	Part of survey plot No. 914.

7	8	9	10
1.4 Hectares.	North : Remaining portion of survey plot No. 914 East : Remaining portion of survey plot No. 914. South : Remaining portion of survey plot No. 914. West : Survey plot No. 933 (Kacha road)	Gram Panchayat	In religious use.

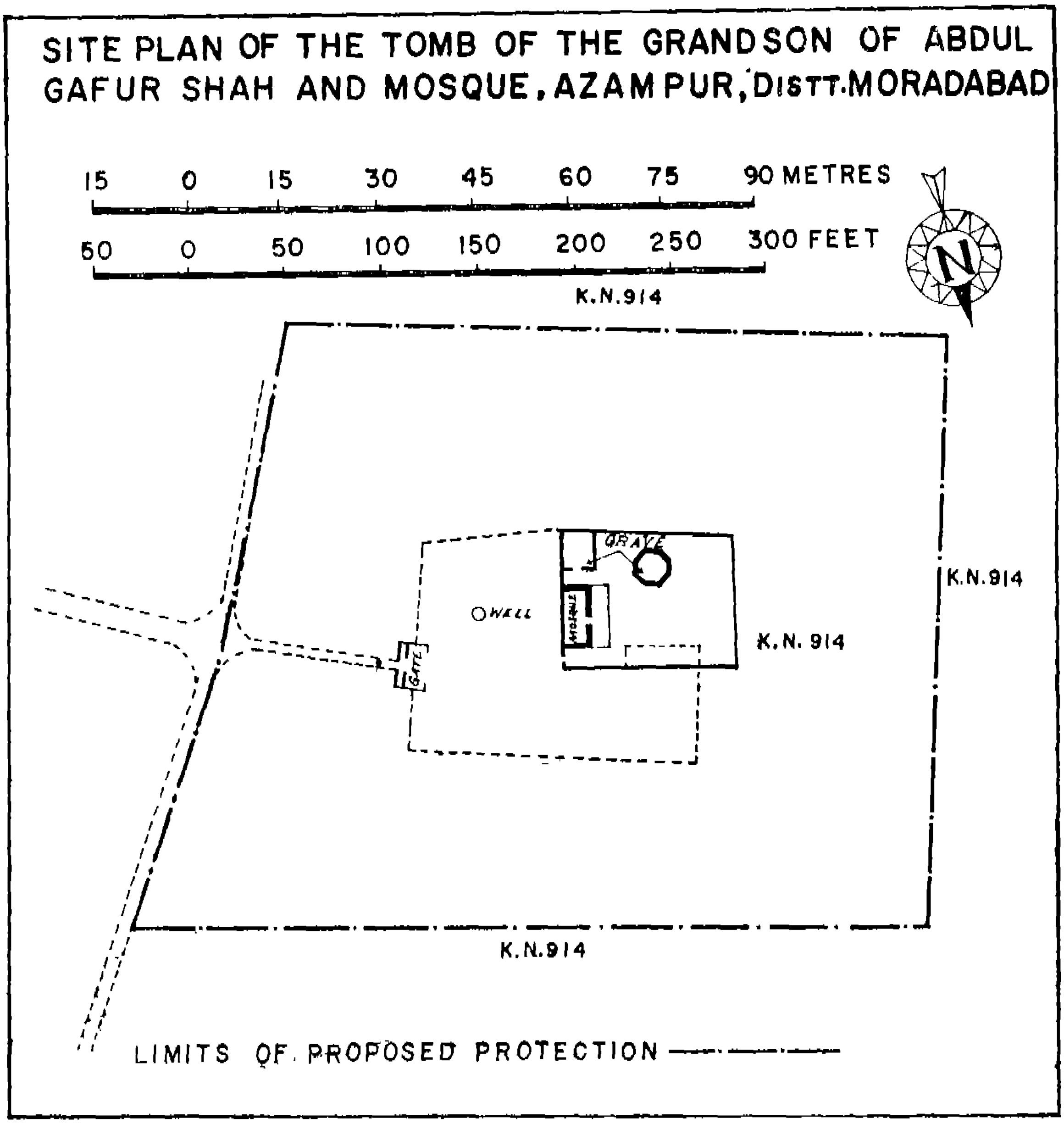

1	2	3	4	5	6
3. Uttar Pradesh	Moradabad	Hasanpur	Azampur	Tomb of Abdul Gafur Shah together with the area in survey plot No. 1195 and a part of survey plot No. 1196 as shown the site plan reproduced below.	Survey plot No. 1195 and part of survey plot No. 1196 as shown in the site plan reproduced be in produced below

Area 7	Boundaries 8	Ownership 9	Remarks 10
0.112 Hectares	North : Remaining portion of survey plot No. 1196 and mosque. mosque. East : Survey plot No. 1192 and remining portion of survey plot No No. 1196 South : Survey Plot No. 1194. West : Remainng portions of survey plot No. 1196 and survey plot No. 1194.	Gram Panchayat (is (Jiarat)	Not in religious

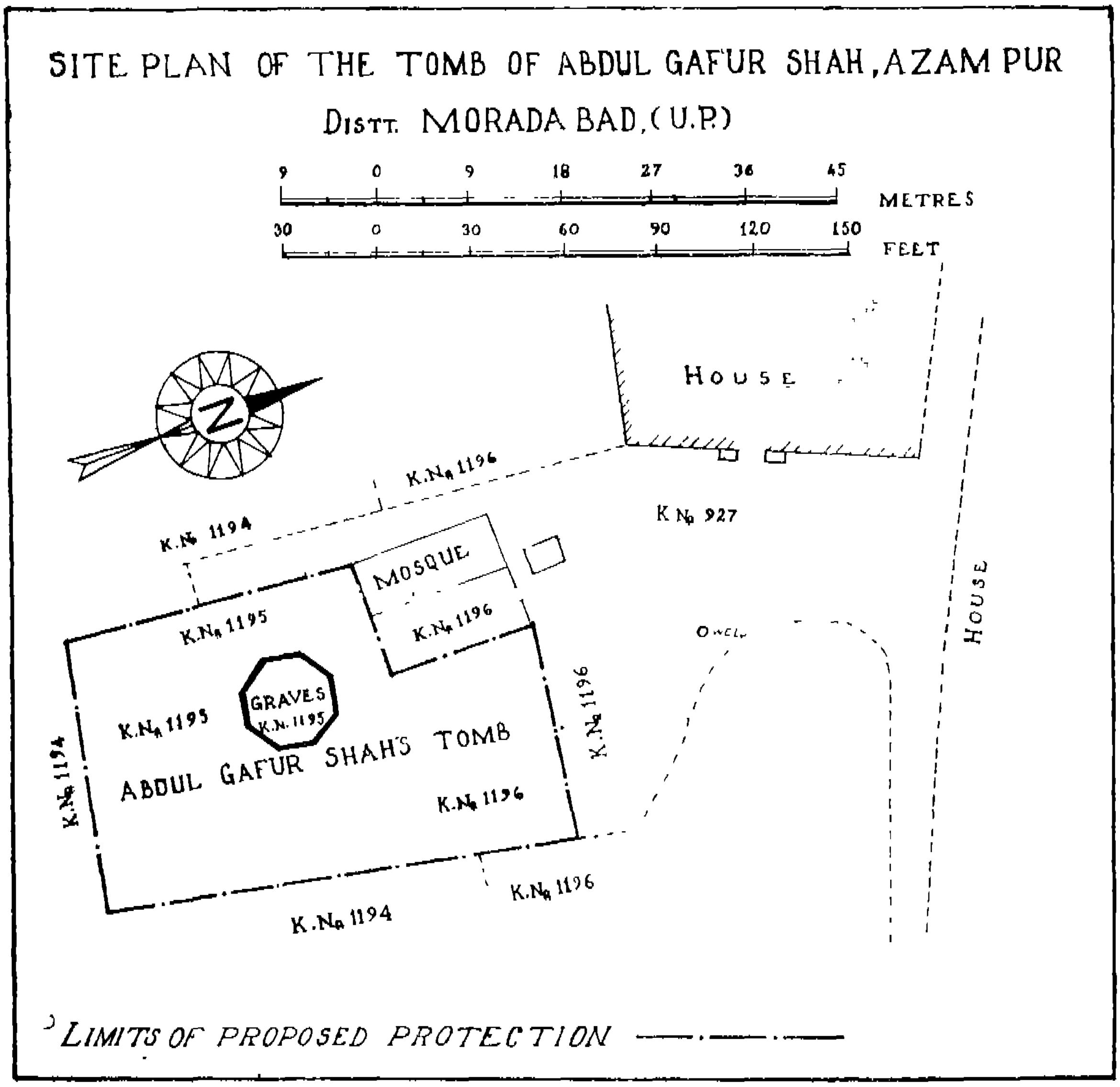

[No. 2/2/75-M]

(पुरातत्व)

का०आ० 1306.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची मे विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व के है ,

अतः केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्राचीन संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है ;

केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर, उक्त प्राचीन संस्मारकों में हितबद्ध किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी ।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लाट सं०
कर्नाटक	बेलारी	सिरुगुप्पा	निट्टुरु	सर्वेक्षण प्लाट सं० 79,81 और सर्वेक्षण प्लाट स० 80-ख तथा 82-क2 के भाग में अन्तर्विष्ट अशोक के शिला लेख तथा पार्श्वस्थ क्षेत्र जैसा कि पुन: प्रस्तुत स्थल योजना में दिखाया गया है।	सर्वेक्षण प्लाट स० 79,81 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 80-ख और 82-क2 के भाग जैसा कि पुन: प्रस्तुत स्थल योजना में दिखाया गया है ।

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
30.87 एकड़	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं० 82-क3 और सर्वेक्षण प्लाट स० 80-ख और 82-क2 के शेष भाग पूर्व · सर्वेक्षण प्लाट स० 184,166 और 168 दक्षिण सर्वेक्षण प्लाट सं० 169 और 76 पश्चिम . सर्वेक्षण प्लाट सं० 80-क,98-क2 और 77	सर्वेक्षण प्लाट सं० 81 सरकार के स्वामित्व मे है और शेष सर्वेक्षण प्लाट स० निजी स्वामित्व मे है ।	कुछ नहीं

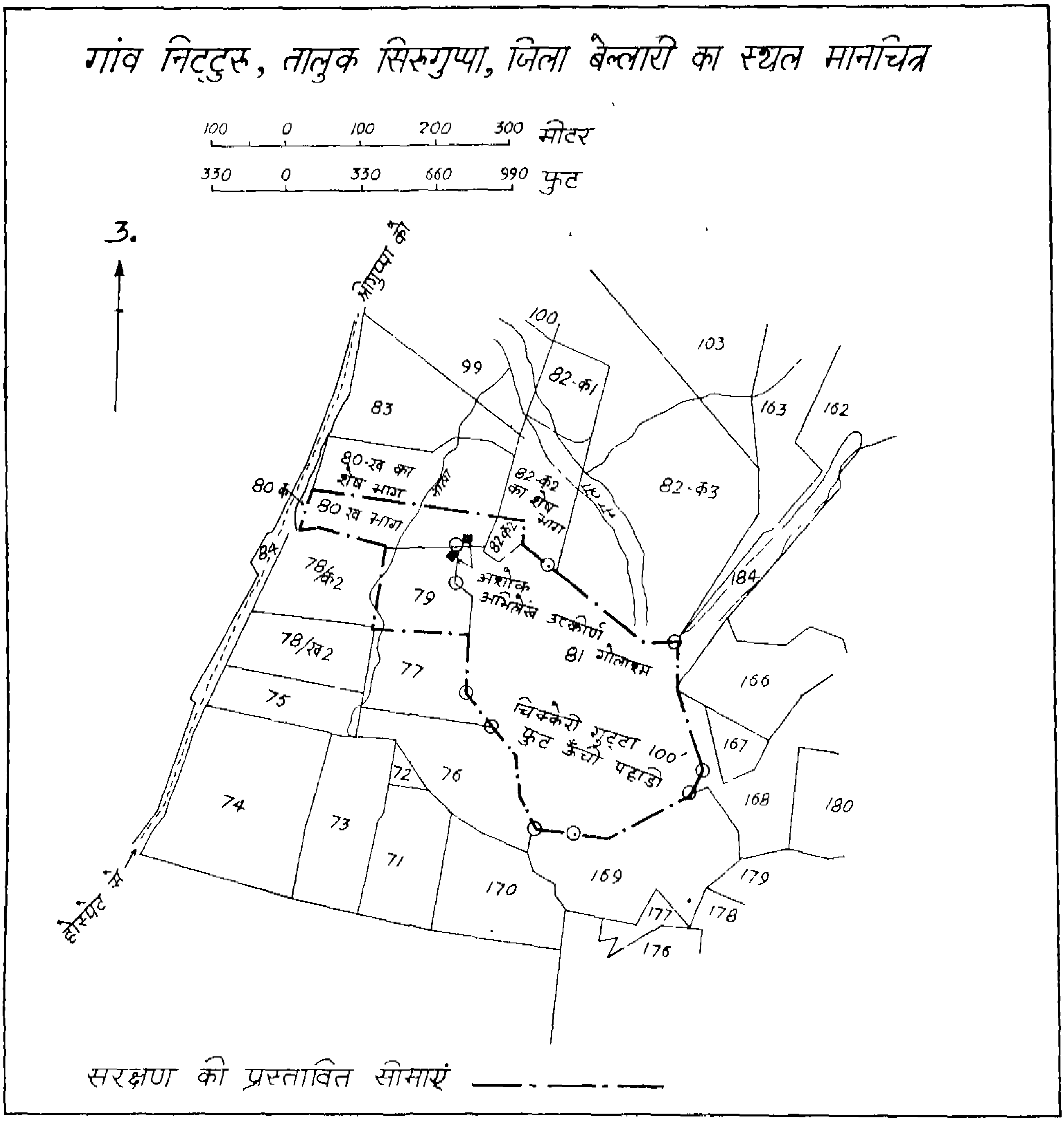

[सं० 2/2/75 स्मा०]

S.O. 1366.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of publication of this notification in the official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection
Karnataka	Bellary	Siruguppa	Nitturu	Ashokan Rock Edicts together with adjacent area comprised 79, 81 and parts of survey plot Nos. 80-B and 82-A2 as shown in reproduced below.	Survey plot Nos. 79, 81 and parts of survey plot Nos. 80-B and 82-A2 now as shown in the site-plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
30.87 Acreas	North : Survey plot No. 82-A3 and remaining portions of survey plot Nos. 80-B and 82-A2. East: Survey plot Nos. 184, 166 and 168. South : Survey plot Nos. 169 and 76. West : Survey plot Nos. 80-A 98-A2 and 77.	Survey plot No. 81 is Government owned and remaining survey plot Nos. are under private ownership.	Nil

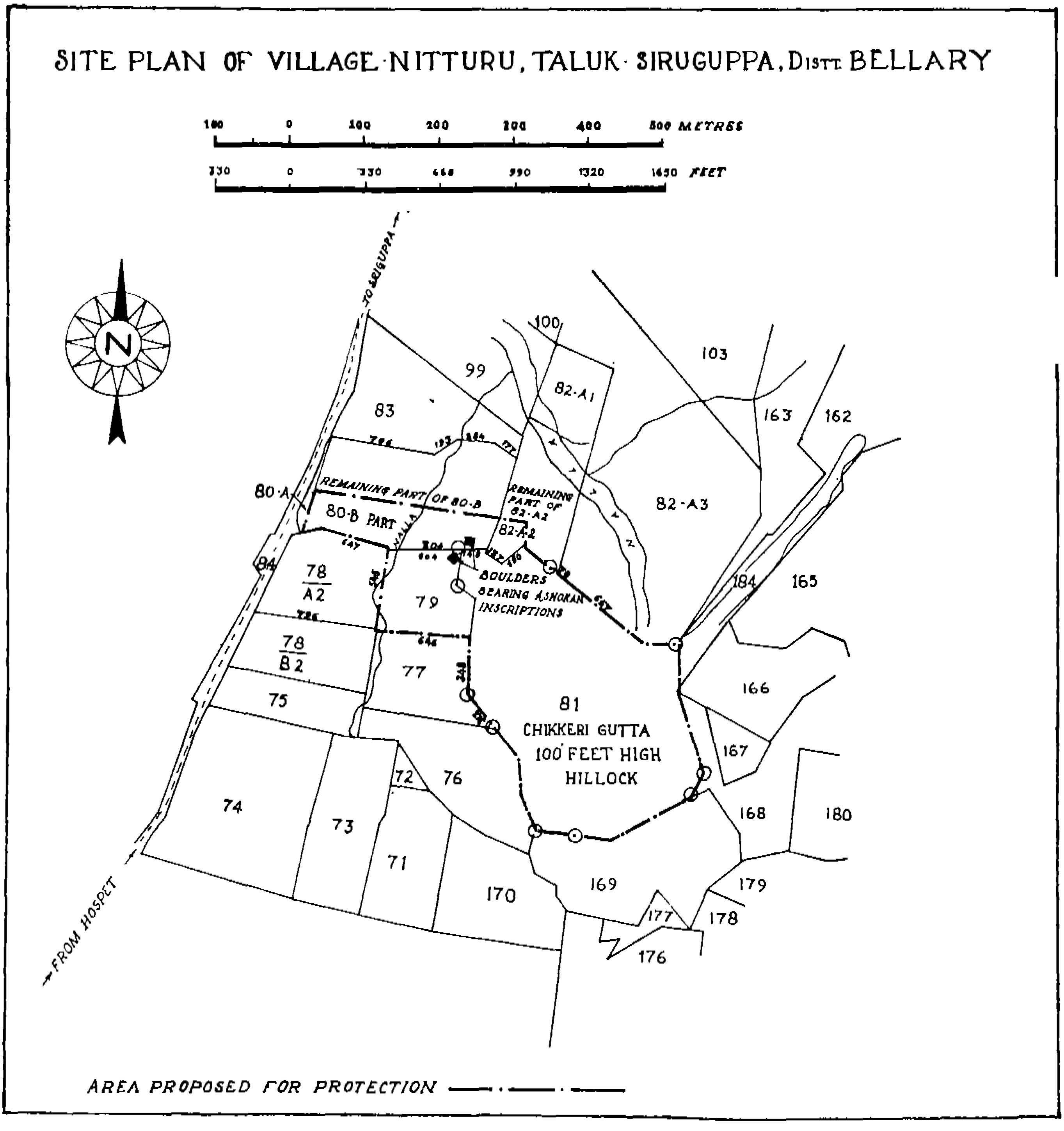

पुरातत्व

का० आ० 1367.—प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन यथा अपेक्षित एक सूचना भारत के सरकार के संस्कृति विभाग के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं० का० आ० 3305 तारीख 13 नवम्बर, 1981 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 दिसम्बर, 1981 पृष्ठ 3780-3781 पर प्रकाशित की गई थी जिसमें उस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित किए जाने की तारीख से दो मास की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त प्राचीन संस्मारक के समीप सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी।

और उक्त अधिसूचना 2 फरवरी, 1982 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और जनता से प्राप्त आक्षेपों पर केन्द्रीय सरकार ने सम्यक् विचार कर लिया है;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

अनुसूची

राज्य	जिला	अवस्थान	तहसील	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित राजस्व प्लाट सं०
1	2	3	4	5	6
पश्चिमी बंगाल	कूचबिहार	कूचबिहार	कूचबिहार	कूचबिहार महल के साथ सर्वेक्षण प्लाट सं० 188 और 6002 के भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 6003 में समाविष्ट क्षेत्र, जैसा कि पुनः प्रस्तुत स्थल रेखांक में दर्शाया गया है।	सर्वेक्षण प्लाट सं० 178 और 6002 के भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 6003, जैसा कि पुनः प्रस्तुत स्थल रेखांक में दर्शाया गया है।

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
7	8	9	10
16.124 एकड़	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं० 122, 124 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 178 का शेष भाग। पूर्व : सड़क दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं० 6016 (सड़क) और सर्वेक्षण प्लाट सं० 6002 का शेष भाग। पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं० 6004 और सिंचाई भाग का तटबंध।	महल पर कूचबिहार के भूतपूर्व महाराजा का स्वामित्व है। सर्वेक्षण प्लाट सं० 178 पार्श्वस्थ खुले क्षेत्र का स्वामित्व राज्य सरकार का है। शेष भूमि कूचबिहार के भूतपूर्व महाराजा की है जो राज्य सरकार के कब्जे में है।	कुछ नहीं

कूचबिहार के राज महल का स्थल-मानचित्र, तहसील- कूचबिहार
जिला- कूचबिहार, राज्य- पश्चिम बंगाल

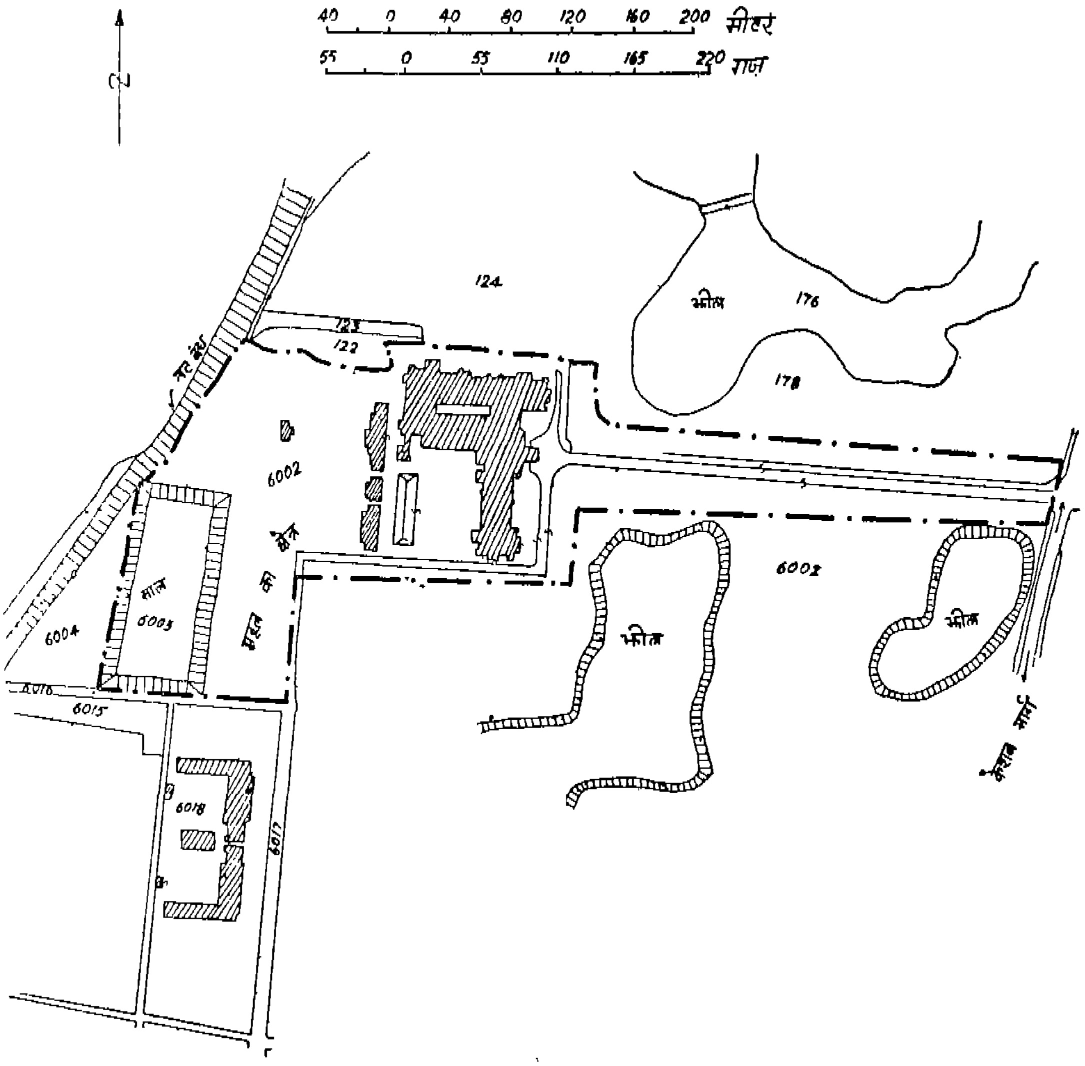

[सं० 2/15/76 सं०]

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 1367.—Whereas a notice was published as required under sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), at pages 3780-3782 of the Gazette of India, Part II Section 3, sub-section (ii), dated the 5th December, 1981, with the notification of the Government of India, Department of Culture, Archaeological Survey of India, S.O. No. 3305, dated the 13th November, 1981, inviting objections from the persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of two months from the date of publications of the notification in the official Gazette and a copy of the said notification was affixed in a conspicous place near the said ancient monument.

And whereas the said notification was made available to the public on the 2nd February, 1982;

And whereas the objections received from the public have been duly considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declare the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto to be of national importance;

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot number included under protection
1	2	3	4	5	6
West Bengal	Cooch Behar	Cooch Behar	Cooch Behar	Cooch Behar Palace along with area in parts of survey plot Nos. 178 and 6002 and survey plot No. 6003 as sown in the site plan reproduced below.	Parts of survey plot Nos. 178 and 6002 and Survey plot No. 6003 as shown in the site plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
7	8	9	10
16.124 acreas	North: Survey plot Nos. 122, 124 and remaining portion of survey plot No. 178	The palace is owned by Ex-Maharaja of Cooch Behar. The ownership of adjacent open area bearing survey plot No.178 vests with the state Government. The remaining land belongs to Ex-Maharaja of Cooch Behar retained by state Govt.	Nil
	East : Road.		
	South : Survey plot No. 6016 (road) and remaining portion of survey plot No.6002.		
	West : Survey plot No. 6004 and embankment of Irrigation Department.		

SITE PLAN OF PALACE AT COOCHBEHAR, TEHSIL- COOCHBEHAR DISTRICT- COOCHBEHAR, STATE- WEST BENGAL

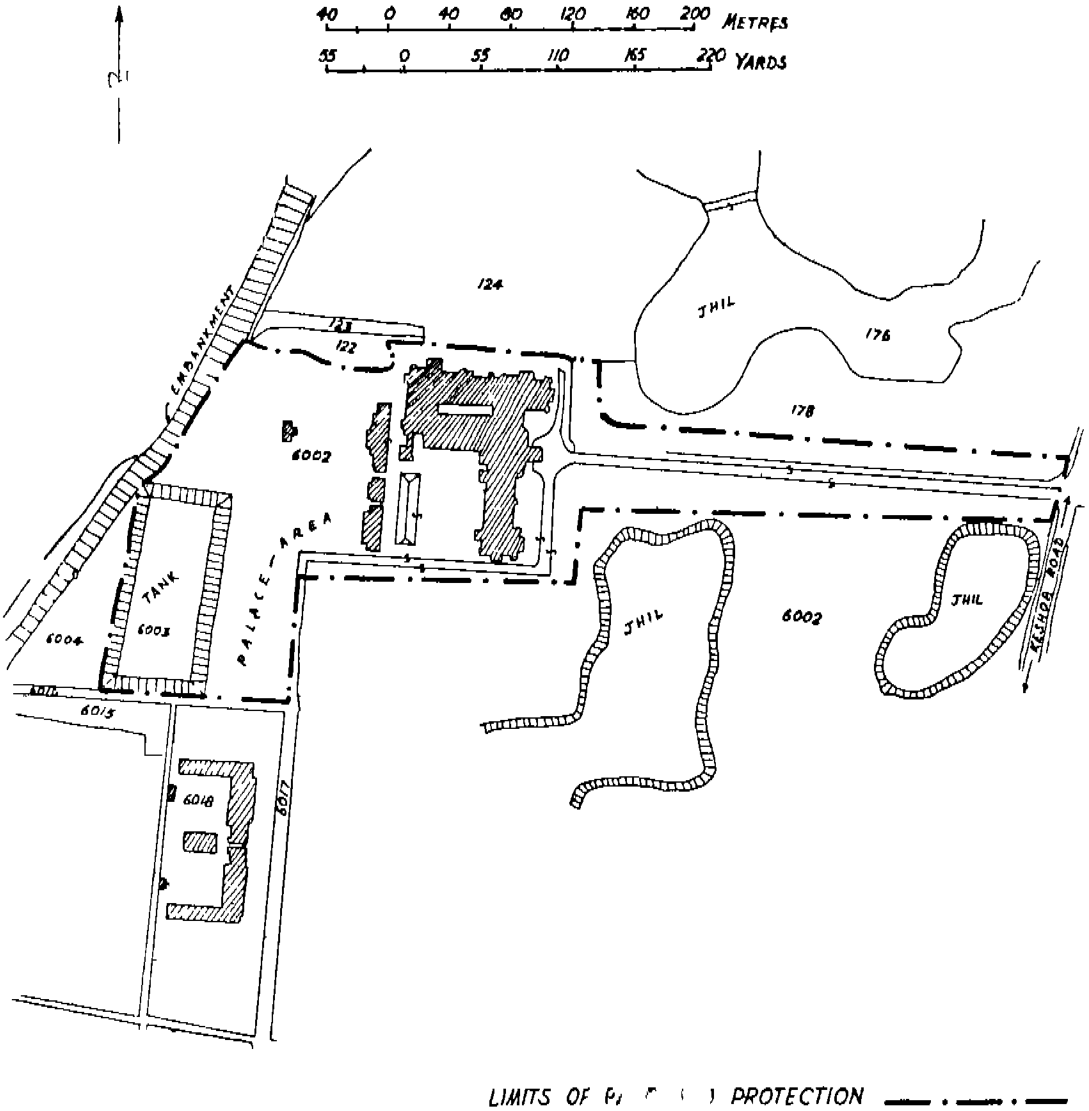

(पुरातत्व)

का० आ० 1368.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में निर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व के हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है ।

केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी भी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी ।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लाट सं०
1	2	3	4	5	6
मध्य प्रदेश	सीहोर	बुधनी	पंगोरारिया	वनक्षेत्र सं० 430/25, 430/24, और सर्वेक्षण प्लाट सं० 12,17, और 21 के भाग सहित सारू-मारू मठ काम्पलेक्स जैसा कि नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित है ।	वन क्षेत्र सं० 430/24 और 430/25 का भाग तथा राजस्व प्लाट सं० 12, 17 और 21 का भाग जैसा कि नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित है ।

क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
7	8	9	10
35.309 हैक्टर	उत्तर : वन भूमि क्षेत्र सं० 430/24 और 430/25 का भाग पूर्व : वन भूमि क्षेत्र 430/24 और प्लाट सं० 17 का भाग । दक्षिण . वन भूमि 430/25 का भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 5, 12 और 17 का शेष भाग । पश्चिम : वन भूमि सं० 430/25 का भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 17 का शेष भाग ।	सरकार	शून्य

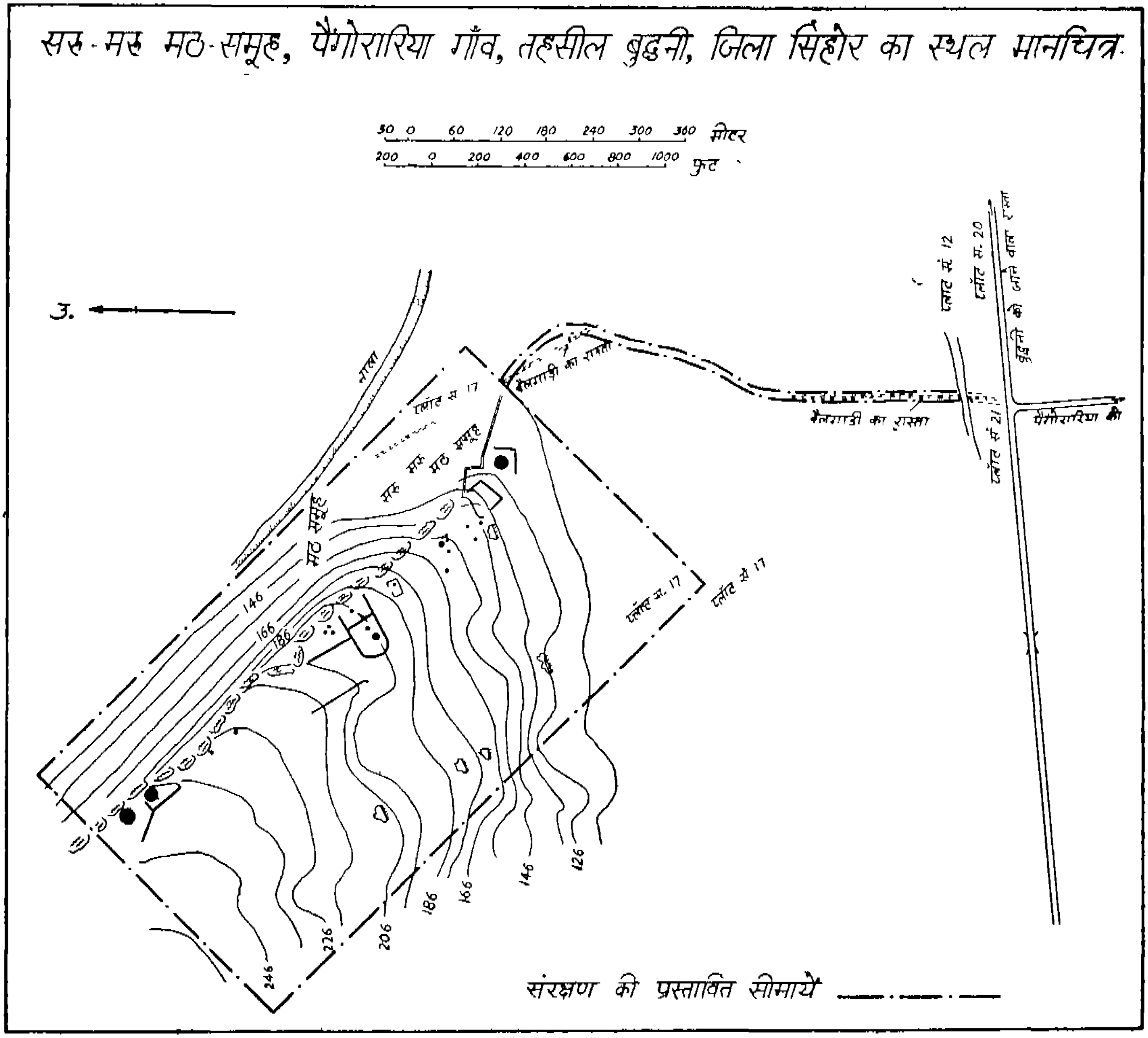

[सं० 2/3/76 स्मा०]

S.O. 1368.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance;

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette the said ancient monument will be considered by the Central Government.

State	District	Tesil	Locality	Name of monuments	Revenue plot numbers to be included under protection.
1	2	3	4	5	6
Madhya Pradesh	Sehore	Budhni	Pangoraria	Saru-Maru Monastic complex along with area comprised in a protion of forest area bearing Nos. 430/25, 430/24 and survey plot No. 12, 17 and 21 as shown in the site plan area reproduced below.	Part of forest area bearing Nos. 430 124 and 430/25 and part of revenue plot Nos. 12, 17 and 21 as shown in the site plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
7	8	9	10
35.309	North: Part of forest land bearing No. 430/XXIV and 430/XXV East : Part of forest land bearing No. 430/XXIV and part of plot No. 17 South: Part of forest land bearing No. 430/XXV and remaining portion of survey plot Nos. 5, 12 and 17. West : Part of forest land bearing No. 430/XXV and remaining portion of survey plot No. 17.	Government	Nil

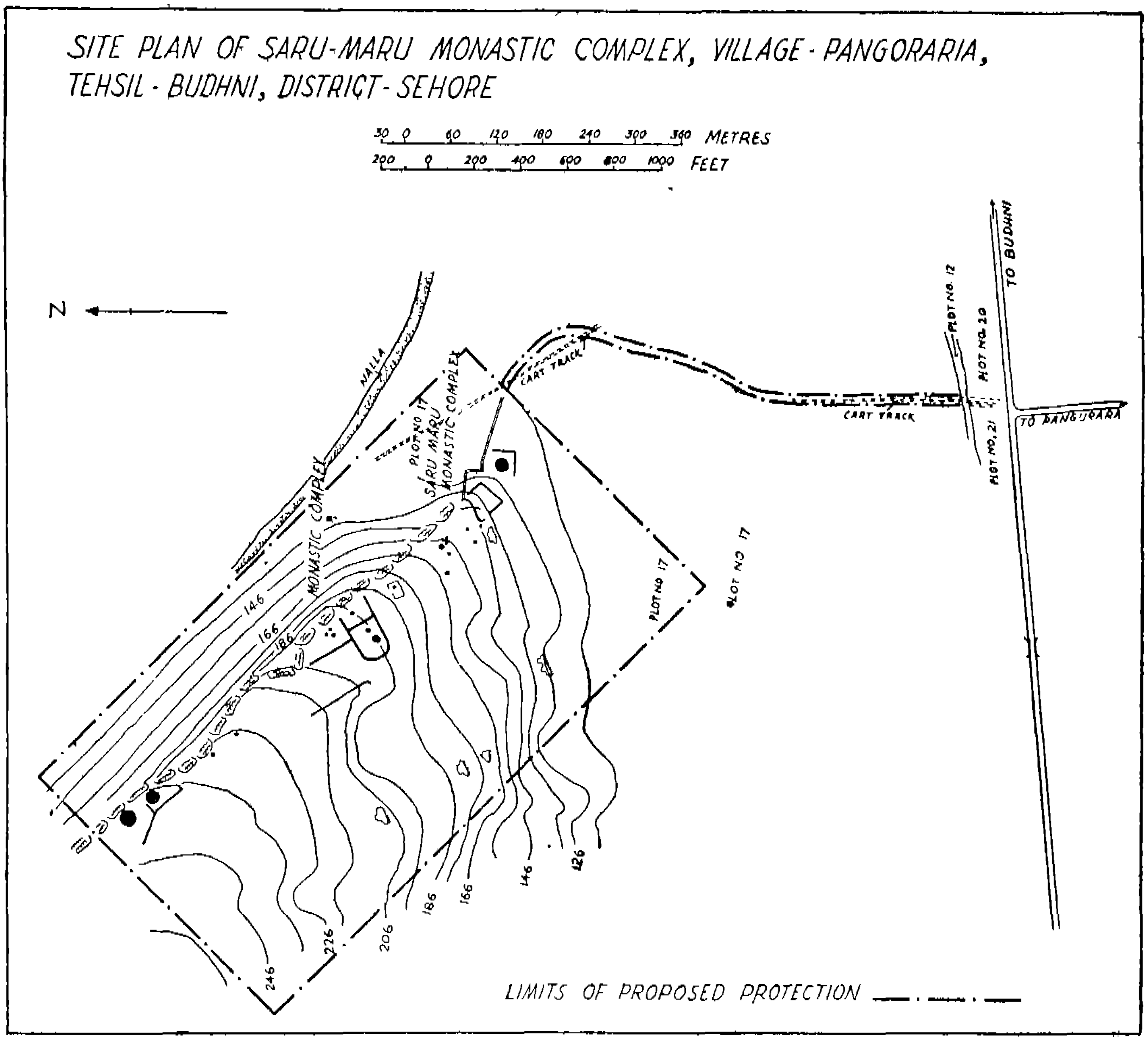

[No. 2/3/76-M]

(पुरातत्व)

का०आ० 1369—भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) ता० 6 फरवरी, 1982 में पृष्ठ 495-500 पर प्रकाशित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना का०आ० 456 ता० 22 जनवरी, 1982 में दिए गए स्थल मानचित्र में, संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले प्रस्तावित क्षेत्र की पूर्व तथा दक्षिण सीमाओं पर वर्णित "सर्वे. सं० 131/1" को "सर्वे० सं० 133/1" पढ़ा जाए।

[सं० 2/12/75--स्मा०]
देबला मित्र, महानिदेशक,
तथा पदेन संयुक्त सचिव

ARCHAEOLOGY

S.O. 1369.—In the notification of the Archaeological Survey of India S.O. No. 456 dated 22nd January, 1982 published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 6th February, 1982 at pages 495-500 in the site plan "S. No. 131|1" on the East and South boundaries of the area proposed to be included under protection may be read as "S. No. 133|1".

[No. 2|12|75-M]
D. MITRA, Director General & Ex-Officio Jt. Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

का०आ०1370--केन्द्रीय सरकार दिल्ली विकास अधिनियम 1957 की धारा 11-ए(3) के अन्तर्गत क्षेत्र-ए-20 (न्यूदरिया गंज) हेतु क्षेत्रीय विकास चित्र में नीचे लिखा संशोधन करने पर विचार कर रही है जिसे सार्वजनिक सूचना हेतु एतद् द्वारा प्रकाशित किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को प्रस्तावित संशोधन पर कोई आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपनी आपत्ति या सुझाव इस सूचना के 30 दिन के भीतर लिखित रूप मे सचिव दिल्ली विकास प्राधिकरण विकास मीनार इन्द्रप्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली को भेज दें। आपत्ति या सुझाव भेजने वाले व्यक्ति अपना नाम एवं पता भी लिखें :--

संशोधन :

"क्षेत्र ए-20 (न्यू दरिया गंज) में पड़ने वाली लगभग 2090.32 वर्ग मी० (2500 वर्ग गज) भूमि जो घटा मस्जिद दरियागंज के उत्तर में स्थित है, का भूमि उपयोग "मनोरंजनात्मक" (निकटवर्ती पार्क) से "सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक" सुविधाएं (शैक्षणिक) में परिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है जिसके सम्बन्ध में शर्तें हैं कि (1) पुराने शहर की दीवार पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा (2) मस्जिद के वर्तमान प्लेटफार्म के पूर्वी पंक्तिकरण की ओर यदि कोई निर्माण किया गया तो ऊंचाई मस्जिद की वर्तमान कुर्सी की ऊंचाई से अधिक नहीं होगी।"

उक्त प्रस्तावित संशोधन को दर्शाने वाले चित्र की एक प्रति निरीक्षण के लिए उक्त अवधि के दौरान प्राधिकरण के कार्यालय विकास मीनार इन्द्रप्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली में शनिवार को छोड़कर सभी कार्यशील दिवसों को उपलब्ध होगी।

[संख्या : एफ० 9(4)/77--एम०पी०
नाथू राम सचिव

विकास मीनार
इन्द्रप्रस्थ इस्टेट
नई दिल्ली-1
दिनांक : 3 अप्रैल, 1982

DELHI DEVELOPMENT ANTHORITY

PUBLIC NOTICE

...**S.O. 1370.**—The following modification, which the Central Government proposes to make to the zonal development plan for Zone A-20 (New Daryaganj) under section 11-A(3) of the Delhi Development Act, 1957 is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address :

MODIFICATION

"Land use of an area, measuring about 2090.32 sq. mt. (2500 sq. yds.), falling in Zone A-20 (New Daryaganj), in the north of Ghata Masjid, Daryaganj, is proposed to be changed from 'recreational' (neighbourhood park) to 'public and semi-public' facilities (educational) subject to the conditions that—(i) the old city wall will not be affected; (ii) construction if any, towards the eastern alignment of the existing platform of the Masjid is not to exceed the existing plinth height of the Masjid".

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturday, within the period referred to above.

[No. F. 9(4)|77-MP]
NATHU RAM, Secy.

Vikas Minar
Indraprastha Estate
New Delhi.
Dated, the 3-4-1982.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 मार्च 1982

का०आ० 1371.--राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) नियम 1932 के नियम 34 के साथ पठित उसके नियम 9 के उपनियम (2) नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के संचार मंत्रालय (डाक-तार) की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 620 तारीख 28 फरवरी 1957 का निम्नलिखित और संशोधन करते हैं अर्थात :--

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में--

(क) भाग--2--साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" में "विदेशी डाकघर" शीर्षक के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जायेंगी अर्थात :--

1	2	3	4	5
उच्चतर और निम्नतर चयन श्रेणियों में लिपिक वर्गीय और निरीक्षक (रेल डाक सेवा) विदेश डाक अनुभाग	नियंत्रक, विदेश डाक निदेशक, विदेशी डाकघर,	नियंत्रक, विदेश डाकघर निदेशक, विदेशी डाकघर	सभी	सदस्य (प्र०) डाक तार बोर्ड, महा डाकपाल
	सहायक नियंत्रक विदेश डाक अधीक्षक, विदेशी डाकघर	(1) से (4)		नियंत्रक, विदेश डाक निदेशक विदेशी डाकघर
सभी अन्य पद	निदेशक, विदेशी डाकघर, अधीक्षक, विदेशी डाकघर सहायक नियंत्रक, विदेशी डाक।		सभी	महाडाकपाल निदेशक, विदेशी डाकघर नियंत्रक विदेश डाक"

(ख) भाग 3--साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "घ" में "विदेशी डाकघर" शीर्षक के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जायेंगी अर्थात् :--

1	2	3	4	5
सभी पद	निदेशक, विदेशी डाकघर सहायक नियंत्रक डाक अधीक्षक, विदेशी डाकघर	निदेशक, विदेशी डाकघर : सहायक नियंत्रक डाक अधीक्षक विदेशी डाकघर	सभी	महाडाकपाल : नियंत्रक विदेश डाक, निदेशक विदेशी डाकघर
		सहायक अधीक्षक (अपने समूह में पदधारियों के लिए)।	(1) से (4)	सहायक नियंत्रक विदेश डाक : अधीक्षक विदेशी डाक घर निदेशक विदेशी डाक घर।

[सं० 154/2/80 सतर्कता-(III)]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
(Posts and Telegraphs Board)
New Delhi, the 22nd March, 1982

S. O. 1371.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. SRO 620 dated the 28th February, 1957, namely:—

In the Schedule to the said notification—

(a) in Part II, General Central Service, Group 'C' under the heading "Foreign Post Office", for the entries, the following entries, shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5
"Ministerial staff in Higher and Lower Selected Grades and Inspector (Railway Mail Service), Foreign Mail section.	Controller of Foreign Mails Director of Foreign Post;	Controller of Foreign Mails Director of Foreign Post;	All	Member (A) Posts and Telegraphs Board; Post master General.
		Assistant Controller Foreign Mails; Superintendent Fo-Foreign Post.	(i) to (iv)	Controller of Foreign Mails; Director of Foreign Post.
All other posts	Director of Foreign Post; Superintendent of Foreign Post; Asstt. Controller of Foreign Mails.	Director of All Foreign Post; Superintendent of Foreign Post; Assistant Controller of Foreign Mails.	All	Postmaster General; Director of Foreign Post; Controller of Foreign Mails."

(b) in Part III, General Central Services, Group 'D', under the heading "Foreign Post Offices", for the entries, the following entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5
"All posts	Director of Foreign Post; Assistant Controller of Mails; Superintendent of Foreign Post.	Director of Foreign Post; Assistant Controller of Mails; Superintendent of Foreign Post.	All	Postmaster General; Controller of Foreign Mails; Director of Foreign Post.
		Assistant Superintendent (for officials in his group).	(i) to (iv)	Assistant Controller Foreign Mails; Superintendent of Foreign Post; Director of Foreign Post."

[No. 154/2/80-Vig. III]

का० आ० 1372--राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उपनियम (2) नियम 12 के उप नियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 24 के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के संचार मंत्रालय (डाक तार) की अधिसूचना सं० 620, तारीख 28 फरवरी, 1957 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्--

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में,

(1) "भाग-2 साधारण केन्द्रीय सेवाएं, समूह "ग" में "रेल डाक सेवा" शीर्षक और उसके नीचे दी गई प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित शीर्षक और प्रविष्टियां अन्त स्थापित की जाएंगी,

अर्थात :--

1	2	3	4	5
"केन्द्रीय कर्मशाला डाक मशीनें पर्यवेक्षक, डाक मशीन सहायक श्रेणी-1	प्रबन्धक	प्रबन्धक	सभी	निदेशक (मशीनीकरण) डाक तार निदेशालय
डाक मशीन सहायक श्रेणी-2 आशुलिपिक ; नक्शानवीस ; टर्नर		सहायक प्रबन्धक	(1) से (4)	प्रबन्धक
सभी अन्य पद	प्रबन्धक	प्रबन्धक	सभी	निदेशक (मशीनीकरण) डाक-तार निदेशालय

(2) भाग 3--साधारण केन्द्रीय सेवाए, समूह "घ" में "रेल डाक सेवा" शीर्षक और उनके नीचे दी गई प्रविष्टियां के पश्चात निम्नलिखित शीर्षक और प्रविष्टियां अन्त स्थापित की जाएंगी, अर्थात :--

1	2	3	4	5
केन्द्रीय कर्मशाला डाक मशीन सभी पद	सहायक प्रबन्धक	सहायक प्रबन्धक	सभी	प्रबन्धक

[सं० 154/4/81-सतर्कता-3]
ग० मुकर्जी, सहायक महानिदेशक, (सतर्कता "3")

S. O. 1372:— In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. 620, dated the 28th February, 1957, namely:—

In the Schedule to the said Notification:—

(1) In Part II—General Central Services, Group 'C' after the heading "Railway Mail Service" and the entries thereunder, the following heading and the entries shall be added;—

1	2	3	4	5
		"CENTRAL WORKSHOP, POSTAL MACHINES		
Supervisor; Postal Machine Assistant Grade I;	Manager	Manager	All	Director (Mechanisation), P &T. Dte
Postal Machine Assistant Grade II; Stenographer; Draughtsman; Turner		Asstt. Manager	(i) to (iv)	Directorate Manager.
All other Posts	Manager	Manager	All	Director (Mechanisation) P&T Dte.

(ii) In Part III, General Central Services, Group 'D' after the heading "Railway Mail Service" and the entries thereunder, the following heading and entries shall be added—

1	2	3	4	5
		CENTRAL WORKSHOP, POSTAL MACHINES		
All Posts	Assistant Manager	Assistant Manager	All	Manager

[No. 154/4/81-Vlg. III]
G. Mukerjee,
Assistant Directer General

आदेश

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1982

का० आ० 1373.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में पश्चिमी रेल, कोटा के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री राम राज लाल गुप्ता होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

(1) क्या मंडल, अधीक्षक, कोटा की श्री राम गोपाल जे बढ़ई को 3-9-77 से कार्य आरंभ न करने देने तथा 29-8-1977 से 2-9-1977 तक की अवधि के लिए मजदूरी का संदाय न करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं; तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ।

(2) क्या मंडल अधीक्षक, कोटा की श्री गौरीशंकर खुशाली राम खलासी को सर्वश्री संतसिंह और चतुर्भुज से कनिष्ठ समझने की कार्यवाही ठीक है ? यदि नहीं, तो कर्मकार, किस अनुतोष का हकदार है ।

(3) क्या मंडल अधीक्षक, कोटा की श्री गजानन्द, खलासी को 14-1-76 से छंटनी किए जाने की कार्रवाई न्यायोचित और विधिक है ? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ।

(4) क्या मंडल अधीक्षक, कोटा की सी० एस० आई० गंगापुर शहर के अन्तर्गत श्री चिरंजीलाल, खलासी की 27-5-1974 से छंटनी किए जाने की कार्रवाई न्यायोचित और विधिक है, यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ।

(5) क्या मंडल अधीक्षक, कोटा की श्री अब्दुल लतीफ ए०, एन० ए० सी०, इंजीनियरी विभाग को 10-7-1974 से सवाई माधोपुर में काम पर न लिए जाने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ।

(6) क्या मुख्य इंजीनियर (सर्वेक्षण और संनिर्माण), पश्चिमी रेल, चर्चगेट की 3-12-1978 तक सहायक भंडारियों को लिपिकों तथा तत्पश्चात् वार्ड रक्षकों की सहायता न देने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

(7) क्या मंडल अधीक्षक, कोटा की रघुनाथ चम्पा, छोटू घनश्याम की तुलना में सर्वश्री प्रसाद नथुसिंह, गोविन्द दयानन्द, यादराम, दुर्गासिंह, कालूराम रामचन्द्र और रमेशकुमार, जयनारायण आकस्मिक श्रमिकों को आमेलित करने के दावे को मंजूर अतिष्ठित करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ।

(8) क्या मंडल अधीक्षक, पश्चिमी रेलवे, कोटा की श्री भगवानदास, सी० एंड० डब्ल्यू० खलासी को 13-10-60 से ज्येष्ठता न देने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल-41011(7) 79-डी-II(बी)]
एस० एस० पराशर, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 29th January, 1982

S.O. 1373.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Western Railway, Kota and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Indutrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Ram Raj Lal Gupta shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

1. "Whether the action of the Divisional Superintendent Kota, in not allowing Shri Ramgopal, J, Carpenter, to join duty, from 3-9-1977 and not making payment of wages for the period from 29-8-1977 to 2-9-1977 is justified ? It not, to what relief the workman is entitled ?"
2. "Whether the action of the Divisional Superintendent Kota in treating Shri Gaurishankar Khushaliram, Khalasi, Junior to Sarvashri Sant Singh and Chaturbhuj, is correct ? If, not, to what-relief the workman is entitled ?
3. Whether the action of the Divisional Superintendent Kota in retrenching Shri Gajanand, Khalasi, with effect from 14-1-76 is justified and legal ? If not, to what relief the workman is entitled ?"
4. Whether the action of the Divisional Superintendent Kota in retrenching Shri Chiranjilal, Khalasi, under CSI Gangapur City, with effect from 27-5-1974 is justified and legal? If not, to what relief the workman is entitled ?
5. Whether the action of the Divisional Superintendent, Kota, in not taking Shri Abdul Latif A, NAC, Engineering Department, at Sawai Madhopur, on duty with effect from 10-7-1974 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?
6. Whether the action of the Chief Engineer (Survey and Construction), Western Railway, Churchgate, in not giving the help of clerks to the Assistant Store Keepers, Kota, till 3-12-1978, and of ward keepers thereafter is justified ? If not, to what relief are the workmen entitled ?
7. Whether the action of the Divisional Superintendent, Kota in superseding the claim of absorption of the casual labourers, sarvashree Shreeprasad Nathu Singh, Govind Dayachand, Yadram Durgasingh, Kaluram Ramchandra and Romeshkumar Jainarayan in preference to Raghunath Champa, Chhotu Ganshram is justified ? If not, to what relief are the workmen entitled ?
8. Whether the action of the Divisional Superintendent, Western Railway, Kota in not giving the seniority from 13-10-1960, to Shri Bhagwandas C&W Khalasi, Kota, is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?

[No L-41011(7)/79-D.II(B)]
S. S. PRASHAR, Desk Officer.

आदेश

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1982

का० आ० 1374.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि०, बेलम्पल्ली, डिवीजन-1 से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण का न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या सिंगरेनी कालियरीज कम्पनी लि० बैलम्पल्ली डिवीजन-I(ए० पी०) के प्रबन्धतंत्र द्वारा श्री आर० अर्चना साधारण मजदूर को लिपिक श्रेणी II के रूप में पुष्टि करने से और लिपिक श्रेणी-II के वेतन तथा प्रवर्ग-I की मजदूरी के बीच के अन्तर का श्री अर्चना, साधारण मजदूर को 4-1-75 से 30-7-78 तक की अवधि के लिए जिसमें उसने लिपिक के रूप में कार्य किया है, अदाय करने से इन्कार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल-12012/14/81-डी० 4-(बी)]

ORDER

New Delhi, the 16th February, 1982

S.O. 1374.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, Division I, and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division I(AP) is justified in refusing to confirm Shri R. Archanna, General Mazdoor as Clerk Gr. II and to pay the difference of wages between the pay of Clerk Gr. II and the wages of Category I to Shri Archanna, General Mazdoor for the period he worked as Clerk from 4-1-75 to 30-7-78 ? If not to what relief is the workman is entitled ?"

[No. L-21012(14)|81-D.IV(B)]

New Delhi, the 18th March, 1982

S.O. 1375.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chanda Rayatwar Colliery in Wardha Valley Area of M/s. Western Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th March, 1982.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(49)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Chanda Rayatwari Colliery in Wardha Valley Area in Westtern Coalfields Limited, Chandrapur, Maharashtra and their workmen represented through the Wardha Valley Collieries Workers Union (HMS) Qureshi Manzil, Bhiwapura, Ward No. 3, Chandrapur (Maharashtra).

APPEARANCES :

For Union—Shri S. P. Singh, Union representative.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal. DISTRICT : Chandrapur (M.S.)

AWARD

Dated, March 5, 1982

By Notification No. L-18012(2)/80-D.IV(B), dated 4th August, 1980 the Central Government in the Ministry of Labour has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Chanda Rayatwari Colliery, Wardha Valley Area of Messrs Western Coalfields Limited in dismissing Shri Narsayya Ballayya, Badli worker with effect from 23rd May, 1979 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. Briefly stated the facts giving rise to this dispute are these. Shri Narsayya Ballayya was employed as a Badli worker under the management of the Chanda Rayatwari Colliery, Wardha Valley Area of M/s. Western Coalfields Limited. While so employed he was acting as a Chowkidar from January 1978. On the night intervening the 8th and 9th November, 1978 he was allotted the duty to keep a watch on the workshop of the colliery as also on the A type quarters occupied by some officers of the Colliery. One of the A type quarters was on that day occupied by Shri Mohan Kela, the Company's Cashier. The safe and it's one key was kept in this quarter by Shri Mohan Kela and another keyq used to remain with the Manager. When in the morning Shri Kela found that Compound Gate of his quarter was broken, the iron bars fixed in the kitchen window were broken and some of his personal belongings were lying open on the ground, he then summoned his neighbours and the Manager also. He also noticed that though the personal belongings were taken away along with the key of the safe, but the safe was intact and the huge amounts of over Rupees four lacs was not missing as the safe could be broken open. The Chowkidar was summoned from his house and it was found that while on duty he was sitting in the verandah of Shri Shukla with the light switched off. The management found that it was due to the negligence in the performance and dereliction of duties by the workman that such an incident of theft had occurred and that if the culprits had been able to open the safe the aforesaid amounts of over Rupees Four Lacs could have been stolen.

3. The management accordingly charge-sheeted the workman and held an enquiry on the charge of his conduct. The enquiry was held by M.W. 1, Shri V. S. Singh, Deputy Personnel Manager. In this enquiry, the Enquiry Officer found the workman guilty of the charges framed against him. After observing the necessary formalities regarding show cause notice etc. the workman was dismissed by an order passed on 23-5-1979.

4. A dispute was raised by the workman with regard to this order of his dismissal and since the dispute was not settled the present reference had been made to this Tribunal for adjudication.

5. The case of the workman is that he performed his duties with efficiency, care and honesty; that he was called by the Sub-Inspector of the Security Section at 3 a.m. and was asked to sit there till 4 a.m., that the management instead of tracing the real culprits had tried to shift the responsibility on the workman; that a groundless charge-sheet was framed against him which was followed by a formal enquiry by the Enquiry Officer; that the enquiry was not held in accordance with the rules and that the workman has been a victim of a predetermined mind of the management to dismiss him.

6. As against this claim of the workman, the management had stated that on the night in question the workman was negligent in his duties of keeping a watch on the workshop including A type quarters; that the workman was sitting in the verandah of Shri Shukla with the light switched off ; that because of this negligence an incident of theft took place; that it was only a matter of chance that the culprits could not break open the safe but escaped with the other personal aricles of the Cashier, Shri Mohan Kela, and that considering the seriousness of the charge, a domestic enquiry had to be ordered. The domestic enquiry which followed, according to the management, was in all respects valid and no faut could be found with it. As regards the punishment it is stated by the management that looking to the gravity of he charges found proved against the workman in the enquiry, the punishment awarded was fully justified.

7. Rejoinder was filed only by the management in which the allegations made against the validity of the enquiry were denied.

8. As per order passed on 20-3-1981 evidence was recorded initially on the question of the validity of the domestic enquiry and the order (the order of dismissal passed against the workman). In compliance with this order, evidence was led by both the parties. In the light of the aforesaid order and the evidence given by the parties the following two questions arise for determination :—

Questions :—

1. Whether there was a valid enquiry against the workman by the management ?
2. Whether the order of dismissal passed against the workman was proper ?

9. Having considered the evidence given by the parties and the contentions raised, I think, both the aforesaid questions have to be answered against the workman. My answers to the aforesaid two questions therefore are as under :—

1. The management held a proper and a valid enquiry against the workman.
2. Considering the nature of the charge found proved against the workman the order of dismissal was proper and the workman is not entitled to any relief.

Reasons for the aforesaid findings :

10. Issues No. 1 and 2.—In this case the Enquiry Officer, Shri V. S. Singh, Deputy Personnel Manager of the Sohagpur Area has been examined. He has stated that in accordance with an order Ex. M/3 dated 19-11-1978 passed by the Manager of the Colliery he was appointed as the Enquiry Officer to hold an enquiry on the charge-sheet (Ex. M/4) against the workman. He accordingly issued a notice to Shri Narsayya and two others and fixed the date as 14-12-1978. The enquiry was commenced on 17-1-1979 and continued upto 25-4-1979. He stated that the witnesses of both the parties were examined in the presence of both the parties and the workman and his co-worker were given full opportunity to cross-examine the management's witnesses. Ex. M/5 (31 sheets) is a complete record of the enquiry proceedings, according to this witness. He also stated that the workman was given due opportunity to lead evidence in defence. Ex. M/6 is his enquiry report. Lastly, according to him, the workman was assisted by his co-worker, Shri Vijay Bahadur, throughout the enquiry proceedings.

11. In his cross-examination, it was suggested that the workman was illiterate and was unable to read and write Hindi. The Enquiry Officer, however, stated that the co-worker, Shri Vijay Bahadur, who was through out present, was literate and was able to read and write Hindi. It was then suggested that the record of the enquiry was not allowed to be read either to the workman or to his coworker, Shri Vijay Bahadur, but the suggestion was denied. He also stated that the co-worker, Shri Vijay Bahadur, used to read the record of proceedings. It was then suggested to him that the statement of the defence witnesses as recorded in the enquiry proceedings is not a true record of what the witness had stated. This suggestion was also categorically denied. Another suggestion given to the witness in his cross-examination was that he conducted the enquiry with an inclination towards or in favour of the management. This suggestion was also denied.

12. From the record of proceedings, it appears that the Enquiry Officer held sittings on different dates. The enquiry, however, started on 17-1-1979 and there were different sittings upto 25-4-1979. The record of enquiry shows that on all the dates of hearing besides the workman and the representatives of the management, the workman's representatives was present in the enquiry. Every witness examined by the management was allowed to be cross examined by the worker's co-worker. The defence witnesses were examined on 24-4-1979 and on 25-4-1979 the workman was examined in the last. It is, therefore, not correct to suggest that the evidence was recorded either in the absence of the workman or wihout any opportunity being given to the workman for cross-examination or without the workman being given an opportunity to lead evidence in defence.

13. On an appreciation of the evidence given by the management and the workman, the Enquiry Officer came to the conclusion that on the night in question when an incident of theft took place at the residence of Shri Mohan Kela the workman was sitting at the residence of Shri V. P. Shukla after switching off the light. These findings are based on the basis of the evidence recorded by the Enquiry Officer. The findings appear to be a proper appreciation of the evidence and it cannot be said that they are either arbitrary or perverse or based on no evidence. There is no material on record to show that the Enquiry Officer had any prejudice against the workman or inclination towards the management. The management has filed an abstract of duty roster regarding Shri Narsayya, the workman. According to this, his duty on the night in question was to keep a watch on the workshop as well as the A type quarters. Shri Kela's evidence given before the Enquiry Officer clearly show that a theft had taken place in his house. He has stated that when he found his house burgled and some of his belongings missing, he also found that the key of the safe which was kept in his house was also missing. This safe, according to him, contained cash amounting to over Rupees Four Lacs. The safe was, however, found intact. In his statement, the workman has stated that he learnt about the incident of theft in the morning; that he was instructed by the Security Sub-Inspector to remain sitting at his residence instead of discharging his normal duties of a Chowkidar. This statement is, however, not supported by any independent evidence. He has given explanation as to how the lights at the quarter of Shri Shukla went off by saying that while sitting there he got up sometime and the light accidently went off. He also says that when Shri Shukla had enquired from him then he explained him as to how the lights had gone off. Shri Shukla has stated that when he found his light off sometime in the midnight he came out and found the workman sitting there near the switch of the Verandah lights. For this, he enquired from the workman and was told that as there were lot of Mosquitoes therefore the light had to be put off. This evidence was recorded before the Enquiry Officer who found the workman negligent in discharging the duties of a Chowkidar i.e. patrolling the areas assigned to his duties, he was resting in the verandah of Shri Shukla with the light switched off. For such an act, the Enquiry Officer had found him guilty of not discharging his duties with due diligence.

14. From what has been said above, I hold that the mode of enquiry was proper; that the evidence was recorded in the presence of the workman and his representative; that the witnesses were permitted to be cross-examined; that the workman was allowed to give his own evidence and examine the witnesses in defence; that the Enquiry Officer had properly and legally appreciated the evidence recorded before him to coming to the conclusion that the workman was not discharging his duties properly and because of the dereliction of duty on his part a serious incident of theft had taken place. Though the culprits could take the key of the safe kept in the Cashier's residence yet they could not open it as the safe was properly kept with double lock system, one key remaining with the Cashier and the other with the Manager. It was for this reason that the safe could not be opened and the huge amounts over Rupees Four lacs could not be removed. Consequently, the contention of the workman that there was invalidity in the conduction of the enquiry appears to be without any substance.

15. The next question is as to whether the punishing authority was justified in awarding the punishment of dismissal of the workman from service. In the light of the gravity of the charge, I think that the punishment awarded to the workman was proper. Any person assigned with the duties of a Chowkidar during night hours holds a post of trust. It was not the workman's contention that though he was discharging his duties of patrolling the area under his duty as expected of him an incident of theft took place. On the contrary, the evidence was that during his duty hours he switched off the lights in one of the quarters and was sitting there quietly. For such an act of dereliction of duty, the punishment awarded appears to be proper and calls for no interference. Accordingly, I hold that enquiry held against the workman on the charge-sheet (Ex. M/4) was proper; that the findings of the Enquiry Officer were also proper and that the punishment awarded to the workman was quite justified. The workman, in these circumstances, is not entitled to any relief. In the circumstances of the case, both the parties are directed to bear their own costs as incurred.

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. L-18012(2)/80-D.IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

का० आ० 1376.--मैसर्स दि त्रिवेणी इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड, 1,2,3, बेलगोला इंडस्ट्रियल एरिया, के० आर० एस० रोड, मेटागोली, मैसूर, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता, तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय, आदि में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नामनिर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एस० 35014/88/81-पी० एफ० 2]

New Delhi, the 3rd March, 1982

S.O. 1376.—Whereas Messrs The Triveni Engineering Works Ltd., 1, 2, 3 Belagola Industrial Area, K. R. S. Road, Metagally, Mysore, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and, maintain in such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in this establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir|nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee|legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[S-35014|88|81-PF-II]

नई दिल्ली, 25 मार्च 1982

का०आ० 1377.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2699 दिनांक 17 सितम्बर, 1981 के अनुक्रम में हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (लखनऊ डिवीजन), लखनऊ के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1981 से 30 सितम्बर, 1982 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जाएंगे

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी सुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व/संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किए जाएंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथाअपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा,—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी व्यक्ति से अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां, और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और जानकारी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसे उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/22/81-एच०आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र पर कार्रवाई करने में समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 25th March, 1982

S.O. 1377.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2699 dated the 17th September 1981, the Central Government hereby exempts the regular employees of the Hindustan Aeronautics Limited (Lucknow Division), Lucknow from the operation of the said Act for a further period with effect from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th September, 1982.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, and register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/22/81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely

का०आ० 1378.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2700 दिनांक 17 सितम्बर, 1981 के अनुक्रम में, दि हिन्दुस्तान एण्टीबायटिक्स लिमिटेड, पिम्परी, पुणे को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों का, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं; निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की, जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर मे रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उनसे उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/24/81-एच० आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देना आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1378.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A, of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification No. S.O. 2700 dated the 17th September, 1981, the Central Government hereby exempts the Hindustan Antibiotics Limited, Pimpri, Pune from the operation of the said Act for a further period of one year from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th June, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any inspector appointed by the Corporation under subsection (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining, whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014|24|81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का०आ० 1370.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि इस से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के कारखानों के कर्मचारियों को, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन प्रसुविधाओं के सारतः समान उपबन्धित प्रसुविधाएं अन्यथा मिल रही हैं;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 943 दिनांक 28 फरवरी, 1981 का०आ० 1121 और 1123 दिनांक, 17 मार्च, 1981 के अनुक्रम में, पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट कारखानों को पहली जुलाई, 1981 से 30 सितम्बर, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है एक और वर्ष की अवधि के लिये उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जायेंगे ;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिये वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व/संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिये यदि कोई अभिदाय पहले ही किये जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किये जायेंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोजन, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण)) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा-अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिये रखे गये थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिये गये उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा,—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी व्यक्ति से अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाये, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थान, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गये किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

अनुसूची

क्रमांक	कारखाने का नाम	संबद्ध मंत्रालय/विभाग
1	2	3
1.	मास मेलिंग प्रेस, मास मेलिंग यूनिट, मथुरा रोड नई दिल्ली।	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (परिवार कल्याण विभाग)।
2.	अखिल भारतीय भौतिक औषधि और पुनर्वास संस्थान मुम्बई का प्रासथेटिक कारखाना।	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)।
3.	सरकारी अफीम और ऐलकेलाइड संकर्म, गाजीपुर।	वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)।
4.	नाभिकीय ईंधन कंपलैक्स, हैदराबाद	परमाणु ऊर्जा विभाग।
5.	कलकत्ता बम्बई और जबलपुर को दूर संचार कारखाना।	संचार मंत्रालय (डाक और तार बोर्ड)।
6.	सरकारी तार भण्डार, बम्बई	संचार मंत्रालय (डाक और तार बोर्ड)।
7.	डाक और तार मोटर सेवा, कर्मशाला, बम्बई।	संचार मंत्रालय (डाक और तार बोर्ड)।
8.	अयस्क हैंडलिंग संयंत्र स्थल कारखाना, विशाखापटनम, पोर्ट ट्रस्ट, विशाखापटनम।	पोत परिवहन और परिवहन मंत्रालय।
9.	मौसम विज्ञान कर्मशाला, पुणे	पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय।
10.	भूगणितीय और अनुसंधान शाखा कर्मशाला भारतीय सर्वेक्षण संस्थान, देहरादून।	विज्ञान और शिल्प विज्ञान विभाग।
11.	भारतीय सर्वेक्षण संस्थान के अधीन सर्वेक्षण निदेशालय (ए०आई०आर०) मुद्रण प्रेस, नई दिल्ली।	विज्ञान और शिल्प विज्ञान विभाग
12.	भारतीय सर्वेक्षण संस्थान, हैदराबाद के पाईलट मानचित्र उत्पादन संयंत्र के संख्या 104 (हैदराबाद) मुद्रण समूह।	विज्ञान और शिल्प विज्ञान विभाग।
13.	भारत सरकार मुद्रणालय, कोयम्बतूर	निर्माण और आवास मंत्रालय।
14.	भारत सरकार मुद्रणालय, कोरट्टी	निर्माण और आवास मंत्रालय।
15.	भारत सरकार टैक्सट बुक्स प्रेस, चण्डीगढ़।	निर्माण और आवास मंत्रालय।
16.	भारत सरकार फोटो लिथो प्रेस, फरीदाबाद।	निर्माण और आवास मंत्रालय।
17.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, ओखला, दिल्ली।	उद्योग मंत्रालय।

[सं०एस०-38014/46/81-एच०आई०]

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्रार्थना-पत्रों पर कार्रवाई करने में समय लगा। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1379.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the factories, specified in the Schedule annexed hereto, belonging to the Government of India are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 943 dated the 28th February 1981, S.O. 1121 and 1123 dated the 17th March, 1981, the Central Government hereby exempts the factories specified in column 2 of the Schedule aforesaid, from the operation of the said Act for a further period with effect from the last July, 1981 upto and inclusive of the 30th September, 1982.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the the said period).

such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950.

(2) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and may kind being benefits in consideration of which exempting is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other offici l and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the factory	Ministry/Department concerned
1	2	3
1.	Mass Mailing Press, Mass Mailing Unit, Mathura Road, New Delhi.	Ministry of Health and Family Welfare (Department of Family Welfare).
2.	Prosthetic Workshop of the All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay.	Ministry of Heath and Family Welfare (Department of Health).
3.	Government Opium and Alkaloid Works, Ghazipur.	Ministry of Finance (Department of Revenue).
4.	Nuclear Fuel Complex, Hyderabad.	Department of Atomic Energy.
5.	Telecommunication Factories at Calcutta, Bombay and Jabalpur.	Ministry of Communications (Posts and Telegraph Boards).
6.	Government Telegraph Stores, Bombay.	Ministry of Communications (Posts and Telegraph Boards)
7.	Posts and Telegraphs Motor Service Workshops.	Ministry of Communications (Posts and Telegraph Boards).
8.	Oro Handling Plant Site Workshop, Visakhapatnam, Port Trust, Visakhapatnam.	Ministry of Shipping and Transport.
9.	Meteorological Workshop, Poona.	Ministry of Tourism and Civil Aviation.
10.	Geodetic and Research Branch Workshop, Survey of India, Dehradun.	Department of Science and Technology.
11.	Directorate of Survey (AIR) Printing Press, New Delhi-under Survey of India.	Department of Science and Technology.
12.	No. 104 (4BD) Printing Group, Pilot Map Production Plant Survey of India, Hyderabad.	Department of Science and Technology.
13.	Government of India Press, Coimbatore.	Ministry of Works and Housing.
14.	Government of India Press, Koratty.	Ministry of Works and Housing.
15.	Government of India Text Books Press, Chandigarh.	Ministry of Works and Housing.
16.	Government of India Photo Litho Press, Faridabad.	Ministry of Works and Housing.
17.	Small Industries Service Institute, Industrial Estate, Okhla, Delhi.	Ministry of Industries.

[No. S-38014/46/81-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the applications for exemption book time. However, it is certified that grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का०आ० 1380.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ०——तारीख 19 सितम्बर, 1981 और का०आ० ——ता० 16 सितम्बर, 1981 के अनुक्रम में, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रतिष्ठानों जो उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार से संबंधित है, के नियमित कर्मचारियों को केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1981 से 30 सितम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख सम्मिलित है, की और अवधि के लिये छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जाएंगे,

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिये वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व सन्दत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते,

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिये यदि कोई अभिदाय पहले ही किये जा चुके हो, तो वे वापस नहीं किये जायेंगे ;

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण), विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देती थी;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी; --

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ,

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिये रखे गये थे या नहीं, या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गये उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं, या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन, किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा .--

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हे ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाये, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या संबंधित ऐसे लेखा बहियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या, अन्य पदधारी के साथ प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हे ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसी किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखानों, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाये, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे मे उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थान, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गये किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसे उद्धरण लेना।

अनुसूची

क्रमांक	कारखाने के नाम
1	लघु उद्योग सेवा संस्थान, कर्मशाला, जयपुर
2	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेंटर, जोधपुर
3.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेंटर, विजयवाड़ा
4	लघु उद्योग सेवा संस्थान से सम्बद्ध मशीन शाप-एवं टूल-रूम, कलकत्ता
5	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेंटर, कोयम्बतूर
6	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेन्शन सेंटर, मदुरई
7	लघु उद्योग, सेवा संस्थान, लेदर फिनिशिंग सेंटर, ईरोड
8	केन्द्रीय कर्मशाला लघु उद्योग सेवा यूनिट, गिंडी, मद्रास
9	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेंटर, सनत नगर, हैदराबाद।

[संख्या एस० 38014/49/81 एच०आई०]

ए० के० भट्टाराय, अवर सचिव

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले मे भूतलक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिये आवेदन पत्र पर कार्यवाही करने मे समय लगा, तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि भूतलक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 26th March, 1982

S.O. 1380.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. 2718, dated the 19th September, 1981 and S.O. 2697 dated the 16th September 1981, the Central Government hereby exempts the regular employees of the establishments specified in the Schedule annexed hereto, belonging to the Government of India in the Ministry of Industry, from the operation of the said Act for a further period from the 1st July, 1981 upto and inclusive of the 30th September, 1982.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter

referred to as the said period) such returns in such form and containing such articulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extract from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

SCHEDULE

S. No.	Name of the factory
1	2
1.	Small Industries Service Institute Workshop, Jaipur.
2.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Jodhpur.
3.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Vijayawada.
4.	Machine Shop-cum-Tool Room attached to Small Industries Services Institute, Calcutta.
5.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Coimbatore.
6.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Madurai.
7.	Small Industries Service Institute, Leather Finishing Centre, Erode.
8.	Central Workshop Small Industries Service Unit, Guindy, Madras.
9.	Small Industries Service Institutes, Extension Centre, Sanat Nagar, Hyderabad.

[No. S. 38014|49|81-HI]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemptions with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1982

का० आ० 1381.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2483 तारीख 2 सितम्बर, 1981 के द्वारा सीमेंट उद्योग में सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 16 सितम्बर, 1981 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 16 मार्च, 1982 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस-11017/2/81-डी-1-ए०]

New Delhi, the 16th March, 1982

S.O. 1381.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (1 4of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2483 dated the 2nd September 1981, the services in the Cement Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 16th September 1981.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 16th March, 1982.

[No. S-11017|2|81-D.IA]

आदेश

नई दिल्ली, 18/19 मार्च, 1982

का० आ० 1382.—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1698 तारीख 22 मई, 1965 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण, संख्या 1, बम्बई के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है।

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री न्यायाधीश

एम0 डी० काम्बली को 22-2-1982 से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं० एस-11020/4/82-डीआईए० (i)]

ORDER

New Delhi, the 18th/19th March, 1982

S.O. 1382.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court No. 1, Bombay, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Employment Notification No. S.O. 1698 dated the 22nd May, 1965 ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Justice M. D. Kambli, as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from 22-2-1982.

[No. F. S-11020/4/82-DIA(ii)]

आदेश

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1982

का० आ० 1383.—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 172 तारीख 16 जनवरी, 1960 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण संख्या 1, बम्बई के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री न्यायाधीश एम० डी० काम्बली को 22-2-1982 उक्त अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं० एस-11020/4/82-डीआईए० (ii)]

ORDER

New Delhi, the 18th March, 1982

S.O. 1383.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal No. 1, Bombay, constituted by the notification of the Government of Indian in the then Ministry of Labour and Employment Notification No. S.O. 172 dated the 16th January, 1960.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Justice M. D. Kambli, as the Presiding Officer of the said Tribunal with effect from 22-2-1982.

[No. F. S-11020/4/82-DIA(ii)]

आदेश

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1982

का० आ० 1384.—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 456 तारीख 5 फरवरी, 1963 द्वारा गठित श्रम न्यायालय मुख्यालय हैदराबाद के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री रूपेन्द्र सिंह को उक्त गठित श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एस०-11020/4/81-डी० आईए०]

ORDER

New Delhi, the 23rd March, 1982

S.O. 1384.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court with headquarters at Hyderabad constituted by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 456 dated 5th February, 1963 ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Rupender Pershad Seghal as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[F. No. S-11020/4/81-DIA]

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1982

का० आ० 1385.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित मे ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ) के उपखंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2883 तारीख 28 सितम्बर, 1981 द्वारा ताम्बा खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए पहली अक्तूबर, 1981 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए पहली अप्रैल, 1982 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/5/81-डीआईए०]

New Delhi, the 24th March, 1982

S.O. 1385.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-section (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2883 dated the 28th September, 1981 the Copper Mining Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 1st October, 1981 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provision to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 1st April, 1982.

[No. S-11017/5/81-DIA]

का० आ० 1386.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ) के उपखंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2926 दिनांक 6 अक्तूबर, 1981 द्वारा यूरेनियम उद्योग में सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 2 अक्तूबर, 1981 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है की लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अप्रैल, 1982 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस० 11017/7/81 डी-आई०-ए]

S.O. 1386.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2926 dated the 6th October, 1981, the service in the Uranium industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 20th October, 1981 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exericse of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 20th April, 1982.

[No. S-11017/7/81-DIA]

आदेश

नयी दिल्ली, 25 मार्च, 1982

का० आ० 1387.—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 1970 दिनांक 28 मई, 1968 द्वारा गठित श्रम न्यायालय संख्या 2, बम्बई के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एम० ए० देशपांडे को 3-3-82 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एस० 11020/5/82 डी-आई०-ए(i)]

ORDER

New Delhi, the 25th March, 1982

S.O. 1387.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court No. 2 Bombay, constituted by the notification of the Government of India in the then Department of Labour and Employment No. S.O. 1970 dated the 28th May, 1968 ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri M. A. Deshpande, as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from the 3-3-1982.

[F. No. S-11020/5/82-DIA(i)]

का० आ० 1388.—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 1971 दिनांक 28 मई, 1968 द्वारा गठित श्रम न्यायालय संख्या 2, बम्बई के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एम० ए० देशपांडे को 3-3-1982 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एस० 11020/5/82-डी०-आई-ए० (ii)]

एल० के० नारायणन, अवर सचिव

S.O. 1388.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal No. 2, Bombay, constituted by the notification of the Government of India in the then Department of Labour and Employment No. 1971 dated the 28th May, 1968 ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri M. A. Deshpande as the Presiding Officer of the said Labour Court, with effect from the 3-3-1982.

[F. No. S-11020/5/82-DIA(ii)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1982

का० आ० 1389.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स बैरियम कैमिकल्स लिमिटेड, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० प्रसाद राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स बैरियम कैमिकल्स लिमिटेड, रामावरम पोस्ट आफिस, जिला खमाम, आंध्र प्रदेश की मिरीपुरम बराइटस माईन्स के प्रबन्धकों की अनुलग्नक में दिये गये कामगारों को 28-10-1981 से सेवामुक्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं तो कामगार किस अनुतोष के हकदार है" ।

अनुलग्नक

1. मनोज कसना
2. थुमालापाली रामाकृष्ण
3. सुरमानथ वैजिना
4. नुनावथ लक्ष्मण
5. भूक्या भरमा
6. बंगदोथ बंधूलिया
7. नूनावथ वीरियालू
8. नूनावथ जामला
9. नूनावथ थैज्या
10. माने वेंकटातेमबरू
11. प्रमोथ भीमा
12. हूलावथ मेगना
13. गूगलोथ फकरिया

14. भूक्या हरीसिंह
15. भूक्या अर्जुना
16. सिद्दाबोयन सीथारामुलु
17. भट्ट सोमला
18. अरम बुछाया
19. चिंता नरसहाय
20. भनोथ लक्ष्मा
21. भनोत संध्या

[सं० एल-29011/3/82-डी-3 (बी)]

ORDER

New Delhi, the 20th March, 1982

S.O. 1389.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial disputes exists between the employers in relation to the management of M/s. Barium Chemicals Ltd., and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. Prasada Rao, shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Sitipuram Barytes Mines of M/s. Barium Chemicals Ltd., Ramavaram Post, Khammam District, A.P. in dismissing the workmen whose names have been given in Annexures from services with effect from 28-10-81 was justified. If not, to what relief are the said workmen entitled ?"

ANNEXURE

1. Bhanoth Kasna
2. Thummalapalli Ramakrishna
3. Burmavath Begina
4. Nonnavath Laxman
5. Bhukya Bharma
6. Vangodoth Panthuliya
7. Noonavath Veerialu
8. Nonnavath Jamle
9. Nonnavath Thejya
10. Manne Venkateswarlu
11. Amhoth Bheema
12. Halavath Bhegana
13. Gugloth Fakeriah
14. Bhukya Harisingh
15. Bhukya Arjuna
16. Siddaboin Seetharamulu
17. Bhattu Somla
18. Aram Butchaiah
19. Chintha Narsaiah
20. Bhanoth Laxma
21. Bhanoth Sandhya

[No. L-29011(3)/82-D.III(B)]

S.O. 1390.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunals, Bangalore in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Dalmia International, Patelnagar, Hospet, Bellary District and their workmen, which was received by the Central Government on 16th March, 1982.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, BANGALORE

Dated this day the

PRESENT :

Shri V. H. Upadhyaya, B.A.LL.B. Presiding Officer.

Complaint No. 1/74

in Central Ref. No. 4/74

Complainant :

M. Fakruddeen, C/o. Mr. K.Gaffur, S/o Mr. K. Nanne Sab, Near Vadakaraya Temple Bellary Road, Hospet (Bellary Dist.).

Opposite Parties :

1. Shri J. R. Vohra, Branch Manager, M/s. Dalmia International Patel Nagar, Hospet Bellary District.
2. Shri T. Giriraja Ghar, Personal Assistant to the Branch Manager, M/s. Dalmia International Patelnagar, Hospet, Bellary District.

APPEARANCES :

For the Complainant—Nil

For the Opposite Parties—Shri B. T. Parthasarathi, Advocate, Bangalore.

AWARD

This is a complaint under section 33-A of the I. D. Act. According to the complainant he was dismissed from service of the opposite party as from 2-5-74 without taking permission from this Tribunal under Section 33(2) (a) or (b) of the I. D. Act, inspite of the fact that a reference pertaining to the transfer of one of the workmen was pending before the Tribunal. According to him he was an Executive Committee Member of the Bellary District Mine Workers Welfare Union, Dalmia Units, Hospet and the president of it is one other workmen Teertha Rao who was transferred from Hospet to New Delhi and whose case was pending before the Tribunal for adjudication.

2. The opposite party has submitted its statement contending that such a permission was not necessary from the Tribunal as the complaint is not a workmen concerned in the said reference. It is added that the opposite party is not aware that the complainant is the member of the Executive Committee of the union referred and the reference as regards the transfer of the said Teertha Rao is by itself invalid. It further added that it had sought for approval of the action of dismissal of the complainant by an application before the Assistant Labour Commissioner before whom the conciliation proceedings were pending and the said approval application was dismissed and over it a writ petition is filed in the High Court of Karnataka.

3. On these pleadings the following issues were framed :

1. Whether the complainant is a workman concerned with the disptue relating to Ref. No. 4 of 1974 (Central) on the file of this Tribunal.
2. Whether there has not been a violation of the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act as contended by the Opposite Party.
3. To what relief, if any, the complainant is entitled ?

4. One Teertha Rao had filed an authorisation for the complainant claiming to be the president of an Union called Iron Ore Workers Union, Kamalapur. But it was wrongly noted in the order sheet that one Shri M. C. Narsimhan, Advocate was appearing for the complainant. However neither the complainant nor his representative the said Teertha Rao appeared before the Tribunal on many days including the date of 9-3-1982. The Central Reference No. 4 of 1974 was relating to the transfer of the said Teertha Rao from Hospet to the New Delhi office of the opposite party. Even

if a dispute was raised by an union of which the said Theertha Rao was a member, it cannot be said that any other member of the said union has any common cause in regard to the said transfer. When the opposite party has denied the connection of the complainant with that union or with that reference there is no evidence on behalf of the complainant to show as to how he is interested in the dispute in the said reference regarding the transfer of the said Theertha Rao.

5. Secondly, it has to be noted that the president (Dalmia Unit) Bellary District, Mine Workers Welfare Union, Hospet has raised a dispute as regards the dismissal of this complainant from the opposite party and the Central Government has made a reference of that dispute to this Tribunal and it is pending consideration in Central Reference I. D. No. 2 of 1975. Even if it is to be held in this complaint that there is contravention of the provision of the section 33-A of the I. D. Act, the validity of the order of dismissal of the complainant requires to be considered. When the same question has to be considered in the reference in I. D. 2/75 it will be a futile exercise in two parallel proceedings to consider the same point. The complainant is not taking any interest in the present complaint. Hence the same is dismissed for non prosecution leaving it open for the complainant to prosecute his demands in the other reference I. D. No. 2 of 1975 before this Tribunal. Award passed accordingly. No costs.

Sd/-

V H. UPADHAYAYA, Presiding Officer

Industrial Tribunal, Bangalore.

[Dy. No. 807/82-D.III.B]

S.O. 1391.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dalmia International, Patelnagar, Hospet P.O. Bellary Dist. Karnataka State and their workmen, which was received by the Central Government on 16th March, 1982.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, BANGALORE

Dated this day the 9-3-1982

PRESENT :

Shri V. H. Upadhyaya, B.A., LL.B. Presiding Officer.

Central Reference No. 1/75

I Party :

Workmen represented by The President, Bellary District Mine Workers' Welfare Union, Dalmia Dist. Hospet Post Office, Bellary District, Karnataka State.

II Party :

The Branch Manager, M/s. Dalmia International, Patelnagar, Hospet, P.O. Bellary District, Karnataka State.

APPEARANCES :

For the I Party—President, I party Union.

For the II Party—Shri T. G. Acharya, Advocate, Bangalore.

AWARD

The Central Government has made a reference of the dispute between the parties for adjudication on the following points.

SCHEDULE

Whether the demand for fifty four days leave as admissible under the Employment Rules, for all the workers of B.R.H. Iron Ore Mines, Papinayakanahalli, of Messrs Dalmia International is justified ? If so, to what relief are the workmen entitled ?

2. The first party filed its claim statement on 28-1-75. The Statement was signed by one U. B. Theertha Rao claiming to be the president of the first party union. Later, on

2-12-75 the said U. B. Theertha Rao submitted an application stating that the first party union is dissolved and the workman formed another union of their own by name Iron Ore Workers Union of which he is the president and the said union should be impleaded as a first party. The said application was opposed by the other side and an order was passed on 24-6-76 by this Tribunal dismissing the same. When a notice was issued to the Bellary District Mine Workers Welfare Union a reply was received to say that it is not concerned about the dispute as the workmen therein are not the members of its union.

2. The second party submitted the statement contending that the leave provision made for clerical and supervisory staff and the operatives is just and proper and the workmen of the second party had got the standing orders amended during the pendency of the dispute and hence they are not entitled to press this dispute. It is added that the first party union has no representative character and the dispute is not maintainable in law.

3. The following additional issued were framed.

ISSUES

1. Whether the reference is not maintainable for the reason that the I Party has no Locus Standi ?

2. Whether the workmen are justified in demanding 54 days leave as admissible under the Employment Rules for all the workers of B.R.H. Iron Ore Mines, Papinayakanahalli, of M/s. Dalmia International ?

3. Whether the reference is not maintainable for the reason that the I Party Union does not represent the interest of II Party's workmen.

4. Whether the reference is not maintainable for the reason that the order of reference was not preceded by a demand on the II Party management.

5. Whether reason of amendment of the Standing Orders dated 30-3-1977 the reference does not survive ?

4. Shri M. C. Narasimhan, Advocate was having the authorisation of the Secretary of the Iron Ore Workers Union which had filed the petition to get itself impleaded. When the said union was prohibited from taking part in the proceedings by the above order of this Tribunal and it is admitted that the first party union was dissolved, there is none at present to represent the first party. My learned predecessor has noted in the above order dated 24th June 1976 that in the present case there was no existing of the interest of the workmen as community at the date when the reference is made is not in doubt and it means that there was no espousal for the support of the disptue by the Union of workmen or by appreciable number of them at the date of reference. He has further observed that in the present case it is not an Industrial dispute as it has no support of a substantial section of the workmen in the establishment. This order has remained unchallenged till today. If the Iron Ore Workers Union is not allowed to take part in the proceedings and the Bellary District Mine Workers Welfare union represents that it has dissolved its Dalmia Unit and is not prepared to take up the cause of the workmen of the second party, and if this Tribunal has already opined that there is no Industrial dispute properly espoused as at the time of the reference, the only conclusion that can be arrived at this stage is, that the reference is not maintainable and the first party union has no Locus Standi to represent the workmen.

5. Though it is true that a Subsequent withdrawal of its support by a Union which has espoused the causo will not change the character of the Industrial dispute it was open to the workmen to have established before this Tribunal that there was a valid Industrial dispute in the initial stage. Even if we are to take it that the presumption is that there was an Industrial dispute as at the time of the reference it has to be taken that the workmen of the second party, to whichever union they may be belonging, have failed to establish that they are justified in making a demand for a higher number of holidays. The second party has made it clear in the counter statement that a distinction is made between clerical and supervisory staff on the one hand and the operatives on the other as regards the leave facilities. It has given the reasons for doing so and has stated that the operatives are getting some other benefits which are not given

to the Clerical and Supervisory Staff. A different set of leave given to the operatives cannot be said to bring about discrimination among the workmen. The I Party Union has sent a memo by post on 8-3-82 to say that in view of the amendment made to the Standing Orders extending leave benefits as per Iron Ore Wage Board recommendations, it withdraws the claim and the case may be closed as the dispute is no longer existing. Hence the above issue as well as the point of reference are answered against the workmen of the second party and an Award is passed accordingly. No costs.

V. H. UPADHYAYA, Presiding Officer

Industrial Tribunal Bangalore.

[Dy. No. 608/82-D.III.B]

New Delhi, the 22nd March, 1982

S.O. 1392.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Dalmia International, Patel Nagar, Hospet and their workmen, which was received by the Central Government on 19th March, 1982

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAKA, BANGALORE

Dated this the 12th day of March, 1982

PRESENT :

Sri V. H. Upadhyaya, B.A., LL.B., Presiding Officer.

Complaint No. 1 of 1976

in Reference No. 4/74 (Central)

Complainant :

P. Ganapathi, C/o Sri U. B. Theertha Rao, President, Iron Ore Workers, Union, Kamalapur-573221.

Vs.

Opposite Parties :

1. Sri J. R. Vohra, Branch Manager, M/s. Dalmia International, Patel Nagar, Hospet (Bellary District).

2. Sri T. Girirajachar, Personal Assistant, Personnel Officer, M/s. Dalmia International, Patel Nagar, Hospet, Bellary District

APPEARANCES :

For the Complainant—Sri M. C. Narasimhan, Advocate, Bangalore.

For the Opposite Party—Sri B. T. Parthasarathy, Advocate, Bangalore.

AWARD

This is a Complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, alleging that the complainant was dismissed from service by the Opposite Parties without obtaining permission from this Tribunal before which a Central Reference No. 4/74 was pending.

2. The 1st Opposite Party has filed his counter statement contending that the complainant cannot be deemed to be a workmen concerned with the reference in No. 4/74. It is added that the said reference deals with the dismissal of one Theertha Rao which by itself is invalid and this Tribunal has no jurisdiction to entertain the reference and adjudication on it. Hence it is added that there was no necessity for any approval of the action taken in dismissal of the complainant. It is further added that the dismissal was for proved misconduct after holding a domestic enquiry and cannot be challenged by the complainant in the present proceedings.

3. On these pleadings the following issues were framed :—

1. Whether the workman P. Ganapathi is the concerned workman in Reference No. 4/74 (Central).

2. Whether the Opposite Party is justified in dismissing from service the complainant P. Ganapathi.

4. Issue No. 1 : Issue No. 1 was taken up for consideration as a preliminary issue. At the time of enquiry the complainant did not take part in the proceedings. He had authorised one Theertha Rao, the President of the Iron Ore Workers' Union to represent him. The said representative was absent. From the papers in the file, it is noted that one Ghouse Moideen claiming to be the Secretary of the Iron Ore Workers Union has authorised one advocate Sri M. C. Narasimhan to appear in this proceedings. But as Sri M. C. Narasimhan has no authority from the complainant himself, he cannot be permitted to take part in the proceedings. However, he did not appear on the day of final hearing, and hence the Tribunal proceeded for further orders.

5. It is alleged in the complaint that the reference No. 4|74 (Central) pertains to illegal and malafide transfer of Sri U. B. Theertha Rao, President of the Bellary District Mine Workers Welfare Union from Hospet to Delhi and the complainant is a workman concerned in the disptue pending before this Tribunal. It is impossible to make out as to how this complainant who is a member of the Iron Ore Workers Union would be concerned in a reference of the dispute sponsored by another union called as Bellary District Mine Workers Welfare Union in regard to the transfer of its President U. B. Theertha Rao. The said reference would be one for individual relief to the said Theertha Rao about his transfer and whether it is to be answered in favour of the said workman or management it will not in any way benefit the complainant. He cannot be called as the workman concerned in the said dispute so as to impose a ban on the management in regard to the dismissal of this complainant who claims to be a member of another union. Under such circumstances, the pendency of the reference No. 4/74 (Central) before this Tribunal is not a bar for taking action against the complainant and hence there is no contravention of Section 33 of the Industrial Disputes Act and the present complaint is not maintainable. Issue No. 1 is answered against the complainant.

6. Issue No. 2 : The enquiry papers relating to the dismissal of the complainant are produced. On going through the same, I am satisfied that the principles of natural justice are observed in the domestic enquiry. The complainant has not alleged any violation of the principles of natural justice in dismissing him. There was a proper charge-sheet against him for his misconduct and the same was enquired into. The charges of wilful insubordination of lawful and reasonable orders of the superior, dishonesty in connection with the employer's business or property, acts subversive of discipline and habitual negligence or neglect of work are found to have been established and an order of dismissal was passed against him. It is not alleged in the complaint as to how these proceedings are invalid. Hence I accept the same as legal and proper and answer Issue No. 2 also against the complainant. In the result, an Award is passed dismissing the complaint. No costs.

V. H. UPADHYAYA, Presiding Officer

Industrial Tribunal, Bangalore.

[Dy. No. 836/82-D.III.B]

आदेश

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1982

का०आ० 1393.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मैसर्स जय भारत प्रासेसिंग वर्क्स के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना 'वांछनीय' समझती है।

अत, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठसीन अधिकारी श्री जी० एस० बरोट होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद मे होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिनियम को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

'क्या मैसर्स जय भारत ग्राइंडिंग वर्क्स, भवनगर के प्रबंधतंत्र की या उसके प्रतिनिधि सेवक या साझेदार की श्री नवलकिशोर जे० पटेल को 27 दिसम्बर, 1979 के नोटिस से सेवामुक्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कामगार किस अनुतोष का हकदार है ?

[न० एल० 29012/5/81-डी०3 बी)]

शशि भूषण, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd March, 1982

S.O. 1393.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the M/s. Jay Bharat Grind'ng Works, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of M/s. Jay Bharat Grinding Works, Bhavnagar or his agent, servant or partner in terminating the services of Shri Navalkishor J. Patel vide notice dated the 27th December, 1979 is justified. If not, to what relief is the workman entitled ?

[No. L-29012(5)/81-D.III(B)]

SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1982

का०आ० 1394—उपदान संदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1321 दिनांक 29 अप्रैल, 1988 का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित अनुसूची के स्तंभ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को, उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में उनके सामने तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों के लिये तथा ऐसे सभी स्थापनों के संबंध में, जिनके लिये उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (क) के अधीन केन्द्रीय सरकार समुचित सरकार है नियंत्रक प्राधिकारियो के रूप में नियुक्त करती है।

अनुसूची

क्रमसं०	अधिकारी	क्षेत्र
1	2	3
1.	अजमेर, कोटा, अहमदाबाद, और आदिपुर में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	राजस्थान और गुजरात के राज्य
2	आसनसोल और रानीगंज में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	पश्चिम बंगाल राज्य में बर्दवान, बांकुरा और पुरुलिया के सिविल जिले।
3	भुवनेश्वर और राउरकेला में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय),	उड़ीसा राज्य
4.	बम्बई, नागपुर और वास्को-डी-गामा, पुणे तथा चन्द्रपुर मे स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	महाराष्ट्र राज्य और गोवा, दमन और दीव तथा दादर और नागर हवेली के संघ राज्य क्षेत्र।
5	कलकत्ता स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	पश्चिम बंगाल (वर्दवान, बीरभूम), बांकुरा और पुरुलिया के सिविल जिलों को छोड़कर), तथा अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह के संघ राज्य क्षेत्र।
6	धनबाद, हजारीबाग, पटना, चाईबासा और रांची में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	बिहार राज्य
7.	हैदराबाद, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और मन्चरियल मे स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	आन्ध्र प्रदेश राज्य
8.	जबलपुर, रायपुर, छिन्दवाड़ा, शाहडोल भोपाल और बिलासपुर में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	मध्य प्रदेश राज्य।
9.	आगरा, कानपुर और दिल्ली में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	उत्तर प्रदेश राज्य और दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
10.	मद्रास, अर्नेकुलम और त्रिवेन्द्रम मे स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	तमिलनाडु राज्य तथा केरल के राज्य और पांडिचेरी व लक्षद्वीप के संघ राज्य क्षेत्र
11.	चंडीगढ़ और जम्मू मे स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	पंजाब हरियाणा हिमाचल प्रदेश और जम्मू व कश्मीर तथा चंडीगढ़ के संघ राज्य क्षेत्र।
12.	गोहाटी और सिलचर में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर तथा त्रिपुरा के राज्य तथा मिजोरम एवं अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र।
13.	बंगलौर, मंगलौर तथा बैल्लारी में स्थित सहायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)	कर्नाटक राज्य

[संख्या एस-70025/4/82-एफ०पी०जी०]

New Delhi, the 22nd March, 1982

S.O. 1394.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Labour No.S.O. 1321 dated the 20th April, 1978 the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (2) of the Schedule below, to be the controlling authorities for the areas specified in the corresponding entries of column (3) of the said Schedule and in relation to all establishments for which the Central Government is the appropriate Government under clause (a) of section 2 of the said Act.

SCHEDULE

Sl. No.	Officers	Area
1	2	3
1.	Assistant Labour Commissioners (Central), at Ajmer Kota, Ahmedabad and Adipur.	The State of Rajasthan and Gujarat.
2.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Asansol and Raniganj.	The Civil districts of Burdwan Birbhum, Bankura and Purulia in the State of West Bengal.
3.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Bhubneswar and Rourkela.	The State of Orissa.
4.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Bombay, Nagpur Vasco-de-gama, Pune and Chandrapur.	The State of Maharashtra and the Union Territories of Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli.
5.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Calcutta.	The States of West Bengal (excluding the civil districts of Burdwan, Birbhum, Bankura and Purulia), Sikkim and the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands.
6.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Dhanbad, Hazaribagh, Patna, Chaibasa and Ranchi.	The State of Bihar.
7.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Hyderabad, Vijayawada, Visakhapatnam and Mancherial.	The State of Andhra Pradesh.
8.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Jabalpur, Raipur, Chindwara, Shahdol, Bhopal and Bilaspur.	The State of Madya Pradesh.
9.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Agra, Kanpur and Delhi.	The State of Uttar Pradesh and Union Territory of Delhi.
10.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Madras, Ernakulam and Trivandrum.	The States of Tamil Nadu, Kerala and the Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep.
11.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Chandigarh and Jammu.	The States of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir and Union Territory of Chandigarh.
12.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Gauhati and Silchar.	The State of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur and Tripura and the Union Territories of Mizoram and Arunachal Pradesh.
13.	Assistant Labour Commissioners (Central) at Bangalore, Mangalore and Bellary.	The State of Karnataka.

[No. S. 70025/4/82-FPG]

का०आ० 1395—उपदान, सदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) की धारा 7 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय की अधिसूचना का०आ० 1323 तारीख 20 अप्रैल, 1978 में आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके साथ उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को, उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में उनके सामने तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के लिए तथा ऐसे सभी संस्थानों के संबंध में, जिनके लिए उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (क) के अधीन केन्द्रीय सरकार समुचित सरकार है, अपील प्राधिकारी के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

क्रमांक	अधिकारी	क्षेत्र
1	2	3
1.	क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) गोहाटी।	असम, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर राज्य तथा अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के संघ राज्य क्षेत्र।
2.	क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कलकत्ता।	पश्चिम बंगाल (बर्दवान, बांकुरा, बिरभूम, पुरुलिया के जिले को छोड़कर) सिक्किम राज्य तथा अण्डमान और निकोबार संघ राज्य क्षेत्र।
3.	क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) चण्डीगढ़	हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू व कश्मीर तथा संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़।
4.	क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कानपुर	उत्तर प्रदेश राज्य और संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली।
5.	क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) बंगलौर	कर्नाटक राज्य
6.	क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) मद्रास	तमिलनाडु और केरल राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र पाण्डिचेरी और लक्षद्वीप।
7	क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), हैदराबाद।	आन्ध्र प्रदेश राज्य।

[सं० एस 70025/4/82-एफ०पी०जी०]

पी० सिन्हा, उप सचिव

S. O. 1395.—In exercise of the powers conferred by sub section (7) of section 7 of the Payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972) and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1323 dated 20th April, 1978, the Central Government hereby specifies the officers mentioned in column (2) of the Schedule annexed hereto, to be appellate authority for the areas specified in the corresponding entries in column (3) of the said Schedule and in relation to all establishments for which the Central Government is the appropriate Government under clause (a of section 2 of the said Act.

SCHEDULE

S. No.	Officers	Area
1	2	3
1.	Regional Labour Commissioner (Central), Gauhati.	States of Assam, Nagaland, Meghalaya, Tripura, Manipur and Union Territories of Arunachal Pradesh and Mizoram.
2.	Regional Labour Commissioner (Central), Calcutta.	States of West Bengal (excluding the Civil Districts of Burdwan, Bankura, Birbhum, Purulia), Sikkim and the Union Territory of Andaman and Nicobar.
3.	Regional Labour Commissioner (Central), Chandigarh.	States of Himachal Pradesh, Haryana, Punjab, Jammu and Kashmir and Union Territory of Chandigarh.
4.	Regional Labour Commissioner (Central), Kanpur.	State of Uttar Pradesh and the Union Territory of Delhi.
5.	Regional Labour Commissioner (Central), Bangalore.	State of Karnataka.
6.	Regional Labour Commissioner (Central), Madras.	States of Tamil Nadu, Kerala and Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep.
7.	Regional Labour Commissioner (Central), Hyderabad.	State of Andhra Pradesh.

[No. S. 70025/4/82-FPG]

P. SINHA, Dy. Secy.

New Delhi, the 23rd March, 1982

S.O. 1396.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dugda Coal washery of Messrs Steel Authority of India Limited, Post Office Dugda, District Giridih and their workmen which was received by the Central Government on the 20th March, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of I.D. Act

Reference No. 34 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dugda Coal Washery of Messrs Steel Authority of India Limited, Post Office Dugda, District Giridih.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice B. K. Ray (Retd.), Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen—Shri B. Lal, Advocate, with Shri B. B. Pandey, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated the 17th March, 1982

AWARD

By Order No. L-20012/14/81-D.III.A dated, the 18th June, 1981, the Central Government being of opinion that an industrial dispute existed between the employers in relation to the management of Dugda Coal Washery of Messrs Steel Authority of India Limited, Post Office Dugda, District Giridih and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule attached to the order referred the same for adjudication to this Tribunal.

The schedule attached to the order reads thus.

"Whether the action of the management of Dugda Coal Washery of Messrs Steel Authority of India Limited, Post Office Dugda, District Giridih, in terminating the services of Shri R. C. Prasad, Welder, with effect from the 11th October, 1978 and in reappointing him afresh from the 28th December, 1978, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. After notice to the parties they have failed their respective written statements and rejoinders. It is not necessary to give in details the cases of the parties as made out in their pleadings as the parties having entered into a settlement outside the court have filed the same with a prayer that the dispute be settled in terms of the settlement and an award be passed accordingly on 8-3-1982. By order of that day it has been held that the terms of the settlement are fair and reasonable. On that day according to the prayer of the parties an order has been passed to pass an award in terms of the settlement. Accordingly the following award is passed. The concerned workman, namely, Shri Ram Chandra Prasad will be given continuity of service for the period from 11-10-78 to 27-12-78 treating the period as "dies non" when he was hospitalised following an accident. His seniority will be restored to his original position. He will not get any monetary benefit for the period between 11-10-78 to 27-12-78 either in the shape of wages or other benefits except what has already been paid in lieu of earned leave/half pay leave which was admissible to him. The reference is thus answered. Parties will bear their own cost. The settlement shall form part of the award.

Sd/-

B. K. RAY, Presiding Officer

[No. L-20012/14/81-D.III(A)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. (1) AT DHANBAD

Reference No. 34 of 1981

Employers in relation to the management of Dugda Coal Washery, Central C.W. Organisation of Steel Authority of India Limited;

AND

Their workman.

The parties beg to submit that the dispute covered by this reference has been settled out of court on the following terms:—

1 That the concerned workman viz. Shri Ram Chandra Prasad will be given continuity of service for the period from 11-10-78 to 27-12-78 treating the period as "dies non" when he was hospitalised following an accident

2 That in view of Paragraph 1, his seniority will be restored to its original position.

3. That Shri Ram Chandra Prasad will not get any monetary benefit for this period in question either in the shape of wages or other benefits except what has already been paid in lieu of earned leave/Half Pay leave which was admissible to him

The above terms are fair and reasonable and therefore the parties pray that the Hon'ble Tribunal will be pleased to refer the settlement and give the award in terms thereof.

For & on behalf of Workman/authorised representative.	For and on behalf of the Employer
	Sd/-
	Personnel Manager
Sd/-	
Signature of the concerned workman.	
(R. C Prasad)	

आदेश

नई दिल्ली 24 मार्च, 1982

का०आ० 1397.—मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की बरारी कोलियरी डाकघर, भुलनबरारी, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ करता है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने के करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है,

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम करार को, जो उसे 16 मार्च, 1982 को मिला था, एतद्द्वारा प्रकाशित करती है।

करार

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन मैसर्स बी०सी०सी०एल० की बरारी कोलियरी, डाकघर भुलनबरारी, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र तथा उनके कर्मकार, जिनका प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ करता है, के बीच करार।

निम्नलिखित के बीच

1. पक्षकारों के नाम

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले	कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले
(1) मैसर्स बी०सी०सी०एल० की बरारी कोलियरी के प्रबन्धतंत्र डाकघर भुलनबरारी, जिला धनबाद	(1) राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ, राजेन्द्र पथ, धनबाद।
श्री एस०के० राय चौधरी, एजेन्ट, बी सी०सी०एल० की बरारी कोलियरी, डाकघर भुलनबरारी, जिला धनबाद	श्री जी डी० पाण्डे, सचिव, आर० सी० एम०एस०, राजेन्द्रपथ, धनबाद।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री जे०एम० सिमलोट, उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), धनबाद के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

2. विनिर्दिष्ट विवाद ग्रस्त विषय

"क्या श्री गंगा दयाल सिंह, लिपिक को लिपिक ग्रेड-I में नियुक्त करने की संघ की मांग न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है"

3 विवाद के पक्षकारों का विवरण जिसमें अन्तर्वलित स्थापन/उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।

(1) सचिव,
राष्ट्रीय कोयला मजदूर संघ
राजेन्द्र पथ, धनबाद।

(2) एजेंट
मेसर्स बी०सी०सी०एल० की बरारी कोलियरी, डाकघर भुलनबरारी, जिला धनबाद।

4. यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम।	राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ, राजेन्द्र पथ, धनबाद।
5 प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या	2209
6 विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाव्यत प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या	

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर आबद्धकर होगा। मध्यस्थ अपना पंचाट इस करार के उपयुक्त सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित किए जाने की तारीख से तीन मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निर्देश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यस्थम् के लिए बातचीत करने को स्वतन्त्र होंगे।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले	नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले
ह	ह०
(जी०डी० पाण्डे)	(एस०के० राय चौधरी)
सचिव	एजेंट
राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ राजेन्द्र पथ धनबाद	मैसर्स बी०सी०सी०एल० की बरारी कोलियरी डाकघर भुलनबरारी जिला धनबाद
26-2-82	24-2-82

साक्षी

1 ह०/ 24-2-82
(एन०के०पी० सिंह)
कार्मिक प्रबन्धक, भौरा एरिया,
डाकघर भौरा (धनबाद)

? ह०/21-?-82
(पी० के० राय)
उप कार्मिक प्रबन्धक,
भौरा एरिया, डाकघर भौरा
(धनबाद)

[सं० एल-20013(1)/82-डी-III(ए)]
ए० वी० एस० शर्मा, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 24th March, 1982

S.O. 1397.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bararee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhulanbararee, District Dhanbad and their workmen represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh;

And whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement;

Now therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Govenment hereby publishes the said agreement which was received by it on the 16th March, 1982.

Agreement :

Agreement between the Management of Bararee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhulanbararee, District Dhanbad, and their workman, represented by the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, under Section 10A of the Industrial Disputes Act 1947.

Between :

1. Name of the parties :

Representing Employer	Representing Workmen
(1) The Management of Bararee Colliery, of Messrs Bharat Coking Coal Ltd., Post Office Bhulanbararee, District Dhanbad.	(1) The Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path, Dhanbad.
Shri S.K. Roy Choudhury, Agent, Bararee Colliery of Bharat Coking Coal Ltd., Post Office Bhulanbararee, District Dhanbad.	Shri G.D. Pandey, Secretary R.C. M.S., Rajendra Path, Dhanbad.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Shri J.M. Simlote Dy. Chief Labour Commissioner (C), Dhanbad.

2. Specific matter in dispute :

"Whether the Union's demand for placing Shri Ganga Dayal Singh, Clerk, in Clerk Grade-I is justified ? If not, what relief he is entitled to ?"

3. Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment/undertaking involved :—

(1) Secretary,
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh,
Rajendra Path, Dhanbad.

(2) The Agent, Bararee Colliery of M/s. BCCL,
Post Office Bhulanbararee,
District Dhanbad.

4. Name of the Union representing workman in question.	Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajendra Path Dhanbad
5. Total number of Workmen employed in the undertaking affected.	2209
6. Estimated No. of workmen affected or likely to be affected by dispute.	1

We further agree that the decision of the Arbitrator shall be binding on us. The arbitrator shall make his Award within a period of 3 months from the date of publication of this agreement in official gazette by appropriate Govt. or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the Award is not made within the period as mentioned above, the reference to the Arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh Arbitration.

Representing the Workman	Representing the Employer
Sd./	Sd./
(G.D. Pandey) Secretary,	(S. K. Roy Choudhury) Agent,
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Rajenda Path, Dhanbad 26-2-82	Bararee Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd., Post Office Bhulanbararee, Distt. : Dhanbad. 24-2-82.

Witnesses :

Sd.

24-2-82

(1) (N.K.P. Sinha)

Personnel Manager, Bhowra Area,

Post Office, Bhowra, (Dhanbad)

24-2-82

Sd.

(2) (P.K. Roy)

Dy. Personnel Manager,
Bhowra Area, Post Office
Bhowra (Dhanbad).

[No. L-20013(1)/82-D.III(A)]

A V.S. SHARMA, Desk Officer

New Delhi, the 26th March, 1982

S.O. 1398.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad (Andhra Pradesh), in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Andhra Bank Limited and their workmen.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri B. Prasada Rao, B.A., B.L., Industrial Tribunal (Central).

Industrial Dispute No. 18 of 1971

BETWEEN

Workmen of Andhra Bank Limited, Hyderabad.

AND

Their Employers.

APPEARANCES:

Sri K. Srinivasa Murty, Hon. Secretary, Andhra Pradesh Chambers of Commerce and Industry, Hyderabad for the Management.

Sarvasri K. Narsimham and V. Jagannadha Rao, Advocates for the Workmen.

AWARD

This reference was made by the Government of India, Ministry of Labour through Order No. 23/28/70-LRIII dated 23-1-1971 under Sections 7A and 10(1)(d). It relates to the dispute between the Andhra Bank Limited and their workmen. The matter referred for adjudication to this Tribunal is as follows :—

"Whether the policy adopted by the management of the Andhra Bank Limited regarding fitment of clerical employees on promotion to Grade III officers is uniform in respect of all the employees of the Bank and whether it is fair and justified? If not, to what relief the employees affected are entitled? What should be proper method of fitment on promotion?"

2. The workmen represented by the General Secretary, Andhra Bank Employees' Association, subsequently named as Andhra Bank Staff Association, filed a claims statement contending as follows :—The subject matter of the reference is comprised of the following issues :—

1. Whether the fitment is uniform to all employees?
2. Whether it is fair and justified?
3. Who are the effected employees?

2. The Management issued a Circular No. 94/ST 62 dated 1-3-67 regarding fitment on promotion to the higher category as follows :—

"50 per cent of the D.A. (i.e. half of 72 per cent as explained above and the full quantum of temporary adjustment allowance introduced in 1962 and outstanding as 31-12-1966 as per para 14 of our Circular G.S. No. 302/Stf. 78 of 8-9-62 and C.A.I.B. allowance of Rs. 10/- per part of the examination, shall be merged with the basic pay of the officer. The resultant amount after this merger, shall be taken as the basic pay of the officer as from 1-1-1967 and he shall be fitted at the corresponding point, or the immediately next point in the revised scales of pay as laid down above."

This method of fitment was adopted and implimented uniformly to all the promotees including grade III officers who were promoted from the clerical cadre. This policy of fitment was implimented for promotees from 1966 onwards. This policy was uniform, fair and justified. But the management changed the fitment on promotion from 1-5-1969 from clerical grade to grade III officers in the year 1969. It is as follows :—

'A clerk on promotion after getting clerical increment on 1-5-69 will be fitted in the Grade III Officers cadre at the stage nearest to the salary drawn and one additional increment in the officer cadre will be given. The difference in the total emoluments i.e., Basic+D.A in the two cadres will be paid to him as T.A.A. to be set off against his future increments including D.A. thereon."

3. This method of fitment resulted in loss in basic pay as noted below :—

BASIC PAY as on 1-1-1966 in B.P. Settlement as Clerk.	Rs. 297
Clerical increment on 1-5-1966	309
B.P. on Upgradation as A Class Bank.	339
,, increment as on 1-5-67	354
,, ,, ,, 1-5-68	374
,, ,, ,, 1-5-69	394
Clerk as on 1-5-69 if promoted in May 1969 will be fitted at as Grade III Officer	425
As per promotees of 1966 the fitment will be at	530
Loss in Basic Pay	105
D.A. thereon 50%	55.50

This fitment was unfair and unjust as it effected the promotee by down-grading as though he were to remain as a Clerk without promotion.

4. The management introduced another fitment formula in October 1969 for promotions from Clerical to Grade III Officers cadre as follows :—

"The mode of fitment in the Scale of Pay of Grade III Officer is on the following basis. For a Clerk with Basic Pay of Rs. 309.

1. 2/3rd of his basic pay and dearness allowance drawn by him in the clerical cadre. (as on the date of his joining as Officer) is taken and he is fitted at the appropriate stage in the Grade III Officer's scale of pay.
2. In case the basic pay arrived at as above does not coincide with any stage in the Grade III Officers Scale of Pay but falls between two stages, and if the difference between the basic pay so arrived at and the previous stage in the Grade is more than 50 per cent of the annual increment at that stage he is fitted in the next higher stage in the Scale. In case such difference is less than 50 per cent of the annual increment, he is fitted in the next lower stage in the Scale.
3. The difference, if any, between the basic pay and D.A. as a Clerk and as an Officer after fitment on the above basis will be paid to him as adjustment allowance to be set off against future annual increment/s plus D.A. thereon.
4. 50 per cent of the Basic Pay as above arrived at will be paid to him as D.A. as per our Circular No. G.S. 94/Stf 62 of 1-3-67."

The effect of this method is that the employee on promotion would be put to a loss in his actual emoluments as illustrated below in the letter of the Bank No. 3/7693 of 30-12-1969.

Basic Pay	Rs. 375.00
Dearness Allowance	Rs. 187.50
House Rent Allowance	Rs. 70.00
City Allowance	Rs. 30.00
Adjustment Allowance	Rs 15.33*

*To be set off against future increment (In clerical grade, the total emoluments are Rs. 577.83).

Thus the fitment was to the disadvantage of the clerks on promotion and hence unfair and unjustified.

5. The management again changed the policy of fitment in the month of June 1970 by an order dated 20th June, 1970 which is as follows :—

"The mode of fitment in the scale of pay of Grade III Officers is on the following basis :—

1. 2/3rd of his basic pay and dearness allowance drawn by him in the clerical cadre, for the month of April 1970 the month in which your promotion was approved by the Board of Directors, is taken and he is fitted at the appropriate stage in the Grade III Officer's scale of pay.

This mode of fitment also is unfair and unjust

6. As stated above in a period of two years, the management introduced different methods of fitments to different types of promotees while deviating from the uniform and just policy which was in force from 1966 onwards. Thus the subsequent policies of fitments show that the management have not adopted a uniform policy and thus varied from group to group creating discrimination between the promotees from clerical grade to Grade III Officers' cadre. Hence this policy amounts to unfair labour practice.

7. Fitment in the grade effects wages within Item I of Schedule IV of the Industrial Disputes Act. If any changes are required, the management should give notice under Section 9A of the I.D. Act. Such a thing was not done by the management and hence the changes effected in the fitments between 1969 and 1970 are illegal and the promotees who were promoted during these periods are entitled to be fitted in accordance with the policy of fitment as existed in 1966.

8. Consequent on the implementation of the illegal changes made in the policy of fitment, a number of employees, namely,

1. Mr. D Rama Mohan Rao, Vijayawada.
2. Mr. O. P. Ranga Rao, Vijayawada.
3. Mr. K. S. K. Nageswara Rao, Machilipatnam.
4. Mr. P. Kanniah, Chellapalli.
5. Mr. M. S. N. Reddy, Hyderabad.
6. Mr. I. Krishna Rao, Hyderabad.
7. Mr. Durgaiah, Madras.
8. Mr. G. Venkateswara Rao, Madras.
9. Mr. I. V. S. S. S. R. A. Sarma, Hyderabad

declined to accept the promotion to Officers Grade III. Hence they are entitled to the promotion on the basis of the policy of fitments as existed in 1966. But as the management insisted that they would be fitted in the changed method which was illegal the employees were disqualified promotion. Hence they are entitled to be promoted retrospectively under the uniform policy of fitment existing from 1966. Hence this Tribunal should pass an Award holding the changes in the policy of fitments made by the management as not uniform and unjust and direct the management to effect fitment to all the promotees from 1969 onwards in accordance with the policy of fitment of 1966 under the Circular issued by the management dated 1-7-1967.

9. The management filed a counter (reply statement) contanding as follows :—The reference to this Tribunal itself is without jurisdiction. The dispute referred to is outside the purview of the Industrial Disputes Act. The dispute was raised by the Andhra Bank Employees' Association. The Andhra Bank Limited is carrying on banking business for the purpose of which it engages a large number of employee. Those who come within the definition of workmen under Section 2(S) of the Act are only known as Award Staff and the others as Officers. The terms and conditions of Award Staff are being determined by the Awards passed by the National Tribunals popularly known as Sastry and Desai Awards. On the expiry of the operation of Desai Award, a mutual settlement was entered into between the management of various Banks including the Andhra Bank and their employees and that is known as Bipartite Settlement. It is a modification in certain respects from the earlier Sastry and Desai Awards. This Settlement is still in force and binding on the parties.

10. A large number of Awards Staff are being promoted to Officer Grade in the then existing scale of pay. The scales of pay and grades of Officers used to be determined by the Bank from time to time mostly in consultation with the Officers Association and suitable modifications are being made while promoting the Award Staff to the Officers' cadre, depending on the circumstances of the case. The revision of pay scales of officers' cadre and fitment of officers on those grades and scales is purely a managerial function. The Union has no say in the matter, as the Officers are non-award staff and they are not workmen within the definition of Section 2(S) of the Industrial Disputes Act. When they do not come within the category of workmen, no dispute can be raised, regarding the scales or fitment into those scales, as it will be outside the purview of the Industrial Disputes Act The Union can only raise disputes regarding workmen and not Officers, as Industrial Disputes Act was enacted for settlement and adjudication of disputes of workmen and not non-workmen. So, fitments in the Officer grade or fixation of scales of officers cannot be a matter for industrial adjudication. On this ground alone, the reference should be rejected.

11. From the order of reference and also from the claim statement it is noticed that the employees are claiming certain reliefs by way of a change in the fitment to enable them to get higher emoluments. It is not a general policy which is being asked for or demanded by the Association. The Association is claiming specific benefits for those, who are at present working as Officers. When once the present employees on whose behalf the demand is made and whose cases are sought to be agitated upon, are not workmen within the meaning of the Industrial Disputes Act, the Industrial Tribunal cannot take up the case at all. So, the reference regarding these employees, who are at present working as Officers, cannot be construed as an Industrial Disputes, within the meaning of Section 2(S) of the Industrial Disputes Act. Even otherwise, the grades and scales for the Officers have been fixed having regard to the welfare of the Officers and the pattern prevailing in the other Banks. It can be justified even on region-cum-industry basis. It is true that in 1966 certain promotions were made from the Award Staff to that of Officers Grade III with effect from 1-3-1966. The first Bipartite Settlement which was signed on 19-10-1966, was given a retrospective effect from 1-1-66 which resulted in the increase in the salary of the clerical cadre even from 1-1-66. This increases in the clerical cadre resulted in the increase in the salary to those who were promoted as officers with effect from 1-3-1966. At that time, the scales of the Officers were also revised consequent on the revision of scales of the Award Staff; consequently, those who were promoted got a higher increase in their salaries, both in view of the revisions of the Award Staff scales and also the officers' scales. Those employees who were promoted in 1969, as they had already obtained a benefit of the revision of scales by virtue of Bipartite Settlement naturally the margin between the officers' cadre and the salaries which they were drawing at the time of promotion was not so marked as that at the time when the employees were promoted in 1966.

12. A new scheme was evolved in October 1969 in the mode of fitment of those who are promoted to the grade of officers' cadre. This was done in order to protect the promoted officers of their emoluments. In 1970 the scales of pay for the award staff were also revised and there was a consequent revision in the sacles of pay of officers, including grade III Officers This has naturally resulted in higher increase in the salaries of grade III Officers who were promoted in 1970. From what has been stated above, it is clear that the scheme of fitment has been changed from time to time having regard to the facts and circumstances prevailing then and these changes were made, having regard to the welfare of the Officers in view. The question of discrimination does not arise in this case and on the other hand, the management has gone out of the way even in changing the schemes of fitment to confer more benefits to those who were promoted to the officers cadre.

13. The management of Andhra Bank after discussing with the Officers' Staff Association, considerably increased the emoluments of the officers in Grade III. For the above reasons, the claim made by the workmen is liable to be rejected.

14. Some of the workmen who are represented by the General Secretary, Andhra Bank Employees' Union filed a claims statement contending practically in the same way as was done by the Andhra Bank Employees' Association (subsequently named as Andhra Bank Staff Association). The management filed a counter to it practically reiterating the stand taken by them in the counter filed by them to the claims statement filed by the Andhra Bank Staff Association.

15. An additional claims statement was filed by the workmen represented by Andhra Bank Employees' Union stating that in view of the changed circumstances and the subsequent wage revision in regard to award staff, some changes should be made with regard to the fixation of basic pay of a clerical member on promotion as Officer Grade III after taking into consideration the special allowance provided for special assistants as per rules in operation at the time and 3 additional increments should be given.

16. The management filed an additional counter to it disputing the same and contending that the mode of fixation suggested by the workmen cannot be adopted and that what was done by the management was quite proper and was done in the best interest of the employees.

17. The dispute in this case is between Andhra Bank Limited and the Andhra Bank Employees' Union. It relates to the policy adopted by the management regarding the fitment of clerical employees on promotion to Grade III Officers. The management raised a preliminary objection contending that the demand of the union was with regard to the fitment of Grade III Officers and that as those officers are not workmen within the meaning of Industrial Disputes Act, no industrial dispute exists and therefore the reference is incompetent. This Tribunal did not uphold their objection. Hence a writ petition was filed against the said order and a Single Judge of the High Court reversed the finding of this Tribunal and held that the reference was incompetent. A writ appeal was filed and in it the judgement of the Single Judge was set aside and the order passed by this Tribunal was restored. Hence the matter has come up for enquiry.

18. As stated already, the contention of the workmen is that the policy adopted by the management regarding the fitment of clerical employees on promotion to Grade III Officers is not uniform in respect of all its employees and hence it is unfair and unjust. Promotions were made from the rank of clerical cadre to Grade III Officers in 1967, 1969 and 1970. As per the contention of the workmen, the policy adopted by the management with regard to the officers who were promoted during these years was not uniform. With regard to the clerks who were promoted as Grade III Officers in 1967, the workmen have no objection. Ex. W1 is a circular issued by the management on 1-3-1967 regarding those persons. At page 2 of it, the mode of fixation of their pay and allowances was stated as follows :—

> "50 per cent of the D.A. (i.e. half of 72 per cent) as explained above and the full quantum of temporary adjustment allowance introduced in 1962 and outstanding as on 31-12-1966 as per para 14 of our Circular G.S. 302/Stf. 78 of 8-9-62 and the C.A.I.I.B. allowance of Rs. 10/- per part of the examination, shall be merged with the basic pay of the officer. The resultant amount after this merger, shall be taken as the basic pay of the Officer as from 1-1-1967 and he shall be fitted at the corresponding point, or the immediately next point in the revised scales of pay as laid down above."

It is the case of the workmen that this method of fitment was adopted and implimented uniformly to all the promotees who are promoted as Grade III Officers in clerical cadre and it is fair and justified.

19. In 1969 there were promotions on two occasions. The case of the workmen is that with regard to those promotions, the mode of fitment was not the same as the earlier one made in 1967 and so it is unfair. One mode of fitment which was made on 1-5-1969 is as follows :—

> "A clerk on promotion after getting clerical increment on 1-5-69 will be fitted in the Grade III Officers cadre at the stage nearest to the salary drawn and one additional increment in the Officer cadre will be given. The difference in the total emoluments i.e. Basic+D.A. in the two cadres will be paid to him as T.A.A. to be set off against his future increments including D.A. thereon."

It is the case of the workmen that on account of this mode of fitment, the pay of the officers was affected, and the officer, even on promotion was getting only the same emoluments which he was receiving as a clerk, and hence the promotion was of no use at all. As per the case of the workmen another mode of fitment was made in October, 1969 which is as follows :—

> "The mode of fitment in the Scale of Pay of Grade III Officer is on the following basis: For a Clerk with Basic Pay Rs. 309.
>
> 2. 2/3 of his basic pay and dearness allowance drawn by him in the clerical cadre (as on the date of his joining as Officer) is taken and he is fitted at the appropriate stage in the Grade III Officer's scale of pay.
>
> 2. In case the basic pay arrived at as above does not coincide with any stage in the Grade III Officers Scale of Pay but falls between two stages, and if the difference between the basic pay so arrived at and the previous stage in the Grade is more than 50 per cent of the annual increment at that stage he is fitted in the next higher stage in the scale. In case such difference is less than 50 per cent of the annual increment, he is fitted in the next lower stage in the Scale.
>
> 3. The difference, if any, between the basic pay and D.A. as a Clerk and as an Officer after fitment on the above basis will be paid to him as adjustment allowance to be set off against future annual increment/s plus D.A. thereon.
>
> 4. 50 per cent of the Basic Pay as above arrived at will be paid to him as D.A. as per our Circular No. G.S. 94/Stf. 62 of 1-3-67.

The effect of this method is that the employee on promotion would be put to a loss in his actual emoluments as illustrated below in the letter of the Bank No. 3/7693 of 30-12-1969.

Basic Pay	Rs. 375.00
Dearness Allowance	Rs. 187.50
House Rent Allowance	Rs. 70.00
City Allowance	Rs. 30.00
Adjustment allowance	Rs. 15.33*

*To be set off against future increment. (In clerical grade, the total emoluments are Rs. 577.83)."

Thus the case of the workmen is that the above fitment was to the disadvantage of the clerks on promotion and hence unfair and unjust.

20. W.W. 2 was previously a clerk and he was promoted as Grade III Officer in 1969. He states that in May, 1969 he was offered promotion to the post of Grade III Officer of the Andhra Bank, that he declined the offer because the fitment given to him in the officer cadre was faulty, discriminatory and irrational and that the fitment given to him and his batch mates at that time was different from the earlier one. Ex. W4 is a copy of the promotion order given to him and it is dated 27th June, 1969. There his pay and allowances was mentioned as follows :-

Basic Pay	Rs. 375/-
D.A.	Rs.
House Rent Allowance	
City Allowance	

Mr. T. V. S. S. R. A. Sarma is informed that he is granted the normal annual increment of Rs. 15/- in the clerical cadre as of 1-5-69, and fitted in the Grade III Officer's cadre at the stage nearest to the salary drawn and granted an additional increment of Rs. 20/- in the officer cadre. The difference of Rs. 40.92 in his emoluments in the two cadres (Basic salary and dearness allowance) will be paid to him as Temporary adjustment allowance to be set off against his future increments including dearness allowance thereon.

It is contended by the learned counsel for the workmen that this shows that the difference of Rs. 40.92 in his emoluments in the two cadres (Basic salary and dearness allowance) would be paid to him only as temporary adjustment allowance, to be set off in the future increments including dearness allowance thereon, and that hence there was actually no benefit that was given to him even though he was promoted and that hence it was not fair.

21. Promotions were made in 1970 also. Ex. W2 dated 30th December, 1970 is a circular issued with regard to those promotions. Paras 6 and 7 deal with the Grade III Officers promoted in 1969 and 1970 :—

GRADE III OFFICERS

Promoted in 1969 : With a view to neutralise the monetary dis-advantage which Grade III Officers promoted in 1969 would suffer, as compared to candidates promoted as Grade III Officers in 1970, after the implementation of the second Bipartite Settlement, it has been decided that the Grade III Officers promoted in 1969 be given an additional increment in their salary with effect from 1st January, 1971 in addition to the normal increment they would draw in May 1971 or some other date.

GRADE III OFFICERS

Promoted in 1970 : As regards Grade III Officers promoted into this grade in 1970, they would be notionally fitted into clerical scales of pay under the Second Bipartite Settlement and the resultant basic salary would be refitted into Grade III at the corresponding point and in case this figure falls exactly between two stages or above, such officers would be fitted at the next higher stage and in case the figure falls below the middle of two stages, such an officer would be fitted into at the lower stage. If any of these officers are eligible to a city compensatory allowance in their notional fitment in the new Bipartite Settlement, 50 per cent of such CCA subject to a maximum of Rs. 30/- would be added to their basic pay and the resultant basic salary would be fitted in the revised Grade III scale on the approved basis.

The learned counsel for the workmen argued that the mode of fitment with regard to those officers, which was mentioned above clearly shows that those officers were not paid even, the amounts which were being paid to 'Special Assistants' who were only of clerical cadre and who are in some other banks, and that hence it was regretable that even the Grade III Officers of the Andhra Bank were not paid even those emoluments. It is contended by him that the work done by Grade III Officers was in fact more onerous than the work done by the 'Special Assistants' in some other banks. In support of the said contention, he relied on Ex. W11 which is a circular issued by the management on 27-4-71 which shows the work that has to be performed by Grade III Officers. They have to do miscellaneous work, other than passing of cheques and signing of demand drafts/cheques issued by the branch and protection advices, correspondence, returns and checking of General Ledger and General Ledger Balances. The learned counsel for the workmen argues that the total emoluments which the Grade III Officers of the Andhra Bank who were promoted from the rank of clerks were much lower than the total emoluments which the officers of the same cadre were getting in other banks and to substantiate it he filed Ex. W13 which is a comparative statement which shows the total emoluments which the officers of several banks including Andhra Bank were getting. It shows that the officers of some other banks were getting more emoluments than the emoluments of the Grade III Officers of the Andhra Bank. But there is one bank which is Vijaya Bank where the officers get approximately the same pay of Grade III Officers of Andhra Bank.

22. The learned counsel for the management contended that the argument advanced by the learned counsel for the workmen has no bearing on the issue referred to this Tribunal, on account of the reason, that the matter that was referred for adjudication is whether the modes of fitment adopted by the management is uniform or not, and whether it is fair and justified but that it is not for fixation of pay or allowances etc. and that hence there cannot be a comparison of the officers of the other banks with the officers of this bank, as that depends on several factors including the capacity of the bank to pay and other things. But the learned counsel for the workmen contends that the fitment adopted by the management was not uniform and it was not made according to the nature and quantum of work. Ex. W17 is a circular issued by the management on 28th February, 1966 which shows that Grade III Officers have to do even internal checking duties besides other work which they had been doing previously. Hence it is contended by the learned counsel for the workmen that the duties of these officers are more onerous, than the clerks or 'special assistants' in some other banks, and that hence, while fixing the mode of fitment also they have to be taken into consideration. The learned counsel for the workman filed a book containing the 1st, 2nd and 3rd Bipartite Settlements. At page 115 there is a table showing some categories of workmen and the special allowance given to them. Item (xix) deals with special allowance. It shows that the allowance is Rs. 91 in 'A' Class Bank. This is under the second Bipartite Settlement. Under the third Bipartite Settlement contained at page 183, the special assistant's allowance was mentioned as Rs. 283 and it is still in force. It is contended by the learned counsel for the workmen that in the Andhra Bank, Grade III Officers were not paid even the emoluments which the 'special assistants' in other banks were getting and hence it was unfair. But it may be stated at this stage that there is no category as 'special assitsants' in Andhra Bank, and hence it is inappropriate to compare the salaries given to those special assistants in other banks, with the officers of the Andhra Bank who were promoted from clerical cadre. But it is however contended by the learned counsel for the workmen that the evidence placed in this case clearly shows that there were anomalies in the several modes of fitment adopted by the management in 1967, 1969 and 1970 and that hence those anomalies must be rectified, as otherwise it is prejudicial to the interests of the clerks who were promoted as Grade III Officers during the years 1969 and 1970. The learned counsel appearing for the management contends that they were amply compensated. In Ex. W2 which was already referred to there was reference made in Para 6 with regard to the Grade III Officers who were promoted in 1969. It is as follows:—

"With a view to neutralise the monetary dis-advantage which Grade III Officers promoted in 1969 would suffer, as compared to candidates promoted as Grade III Officers in 1970, after the implementation of the second Bipartite Settlement, it has been decided that the Grade III Officers promoted in 1969 be given an additional increment in their salary with effect from 1st January, 1971 in addition to the normal increment they would draw in May, 1971 or some other date."

This itself shows that there were some disadvantages for Grade III Officers who were promoted in 1969, as compared to those promoted in 1970 and hence they were given additional increments. It was stated therein that there would be two additional increments, one with effect from 1st January, 1971 in addition to the normal increment which they would draw in May, 1971. Hence it is contended by the learned counsel for the management that by way of these additional increments, each got per month Rs. 120/- more on promotion, that it was given with retrospective effect and that hence there was absolutely no prejudice that was caused to those promotees. M.W. 1 is one P. V. Subba Rao who started as a clerk in the Andhra Bank and who is now working as Grade II Officer. He was promoted as Grade III Officer in October, 1969. He states that all the

promotees were granted additional increments on 1-1-1971 and 1-7-1972 and that they were also entitled for D.A. on those two additional increments. M.W. 2 who is a Grade I Officer in the Andhra Bank also started his life as a clerk, and he is now Grade I Officer. His evidence is to the same effect as that given by M.W. 1. So the evidence given by these two witnesses and Ex. W2 itself shows that those clerks who were promoted as Grade III Officers in 1969 were given two additional increments with retrospective effect, and hence there was absolutely no prejudice caused to them inspite of the fact that the mode of fitment adopted in 1969 and 1970 was different from the earlier one.

23. It is contended by the learned counsel for the workmen that though additional increments were given with retrospective effect to the clerks who were promoted in 1969, still, that is not a ground for holding that the mode of fitment made in 1969 and 1970 was proper. It is not possible to agree with the said argument. The mode of fitment was questioned by the workmen, as they financial benefits were not equal with those who were given promotions in the earlier years. But when once, they were compensated by way of additional increments given with retrospective effect there cannot be any cause for grievance. As far as the promotions made subsequently to 1970 i.e. in 1971, and thereafter there was no grievance at all. But the learned counsel for the workmen argued that the mode of fitment made in 1969 and 1970 has to be changed. As to how it has to be done, the workmen themselves stated in their additional claims statement as follows :—

"In view of the changed circumstances and the subsequent wage revision in regard to award staff, the union prays that in the previous claim statement filed by then General Secretary, paragraph II should be deleted and in its place the following paragraph may be read :

(ii) Therefore, we submit that the following would form a rational fitment formula to be adopted in respect of clerical staff promoted as Grade III in the Bank:

(i) To fix the basic pay for a clerical member on promotion as Officer Grade III :

(a) The special alolwance (if any) drawn by member at the time of his promotion;

(b) The special allowance provided for "Special Assistants" as per rules in operation at the time (in other banks where "Special Assistants" posts exist) and

(c) Three additional increments in the scale he is drawing at the time of promotion (in order to compensate for the higher responsibilities that the Gr. III Officers are called upon to shoulder than the special assistants and to compensate for the other benefits the Gr. III Officers lack when compared to special assistants as explained in paragraph 9 above) shall be added and shall be given fitment in the scale of pay relating to Officers Gr. III at the same stage if such a stage exists on in the next higher stage.

(ii) To the basic pay arrived at as in (i) above the Dearness Allowance linked to the cost of living index-consumer-as applicable to Award Staff clerical without any limit of basic pay shall be added.

(iii) In so far as other alowances such as city compensatory allowance, House rent allowance, split duty allowance etc. they shall be given as per the rules existing now."

A reading of the above statement clearly shows that the workmen want more increments, special allowance for some categories as per the rules in operation in other banks and other types of allowances. This is clearly beyond the scope of the reference and hence it is not possible to accept the same. As stated already, the clerks who were promoted in 1969 and 1970 as Grade III Officers were amply compensated by way of additional increments given with retrospective effect and there was actually no prejudice caused to them, in so far as their monetary benefits are concerned. Further, it is too late to think of changing the mode of fitment nearly 12 years after the reference was made.

24. For the above reasons, I find the Issue referred to this Tribunal against the workmen and in favour of the management. Hence I find that the workmen are not entitled for any relief.

An award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 12th day of February, 1982.

B. PRASADA RAO, Presiding Officer
Industrial Tribunal.

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined

For Workmen :

W.W. 1 O. P. Ranga Rao

W.W. 2 I. V. S. S.S. R. A. Sarma

For Management :

M.W. 1 P. V. Subba Rao.

M.W. 2 G. Challamaiah.

Documents exhibited for the Workmen :

Ex. W1 1-3-67—Circular G.S. No. 94/Stf. 62 regarding the staff Revision of scales of pay, dearness and other allowances and other service conditions of officer staff.

Ex. W2 30-12-70—Circular G.S. No. 548/Stf. 222 given by Chairman, Andhra Bank, Central Office, Hyderabad to all the branches regarding staff-officers revision of scales of pay and, dearness allowance.

Ex. W3 27-5-81—True of the office order No. Staff/3/3526 issued by the General Manager to Sri I. V. S. S. S. R. A. Sarma.

Ex. W4—27-6-69—True copy of the Memo No 3/4365 issued by the Asst. General Manager to I. V. S. S. S. R A. Sarma.

Ex W5 4-7-69—Circular No. 3/6 issued by the General Secretary, the Andhra Bank Employees' Association to all the members regarding promotions.

Ex. W6 31-8-69—Circular No. 3/8 issued by the Andhra Bank Employees' Association to all the members regarding promotions.

Ex. W7 6-1-70—Circular No. 4/1 D.

Ex. W8 2-1-72—Circular No. 2 of 1972 issued by the General Secretary, Andhra Bank Employees' Association to all the members regarding promotions.

Ex. W9 6-1-74—Circular No. 1/74 issued by the General Secretary, Andhra Bank Employees' Association to all the members regarding the revision of scales of pay etc. of officers.

Ex. W10 20-7-70—Circular No. 24/70 issued by I. Krishna Murty, General Secretary, Andhra Bank Employees' Union to all the members regarding the decisions of the executive committee of the union.

Ex. W11 27-4-71—Circular G.S. No. 119/STF. issued by the Chairman, Andhra Bank to all the branches regarding the Staff—internal checking powers to clerks temporary basis

Ex. W12 19-12-66—True copy of the Circular G.S. No. 407/Stf. 45 issued by the Asst. General Manager, Andhra Bank, Hyderabad regarding staff-payment of dearness allowance for the month of December, 1966.

Ex. W13—Comparative Statement of total emoluments of a Junior Officer in various Banks if posted at Hyderabad.

Ex. W14 8-9-62—Circular G.S. No. 302/Stf. 78 regarding revision of scales of pay, dearness allowances and other service conditions (By consent) of officer staff.

Ex. W15 11-3-65—Circular G.S. No. 387/Stf. 248 regarding staff-officers—conversion of temporary adjustment allowance as special (By consent) allowance, allowance to the officers who graduate or graduated after joining the service of the bank but have not drawn increments for graduation and revision of house rent allowance to officers working at Madras.

Ex. W16 20-1-65—True copy of the Circular G.S. No. 32/STF. 4 issued by the Asst. General Manager regarding the Staff-payment of (By consent) dearness allowance for the month of Jan. 1966.

Ex. W17 28-2-66—True copy of the circular G.S. No. 78/STF. 7 issued by the Asst. General Manager regarding the staff promotion (By consent) as Grade III Officers issuance or powers of attorney.

Ex. W18 19-4-66—True copy of the Circular G.S. No. 125—STF. 15 issued by the Asst. General Manager regarding the staff-promotion (By consent) as Grade III Officers issuance of powers of attorney.

Ex. W19 24-5-66—True copy of the Circular G S. No. 166/STF. 20 issued by the Asst. General Manager regarding the Staff-promotion (By consent) as Grade III Officers—issuance of powers of attorney.

Ex. W20 28-11-66—True copy of the Circular G.S. No. 375/STF. 41 issued by the Asst. General Manager regarding the staff (By consent) payment of dearness allowance for the month of November 1966 Adhoc dearness allowance.

Ex. W21 1-12-66—True Copy of the Circular G.S. No. 379/STF. 43 issued by the Asst. General Manager regarding the Staff-Adhoc (By consent) dearness allowance of 6 per cent to officer staff.

Ex. W22 23-1-77—True copy of the Circular G.S. No. 41/STF. 55 issued by the Asst. General Manager regarding the staff-payment (By consent) of dearness allowance for the month of Jan 1967.

Ex. W23 30-12-70—True copy of the Circular G.S. No. 548/STF. 222 issued by the Chairman, Andhra Bank regarding the staff-officers—(By consent) revision of scales of pay and dearness allowance.

Ex. W24 8-2-66—True copy of the office order No. 3/694 issued by the Asst. General Manager, Andhra Bank to Mr. T. B. Dhananjaya (By consent) Rao, Clerk, Central office, Hyderabad.

Ex. W25 3-11-72—True copy of the Circular G.S. No. 281/STF. 119 issued by the General Manager, Andhra Bank to (By consent) all the branches.

Ex. W26 17-3-77—True copy of the CH/Circular No. 4/77 issued (By consent) by the Chairman to all the branches.

Ex. W27 1-3-67—Circular G.S. No. 94/Stf. 62 issued by the General Manager, Andhra Bank regarding the Staff-revision (By consent) of scales of pay, dearness and other allowances and other service conditions of officer staff.

Documents exhibited by the Management :

NIL

P. PRASADA RAO, Presiding Officer

Industrial Tribunal

[No. 23/28/70/LR-III(Pt)/D.II(A)]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1982

स्टाम्प

का०आ० 1399—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गुजरात इण्डस्ट्रीयल डिवलपमेंट कारपोरेशन को, उस समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है, जो उक्त निगम द्वारा ऋण पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले तीन करोड़ दो लाख रु० के अंकित मूल्य के बन्ध पत्रों पर प्रभार्य है।

[स० 11/82-स्टाम्प—फा० सं० 33/9/82—बि०क०]

भगवान दास, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 22nd March, 1982

STAMPS

S.O. 1399.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Gujarat Industrial Development Corporation to pay consolidated stamp duty chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debentures of the face value of rupees three crores and two lakhs, to be issued by the said Corporation.

[No. 11|82-Stamps|F. No. 33|9/82-ST]

BHAGWAN DAS, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1982

बीमा

का०आ० 1400—केन्द्रीय सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (बोनस और महंगाई भत्ता) नियम, 1981 के नियम 3 के उप-नियम (2) के उपखंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अवधारित करती है कि उक्त उप-नियम के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, 2 फरवरी, 1981 से प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए वर्ग 3 या वर्ग 4 के प्रत्येक कर्मचारी के लिए बोनस के बदले संदाय की दर के वेतन का 15% होगी।

[फा० स० 1(1)बी 3/82]

शिव दयाल रहेजा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 22nd March, 1982

Insurance

S.O. 1400.—In exercise of powers conferred by sub-clause (b) of sub-rule (2) of rule 3 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Bonus and Dearness Allowance) Rules, 1981, the Central Government hereby determines that, subject to the other provisions of the said sub-rule, the rate of payment in lieu of bonus for the period commencing from the 2nd day of

February, 1981 and ending on the 31st day of March, 1981 to every class III or class IV employee shall be 15 per cent of his salary.

[F. No. 1(1)/Ins.III/82]
S. D. RAHEJA, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1982

(आय-कर)

का०आ० 1401—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसकी समय समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० 679 (फा०सं० 187/2/74–आई०टी० (ए०आई०) ता० 20-7-74 के साथ सलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

क्रम सं० 7–क और 7–ख के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा :—

आय-कर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
7क कलकत्ता (केन्द्रीय II)	कलकत्ता	केन्द्रीय हल्के, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 25, 29, 30 और कटक, 31, 32 और 33।
7ख कलकत्ता (केन्द्रीय III)	कलकत्ता	केन्द्रीय हल्के 1 और 2, केन्द्रीय हल्के 6 से 9 और केन्द्रीय हल्के 14, 17 और 18

यह अधिसूचना 15 फरवरी, 1982 से प्रभावी होगी।

[सं० 4466/फा०सं० 187/26/81–आईटी (ए आई)]
मिलाप जैन, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 15th February, 1982

(INCOME-TAX)

S.O. **1401.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the schedule appended to its Notification No. 679 (F.No. 187/2/74-IT (AI) dated 20-7-74 as amended from time to time.

Existing entries against Sl. No. 7-A and 7-B shall be substituted as follows :—

Commissioner of Income-Tax	Headquarters	Jurisdiction
7A Calcutta (Central-II)	Calcutta	Central Circles, XVIII, XIX, XX, XXI, XXII, XXIII, XXV, XXIX, XXX & Cuttack, XXXI, XXXII and XXXIII.
7B Calcutta (Central-III)	Calcutta	Central Circles-I & II. Central Circles VI to IX and Central Circles XXIV, XXVII and XXVIII.

This notification shall take effect from 15th February, 1982.

[No. 4466/F. No. 187/26/81-IT (AI)]
MILAP JAIN, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र इन्द्रप्रस्थ भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट दिल्ली)

नई दिल्ली, 6 मार्च 1982

निरस्त-आदेश

का०आ० 1402—मैसर्स जैन इन्टरप्राईजेज 95 जी०टी० रोड गाजियाबाद को एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1426042/XX/75/L/80 दिनांक 24-6-80 वास्ते 50,000 रु०, अप्रैल-मार्च–81 की आयात नीति के अपेन्डिक्स 5 में लिखित अनुमेय मदों के लिए जारी किया था।

आवेदक ने आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1981-82 के पैरा 352 के अन्तर्गत एक शपथ-पत्र इस आधार पर प्रस्तुत किया है कि उसके लाइसेंस स० पी/एस/1426042 दि० 24-6-80 वास्ते 50,000 रु० अप्रैल-मार्च–81 की अवधि के लिए, की कस्टम हेतु कापी बम्बई कस्टम पर पंजीकृत होने तथा 48288 रु० तक, इस्तेमाल होने के पश्चात् खो गई है।

मैं सन्तुष्ट हूं कि उक्त लाइसेंस की मूल कस्टम हेतु कापी खो गई है।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि० 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा 9(CC) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस की मूल कस्टम कापी सं० पी/एस/1426042 दि० 24-6-80 शेष राशि 1712 रु० के लिए को निरस्त करने का आदेश देता हूं।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1981-82 के पैरा 351 से 354 के अनुसार उपरोक्त लाइसेंस की कस्टम कापी की अनुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[सं० यू पी० जे० 1/ए एम 81/ए यू I/सीएलए]
कु० माया दास गुप्ता,
उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports (Central Licensing Area) Indraprastha Bhawan, New Delhi

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 6th March, 1982

S.O. 1402.—M/s. Jain Enterprises, 95, G. T. Road, Ghaziabad was granted import licence No. P|S|1426042|XX/75/L|80, dated 24-6-80 for Rs. 50,000 for import of items as permissible under Appx. 5 of AM 81 Policy Book.

The applicant has filed an affidavit as required under para 352 of Hand Book of Import & Export Procedure 1981-82. Wherein they have stated that Custom purposes copy of licence No .P/S/1426042, dated 24-6-80 for Rs. 50,000 for AM-81 period has been lost/misplaced having been registered with Bombay Customs and utilised to the extent of Rs. 48288.

I am satisfied that the original Custom purposes copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under subject clause 9(cc) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-55 as amended upto date the said Custom purpose of licence No. P/S/1426042 dated 24-6-80 for the balance amount of Rs. 1712 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Custom purposes copy of Import licence No. P|S|1426042 dated 24-6-80 for the balance amount in accordance with the provision of Paras 351 to 354 of Hand Book of Import Export procedure 1981-82.

[F. No. UP/J/1/AM/81 AUI|CLA
(Miss) MAYA DASS GUPTA,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1982-03-16

का०आ० 1403 :—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे रद्द कर दिए गए हैं और वापस ले लिए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र के एसओ संख्या तथा तारीख जिसके अधीन भारतीय मानकों के निर्धारण की सूचना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 2235–1962 पनीर कुंडों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1963-04-20 में एसओ 1145 दिनांक 1963-04-10 के अधीन प्रकाशित	क्योंकि ये भारतीय मानक अब अप्रचलित हो गए हैं।
2.	IS : 2649–1964 हस्त चालित मक्खन निकालने की रई की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-07-04 में एसओ 2297 दिनांक 1964-06-22 के अधीन प्रकाशित	
3.	IS : 2703–1964 हस्त चालित मक्खन बिलोने (खण्ड ओवर एण्ड) की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-08-22 में एसओ 2874 दिनांक 1964-08-12 के अधीन प्रकाशित	क्योंकि ये भारतीय मानक अब अप्रचलित हो गए हैं।
4.	IS : 2822–1964 मक्खन ढलाई की मशीन की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1965-02-20 में एसओ 618 दिनांक 1965-02-08 के अधीन प्रकाशित	
5.	IS : 4767–1968 भाप जैकेट वाले घी के बर्तन (एलुमिनियम) की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1968-12-28 में एसओ 4599 दिनांक 1968-12-13 के अधीन प्रकाशित	
6.	IS : 4937–1968 दूध के रोधित बर्तन (एलुमिनियम) की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1969-04-19 में एसओ 1455 दिनांक 1969-04-03 के अधीन प्रकाशित	

[सं० सीएमडी/13 :7]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, 1982-03-16

S.O. 1403 .—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby notified that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Title of the Indian Standard Cancelled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was Notified	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 2235–1962 Specification for cheese vats	S.O. 1147 dated 1963-04-10 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, sub-section (ii) dated 1963-04-20	As these Indian Standards have become obsolete
2.	IS : 2649–1964 Specification for hand operated butter worker	S.O. 2297 dated 1964-06-22 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-07-04.	
3.	IS : 2703–1964 Specification for hand operated butter churn (endover end)	S.O. 2874 dated 1964 08-12 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-08-22	
4.	IS : 2822–1964 Specification for butter moulding machine	S.O. 618 dated 1965-02-08 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1965-02-20.	As these Indian Standards have become obsolete
5.	IS : 4767–1968 Specification for steam jacketed ghee pans (aluminium)	S.O. 4599 dated 1968-12-13 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1968-12-28.	
6	IS : 4937–1968 Specification for insulated milk cans (aluminium)	S.O. 145? dated 1969-04-03 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-04-19.	

[No. CMD/13:7]

का०आ० 1404 :—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिस भारतीय मानक के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वह रद्द कर दिया गया है और वापस ले लिया गया है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र के एसओ संख्या तथा तारीख जिसके अधीन भारतीय मानकों के निर्धारण की सूचना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 4974–1968 ग्रीज निपलों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1976-06-14 में एसओ 2330 दिनांक 1969-06-02 के अधीन	क्योंकि इस भारतीय मानक में दी गई अपेक्षाएं अब IS : 4009 (भाग 2)—1981 ग्रीज निपलों की विशिष्टि, भाग 2 शंकु रूप शीर्ष वाले ग्रीज निपल

[संख्या सीएमडी/13 : 7]

S.O. 1404.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard, particulars of which is mentioned in the Schedule given hereafter, has been cancelled and stands withdrawn :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Title of the Indian Standard Cancelled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was Notified	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 4974–1968 Specification for grease nipples	S.O. 2330 dated 1969-06-02 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-06-14	As the requirements of this Indian Standard has been included in IS : 4009 (Part II)–1981 Specification for grease nipples : Part II Conical head grease nipples.

[No. CMD/13 : 7]

का०आ० 1405 :—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची मे दिए गए है वे रद्द कर दिए गए है और वापस ले लिए गए है :—

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र के एस ओ संख्या तथा तारीख जिसके अधीन भारतीय मानकों के निर्धारण की सूचना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 2579–1963 सूती करघों के लिए खाली बक्सों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-03-28 में एसओ 1102 दिनांक 1064-03-18 के अधीन प्रकाशित	क्योंकि इन भारतीय मानको में दी अपेक्षाएं अब IS : 7994–1981 सूती करघों के स्ले तलों, रेस, टोपी और बक्सो के लिए खाली बक्सो/तख्तो की विशिष्टि में शामिल कर ली गई हैं।
2.	IS : 2623–1964 सूती करघों के लिए स्ले टोपियो के लिए खाली बक्सो की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-05-02 मे एसओ 1454 दिनांक 1964-04-17 के अधीन प्रकाशित	
3.	IS : 2624–1964 सूती करघों के लिए स्ले रेसिस के तख्तों की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-05-30 मे एसओ 1840 दिनांक 1964-05-18 के अधीन प्रकाशित	
4.	IS : 2625–1964 सूती करघों के लिए स्ले तल्लो के लिए खाली बक्सों की विशिष्टि		

[सं० सीएमडी/13 : 7]

S.O. 1405 In pursuance of sub regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in the schedule, given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Title of the Indian Standard Cancelled	S.O. No. & Date of Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was Notified	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
1	IS : 2579—1963 Specification for box blanks for cotton looms.	S.O. 1102 dated 1964-03-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-03-28	As the requirements of these Indian Standards have been covered in IS : 9794-1981 Specification for boards/blanks for sley bottom, race, cap and box blanks of cotton looms.
2	IS : 2623—1964 Specification for blanks for sley caps for cotton looms	S.O. 1454 dated 1964-04-17 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-05-02	
3	IS : 2624—1964 Specification for boards for sley races for cotton loom .	S.O. 1840 dated 1964-05-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964 05-30.	
4	IS : 2625—1964 Specification for blanks for sley bottoms for cotton looms	-Do-	

[No. CMD/13 :7]

का० आ० 1406 —समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे रद्द कर दिए गए हैं और वापस ले लिए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र के एसओ संख्या तथा तारीख जिसके अधीन भारतीय मानकों के निर्धारण की सूचना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 823—1964 साधारण इस्पात की हस्त मेटल आर्क वेल्डिंग की रीतिसंहिता	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1966-04-09 में एसओ 1081 दिनांक 1966-03-25 के अधीन प्रकाशित	क्योंकि इन मानकों में दी गई अपेक्षाएं अब IS : 9595—1980 कार्बन और कार्बन मैंगनीज इस्पातों की मेटल आर्क वेल्डिंग से संबंधित सिफारिशों में शामिल कर ली गई हैं।
2.	IS : 6227—1971 नलिकाकार संरचनाओं में मेटल आर्क वेल्डिंग के उपयोग की रीति संहिता	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1973-10-27 में एसओ 3056 दिनांक 1973-10-08 के अधीन प्रकाशित	

[संख्या सीएमडी/13 : 7]

ए०पी० बनर्जी, अपर महानिदेशक

S.O. 1406 .—In pursuance of sub regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Title of the Indian Standard Cancelled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was Notified	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 823- 1964 Code of procedure for manual metal arc welding of mild steel.	S.O. 1081 dated 1966-03-25 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub section (ii) dated 1966-04-09.	As the requirements of these Indian Standards have been covered in IS : 9595—1980 Recommendation for metal-arc welding of carbon and carbon-manganese steels.
2.	IS : 6227—1971 Code of practice for use of metal arc welding in tabular structures	S.O. 3056 dated 1973-10-08 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, sub-section (ii) dated 1973-10-27.	

[No. CMD/13:7]

A. P. BANERJI, Addl. Dte. General

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1982